# रत्न संचय

## भाग-4

-: संपादक :-

प.पू. आचार्य देव श्री रत्नाकरसूरीश्वरजी म.सा.

के शिष्य उपाध्याय श्री रत्नत्रय विजयजी म.सा.

॥ श्री गोड़ीजी पार्श्वनाथाय नमः ॥

॥ श्री जित-हीर-बुद्धि-तिलक-शांतिचंद्र रत्नशेखर-राजेन्द्रसूरिभ्यो नमः ॥

# रत्नसंचय

## भाग-4

॥ दिव्याशिषदाता ॥

आचार्य देवश्री रत्नशेखर सूरिश्वरजी म.सा.

कलिकुंड तीर्थोद्धारक आचार्यदेव श्री राजेन्द्रसूरिश्वरजी म.सा.

शुभाशीर्वाद दाता

आचार्य देव श्री राजशेखर सूरिश्वरजी म.सा.

संपादक

आचार्यदेव श्री रत्नाकर सूरिश्वरजी म.सा. के शिष्य

उपाध्याय श्री रत्नत्रय विजयजी म.सा.

प्रकाशक

श्री रंजनविजयजी जैन पुस्तकालय

मालवाड़ा (राज.)

पुस्तक नाम : रत्नसंचय भाग-4

संपादक : उपाध्याय श्री रत्नत्रय विजयजी

प्रथम आवृत्ति : नकल 3,000 संवत : 2063 मूल्य :

द्वितीय आवृत्ति : नकल 2,000 संवत : 2070 ₹.50/-

## प्राप्तिस्थान

(रत्नसंचय के चारो भाग नीचे के स्थान से मिलेंगे)

अमदाबाद : श्री पारस गंगा ज्ञानमंदिर (राजेन्द्रभाई)
बी-१०४, केदार टावर, राजस्थान होस्पिटल के सामने,
शाहीबाग, अमदावाद-380004. (Mob.) 9426539076
राजेन्द्रभाई एन. शाह
बी–3, रत्नधरा एपार्टमेन्ट, गिरधरनगर ब्रीज के पास,
शाहीबाग, अमदावाद–380004
फोन : (079) 22860247 (Mob.) 9426539076

मुंबई : श्री मणीलाल यु. शाह
B-101, फिलजोय, अेम.सी.एफ. क्लब पासे, एस.वी. रोड़,
बोरीवली (वे.) मुंबई–400092 • (Mob.) : 9820185353

अमदावाद : श्री जैन प्रकाशन मंदिर
दोशीवाडानी पोल, कालुपुर, अमदावाद–1
• फोन : (ओ) 25356806

पालीताणा : श्री पार्श्वनाथ जैन पुस्तक भंडार
फुवारा के पास, तलेटी रोड, पालीताणा–364270 (सो.)
• (Mob.) : 9879744948

: मुद्रक :

नवनीत प्रिन्टर्स, (निकुंज शाह) 2733, कुवावाली पोल, शाहपुर,
अहमदाबाद • मोबाईल : 98252 61177 • 94273 26041

# प्रस्तावना

वर्तमान काल शोर्ट एन्ड स्वीट का युग हैं । आज लम्बी बाजार में घूमने के बदले मोल में जाकर पूरा घर सामान लेकर आ जाते हैं । संसारी जीव अनेक प्रकार के टेन्शन से प्रतिबद्ध हैं । उनको ज्यादा उपदेश या ज्यादा धार्मिक जनरल ज्ञान भी पसंद नहिं हैं इस परिस्थिति का विचार करके मुनि श्री ने परमेश्वर के प्रवचन पराग को जन जन के मन में डालने के लिए एक पुस्तक का प्रकाशन किया जिसका नाम हैं, **"रत्न संचय भाग-४"** ।

उपाध्याय श्री रत्नत्रय विजयजी हरपल इतिहास के गहरे ज्ञान को प्राप्त करने के लिये प्रयत्नशील रहते हैं । उन्होंने इक्कट्ठी की हुई एतिहासिक सामग्री को जन जन को प्राप्त कराने के लिये रत्नसंचय नाम की पुस्तक प्रकाशित की जिनके तीन भाग प्रकाशित हो चूके हैं और यह चौथा भाग प्रकाशित हो रहा है । आजदिन तक २०,००० नकल रत्नसंचय की साधु-साध्वी एवं श्रावक-श्राविका के पास जा चूकी है और भी भाग चालू है । उस बात को ध्यान में लेकर रत्नसंचय के चोथे भाग में कक्कावली के एक एक वर्ण को लेकर अनेकविध प्रश्नोत्तरी तैयार करके जनता के सामने रखी हैं ।

इस प्रश्नोत्तरी से हमें अनेकविध एतिहासिक ज्ञान प्राप्त हो जायेगा ।

पूज्य गुरुदेव श्री आचार्य देव श्री रत्नाकर सूरिश्वरजी म.सा. की सतत प्रेरणा से एवं प्रोत्साहन द्वारा यह कार्य सफलता के द्वार पर आ पहुँचा ।

सुज्ञबंधु ! इस पुस्तिका को पढकर के हर पदार्थ का मनन करके अपने दिल में उतारना व जीवन ज्ञान रुपी गंगा के पाणी से पवित्र बनाना ।

आप सभी जिनशासन के सार को प्राप्त करके मोक्षगामी बने ।

**यही हार्दिक शुभेच्छाए**

**पंन्यास रत्नज्योतविजय**

# विषयानुक्रमणिका


| प्रश्नोत्तर | पेज नं. | प्रश्नोत्तर | पेज नं. |
|---|---|---|---|
| 1. 'अ' अक्षरवाले प्रश्न | 1 | 29. पुरुषो की 72 कला | 79 |
| 2. 'आ' अक्षरवाले प्रश्न | 3 | 30. स्त्रीओं की 64 कला | 80 |
| 3. 'ई' अक्षरवाले प्रश्न | 6 | 31. महावीर स्वामी की पाट परंपरा | 81 |
| 4. 'ऊ' अक्षरवाले प्रश्न | 8 | 32. पेथड़ मंत्री के जिनालय | 82 |
| 5. 'क' अक्षरवाले प्रश्न | 11 | 33. वैमानिक देव के 10 इन्द्र | 84 |
| 6. 'ख' अक्षरवाले प्रश्न | 13 | 34. भवनपति देव के 20 इन्द्र | 84 |
| 7. 'ग' अक्षरवाले प्रश्न | 16 | 35. सातकुलकर का स्वरुप | 85 |
| 8. 'घ' अक्षरवाले प्रश्न | 19 | 36. सोल सती की विगत | 86 |
| 9. 'च' अक्षरवाले प्रश्न | 21 | 37. वक्ता को पहचानो ? (प्रश्न) | 87 |
| 10. 'छ' अक्षरवाले प्रश्न | 24 | 38. वक्ता को पहचानो ? (उत्तर) | 100 |
| 11. 'ज' अक्षरवाले प्रश्न | 26 | 39. समवसरण का स्वरुप | 104 |
| 12. 'त' अक्षरवाले प्रश्न | 30 | 40. चोवीश तीर्थंकर के नाम | 107 |
| 13. 'द' अक्षरवाले प्रश्न | 32 | 41. माता के नाम | 108 |
| 14. 'ध' अक्षरवाले प्रश्न | 34 | 42. पिता के नाम | 108 |
| 15. 'न' अक्षरवाले प्रश्न | 37 | 43. किस भव से तीर्थंकर नाम उपार्जन किया | 109 |
| 16. 'प' अक्षरवाले प्रश्न | 39 | | |
| 17. 'ब' अक्षरवाले प्रश्न | 42 | 44. पूर्व भव के गुरु | 109 |
| 18. 'भ' अक्षरवाले प्रश्न | 44 | 45. पूर्व में कितने शास्त्र पढे ? | 109 |
| 19. 'म' अक्षरवाले प्रश्न | 48 | 46. पूर्व भव की नगर ? | 110 |
| 20. 'य' अक्षरवाले प्रश्न | 52 | 47. कौन से देवलोक में से च्यवन | 110 |
| 21. 'य' अक्षरवाले प्रश्न | 54 | 48. च्यवन तिथि (मारवाडी) | 110 |
| 22. 'ल' अक्षरवाले प्रश्न | 58 | 49. च्यवन नक्षत्र | 111 |
| 23. 'व' अक्षरवाले प्रश्न | 61 | 50. च्यवन राशि | 111 |
| 24. 'श' अक्षरवाले प्रश्न | 66 | 51. च्यवन कल्याणक नगर | 111 |
| 25. 'स' अक्षरवाले प्रश्न | 69 | 52. गर्भकाल | 112 |
| 26. 'ह' अक्षरवाले प्रश्न | 74 | 53. जन्मतिथि (मारवाडी) | 112 |
| 27. आदिनाश के 84 गणधर | 77 | 54. जन्म नगरी | 112 |
| 28. आदिनाथ के 100 पुत्र | 78 | 55. जन्म नक्षत्र | 113 |

| प्रश्नोत्तर | पेज नं. | प्रश्नोत्तर | पेज नं. |
|---|---|---|---|
| 56. जन्म राशि | 113 | 87. केवलज्ञान वृक्ष ऊँचाई | 124 |
| 57. जन्म देश | 113 | 88. केवलज्ञान तप | 124 |
| 58. प्रभु का गण | 114 | 89. प्रथम गणधर के नाम | 125 |
| 59. प्रभु की योनि | 114 | 90. प्रथम साध्वीजी का नाम | 125 |
| 60. प्रभु के लांछन | 114 | 91. भक्त राजा के नाम | 125 |
| 61. प्रभु के नाम का अर्थ | 115 | 92. गणधर संख्या | 126 |
| 62. शरीर प्रमाण | 116 | 93. साधु भगवंत की संख्या | 126 |
| 63. माता की गति | 116 | 94. साध्वीजी भगवंत की संख्या | 126 |
| 64. पिता की गति | 116 | 95. श्रावक संख्या | 127 |
| 65. कुमार अवस्था | 117 | 96. श्राविका संख्या | 127 |
| 66. राज्य अवस्था | 117 | 97. केवलज्ञानी की संख्या | 127 |
| 67. गृहस्थ अवस्था | 117 | 98. मनःपर्यवज्ञानी की संख्या | 128 |
| 68. पुत्र-पुत्री की संख्या | 118 | 99. अवधिज्ञानी की संख्या | 128 |
| 69. प्रभु के भव | 118 | 100. चौदपूर्वी की संख्या | 128 |
| 70. दीक्षा तिथी (मारवाडी) | 118 | 101. वैक्रिय लब्धिधारी | 129 |
| 71. दीक्षा नगरी | 119 | 102. वादीधारी मुनि की संख्या | 129 |
| 72. दीक्षा नक्षत्र | 119 | 103. महाव्रतो की संख्या | 129 |
| 73. दीक्षा राशि | 119 | 104. दीक्षाकाल | 130 |
| 74. दीक्षा शिबिका का नाम | 120 | 105. केवलज्ञान काल | 130 |
| 75. दीक्षा भूमि | 120 | 106. कुल आयुष्य | 130 |
| 76. कितने के साथ दीक्षा ली | 120 | 107. कितने के साथ मोक्ष | 131 |
| 77. दीक्षा वृक्ष | 121 | 108. निर्वाण समय | 131 |
| 78. दीक्षा समय का तप | 121 | 109. निर्वाण के बाद आंतरा | 131 |
| 79. कौन सी नगरी का पारणा | 121 | 110. समवसरण का प्रमाण | 132 |
| 80. पारणा किस व्यक्ति के घर | 122 | 111. प्रथम देशना का विषय | 132 |
| 81. उत्कृष्ट तप | 122 | 112. प्रभु के समय में नये तीर्थंकर के आत्मा | 132 |
| 82. धर्मस्थ काल | 122 | | |
| 83. केवलज्ञान तिथि (मारवाडी) | 123 | 103. मोक्ष कल्याणक तिथि (मारवाडी) | 133 |
| 84. केवलज्ञान नगर | 123 | 114. मोक्ष कल्याणक नगर | 133 |
| 85. केवलज्ञान वन | 123 | 115. निर्वाण नक्षत्र | 133 |
| 86. केवलज्ञान वृक्ष | 124 | 116. निर्वाण राशि | 134 |

| प्रश्नोत्तर | पेज नं. |
|---|---|
| 117. निर्वाण आसन | 134 |
| 118. निर्वाण समय का तप | 134 |
| 119. यक्ष के नाम | 135 |
| 120. यक्षिणी के नाम | 135 |
| 121. यक्ष का वाहन | 135 |
| 122. यक्षिणी का वाहन | 136 |
| 123. यक्ष का वर्ण | 136 |
| 124. यक्षिणी का वर्ण | 136 |
| **प्रकरण : 2** | |
| 125. वीस विहरमान के नाम | 138 |
| 126. माता का नाम | 138 |
| 127. पिता का नाम | 138 |
| 128. पत्नी का नाम | 139 |
| 129. नगरी का नाम | 139 |
| 130. लंछन का नाम | 139 |
| 131. मेरु पर्वत के नाम | 140 |
| 132. द्वीप क्षेत्र का नाम | 140 |
| 133. विजया का नाम | 140 |
| 134. वीश विहरमान की विशेष जानकारी | 141 |
| 135. भावि चोवीशी | 142 |
| 136. आदिनाथजी के 13 भव | 143 |
| 137. चन्द्रप्रभस्वामि के 7 भव | 143 |
| 138. शांतिनाथजी के 12 भव | 143 |
| 139. मुनिसुव्रतस्वामी के 9 भव | 143 |
| 140. नेमिनाथजी के 9 भव | 143 |
| 141. पार्श्वनाथजी के 10 भव | 144 |
| 142. महावीर स्वामी के 27 भव | 144 |
| 143. आदिनाथ परिवार के साथ पांच भव | 144 |
| 144. नेमिनाथ के 9 भव | 145 |
| 145. राजीमती के 9 भव | 145 |
| 146. समरादित्य के 9 भव | 146 |
| 147. नलराजा-दमयंति के भव | 146 |
| 148. सुनंदा-रुपसेन के भव | 146 |
| 149. श्रीपाल राजा का परिचय | 147 |
| 150. हनुमान के 7 भव | 147 |
| 151. अग्यार गणधर का परिवार | 148 |
| 152. 11 गणधर | 148 |
| 153. महान पुरुषों के पूर्व भव के नाम | 149 |
| **प्रकरण : 3** | |
| 154. चक्रवर्ती के नाम | 153 |
| 155. माता का नाम | 153 |
| 156. पिता का नाम | 153 |
| 157. नगरी का नाम | 153 |
| 158. शरीर की ऊंचाई | 153 |
| 159. शरीर का वर्ण | 153 |
| 160. चक्रवर्ती का गोत्र | 154 |
| 161. आयुष्य | 154 |
| 162.गति | 154 |
| 163. कुमार अवस्था | 154 |
| 164. मांडलिक काल | 154 |
| 165. चक्रवर्ती पद काल | 154 |
| 166. दीक्षा काल | 155 |
| 167. कौन से तीर्थंकर का शासन | 155 |
| 168. स्त्री रत्न के नाम | 155 |
| 169. वासुदेव का परिचय | 155 |
| 170. बलदेव का परिचय | 159 |

## अ

1. अढार देश के अधिपति कौन थे ? - कुमारपाल
2. अजितनाथजी का उंचा शिखरवाला जिनमंदिर कहाँ ? - तारंगाजी
3. अजयपालने राजगादी प्राप्त करने हेतु जहर किसको दिया था ? - कुमारपाल को
4. अनीती का एक पैसा भी नहि रखना यह नियम किसका था ? - पुणीया श्रावक
5. अषाढाभूति को वैराग्य कैसे हुआ ? - मदिरायुक्त पत्नी को देखते
6. अनित्य भावना से वैराग्य किसको हुआ ? - भरत महाराजा
7. अर्जुनमाली को वैराग्य कैसे हुआ ? - निर्जराभावना से
8. 'अमम' नाम से आगामी चोवीशी में तीर्थंकर कौन बनेगा ? - कृष्णराजा
9. 'अप्रतिष्ठान' नरकावास कितना लम्बा है ? - 1 लाख योजन
10. 'अरणिक मुनिवर' कौन से नगरी में हुए ? - तगरा
11. 'अग्निभूति' गणधर की जन्मभूमि कौन सी ? - गोबर गाम
12. अकबर बादशाह को प्रतिबोध करने वाला कौन ? - हीरसूरिजी
13. अग्नि द्वारा कौन सी नगरी का सत्यानाश हुआ ? - द्वारिका
14. अभिनंदन स्वामी का ज्ञानवृक्ष कौन सा ? - रायण
15. अर्जुनमाली प्रतिदिन कितने जीवो की हत्या करता था ? - सात
16. अरनाथ प्रभु का भिक्षास्थल कौन सा ? - गजपुर
17. अजितशांति की रचना किस मुनिने की ? - नंदिषेण

18. अजितवीर्य तीर्थंकर के पिता का क्या नाम था ? - राजपाल
19. अन्तिम केवली कौन हुए ? - जंबूस्वामी
20. अरिष्टनेमि से पहले मोक्ष में कौन गए ? - राजीमती
21. अणगार के कितने गुण ? - सत्तावीश
22. अरनाथजी का ज्ञान वृक्ष कौन सा ? - आम्रवृक्ष
23. 'अलवर' तीर्थ में कौन से पार्श्वनाथ है ? - रावण
24. अंजनशलाका द्वारा प्रभु को अंजन कौन करते हैं ? - आचार्य भगवंत
25. अभव्यकुलक की रचना किसने की ? - जिनहर्ष गणी
26. अशोकवृक्ष ऋषभदेव प्रभु से कितना उंचा होता ? - तीनकोष
27. अनामिका अंगुली क्या काम आती है ? - प्रभुपूजा
28. अष्टमंगल का आलेखन कहाँ करने का ? - परमात्मा के सामने
29. अष्टापद पर्वत के उपर स्वदेह प्रमाण प्रतिमाजी कितनी ? - चोवीश
30. अनुयोग द्वार आगम का समावेश किसमें होता है ? - चार मूल सूत्र
31. अजयपाल के सामने तिलक के लिए बलिदान किसने दिया ? - कपर्दिमंत्री
32. असंयत नारदऋषि को जानकर नमस्कार किसने नहि किया ? - द्रौपदी
33. अभिधान राजेन्द्र कोष की रचना किसने की ? - राजेन्द्र सूरिजी
34. 'अट्ठम तप' किस आचार्य के शासन तक चलेगा ? - दुप्पह सूरि
35. अंबड़ परिव्राजकने किस सती की परीक्षा की थी ? - सुलसा
36. अवन्ति पार्श्वनाथ की प्राचीन प्रतिमा किस तीर्थ में हैं ? - उज्जैन
37. अंजना-पवनंजय के बीच कितना वियोग रहा ? - बाइस साल
38. अषाढ शुक्ला षष्ठी के दिन किस तीर्थंकर का च्यवन हुआ - महावीरस्वामी

39. अढार पाप स्थानक खपाने का सूत्र कौन सा ? - सातलाख
40. अषाढाभूति मुनि कौन सी दो कन्या मे मोहांध बने थे ? - भुवन-जय सुंदरी
41. अभया राणीने किस शेठ पर कलंक लगाया ? - सुदर्शन
42. अध्यात्म कल्पद्रुम के रचयिता कौन ? - मुनिसुंदरसूरि
43. अष्टक प्रकरण की रचना किसने की ? - हरिभद्रसूरि
44. अश्वसेन किस चक्रवर्ती के पिता थे ? - सनत्कुमार
45. अचिरा माता किस तीर्थंकर की माता थी ? - शांतिनाथ
46. अंतराय कर्म निवारण पूजा के रचयिता कौन ? - वीर विजयजी
47. अंतरीक्ष पार्श्वनाथ का जीर्णोद्धार किसने कराया ? - भावविजयजी
48. अंतरीक्ष पार्श्वनाथ का जीर्णोद्धार कब हुआ ? - सं.1715 में
49. अन्नत्थ सूत्र का दूसरा नाम क्या ? - आगारसूत्र
50. अभव्य आचार्य का क्या नाम था ? - अंगारमर्दनाचार्य

## आ

51. आर्यसुहस्ति सूरि के उपदेश से किस राजाने शासन प्रभावना की ? - संप्रति
52. आर्यरक्षित को वैराग्य कैसे हुआ ? - माता सामने नहि देखने से
53. आनंद श्रावक का जन्म किस गांव में हुआ था ? - वाणिज्य
54. आरीसाभवन में केवलज्ञान किसको हुआ था ? - भरतराजा
55. आर्द्रा नक्षत्र के बाद कौन सी चीज खाने में काम नहि आती ? - केरी
56. आबूजी तीर्थ में 'विमल वसहि' जिनमंदिर किसने बनाया ? - विमलमंत्री
57. आचार्य भगवंत को कौन सा वंदन होता है ? - द्वादशावर्त

58. आरंभसिद्धि ग्रंथ की रचना किसने की ? - उदयप्रभ सूरि
59. आरती उतारने का क्या समय ? - सूर्यास्त के पहले
60. आठ प्रतिहार्य युक्त कौन होता है ? - परमात्मा
61. आत्मा के कितने रुचक प्रदेश कर्म बिना के होते है ? - आठ
62. आवश्यक क्रिया प्रतिदिन किसको करने की होती है ? - श्रावक-श्राविका
63. आयुष्य कर्म विशेषरुप से कब बंध होता है ? - पर्व के दिन
64. आगम की संख्या जैन धर्म में कितनी ? - पेतालीस
65. आशातना गुरु की कितने प्रकार की बतायी ? - तेतीस
66. आशातना परमात्मा की कितने प्रकार की बतायी - चौर्याशी
67. आहार हेतु मेतारज मुनि किसके घर गये थे ? - सोनी
68. आंबिलतप के साथ नवांगी टीका किसने बनायी ? - अभयदेवसूरी
69. आदित्ययश राजा कितने मुनि के साथ मोक्ष में गये ? - एक लाख
70. आर्यरक्षित मुनि के पास कितना ज्ञान था ? - साढे नौ पूर्व
71. आनंद श्रावक के पास कितनी गाये थी ? - चालीस हजार
72. आग्रा शहर में किस आचार्य ने शासन प्रभावना की ? - हीर सूरिजी
73. आठवें देवलोक में कौन सा नाग उत्पन्न हुआ ? - चंड कौशिक
74. आदिनाथ प्रभु कौन सी शिबिका में बैठकर दीक्षा लेने के लिये गये ? - सुदर्शना
75. आबुजी तीर्थ पर कोरणीयुक्त गवाक्ष किसके है ?- ललिता-अनुपमादेवी
76. आर्य देश कितने ? - साडे पच्चीश
77. आगामी चोवीशी के बीच में कौन से विहारमान मोक्ष में जायेंगे ? - सीमंधर स्वामी

78. आदेय नाम कर्म का उदय किस तीर्थंकर का है ? - पार्श्वनाथ

79. आनंद श्रावक के पास मिच्छामि दुक्कड़ं मांगने कौन गया था ? - गौतम स्वामी

80. 'आयारो न मोत्तव्वो' शब्द साधु कब बोलता है ? - श्रावक सामायिक पारे

81. आंबिलतप करने से नरकायुष्य कितना कम होता है ? - हजार करोड वर्ष

82. आलंभिका नगरी में किस तीर्थंकरने चातुर्मास किया था ? - महावीर स्वामी

83. 'आशापूरण' पार्श्वनाथ कौन से तीर्थ में हैं . - नून (राज.)

84. 'आगम' की स्तुति चार में से कौन सी ? - तीसरी

85. आमलकी क्रिड़ा द्वारा नाग को किसने हराया ? - वर्धमान

86. आसो कृष्णा अमावस के दिन कौन से तीर्थंकर मोक्ष मे गये ? - महावीर

87. आसो मास के शुक्ल पक्ष में कौन से तप का प्रारंभ होता है ? - नवपदओली

88. आदिनाथ ने पूर्व भव में कितना अभ्यास किया ? - चौद पूर्व

89. आठ मास जितना उत्कृष्ट तप कितने तीर्थंकर के शासन में था ? - बाईस

90. आठ साल तक छद्मस्थ अवस्था में कौन से गणधर रहे ? - प्रभास

91. आर्द्रकुमार का पूर्वभव में क्या नाम था ? - सोमादित्य

92. आठ साल तक केवली अवस्था में कौन से तीर्थंकर गये ? - सुधर्मास्वामी

93. आरण देवलोक में छठ्ठे भव में कौन से तीर्थंकर गये ? - नेमिनाथ

94. आग्रा तीर्थ के प्राचीन मूलनायक कौन से ? - चिंतामणी पार्श्वनाथ

95. आश्रव भावना पर प्रथम देशना किसने दी ? - सुविधीनाथ

96. आठ स्वप्न किस राजा को आये थे ? - पुण्यपाल

97. आभू संघवी किस गांव के थे ? - थराद
98. आत्मारामजी ने कौन सी पूजा रची ? - सत्तर भेदी
99. आम राजा किस आचार्य से प्रतिबोध हुए ? - बप्पभट्टी सूरि
100. आठ मास व 25 दिन गर्भकाल किस तीर्थंकर का था ? - अजितनाथ

## ई

101. ईश्वर राजा को जातिस्मरण ज्ञान कैसे हुआ ? - पार्श्वनाथको देखते
102. ईक्काई राठोड़ विषयासक्ति में मस्त बनकर क्या हुआ ? - मृगापुत्र लोढीयो
103. ईन्द्रभूति ब्राह्मण ने कितने के साथ दीक्षा ली ? - पांचसो
104. ईन्द्रभूति ब्राह्मण किस तीर्थंकर के गणधर बने ? - महावीर स्वामी
105. ईलाचीकुमार कौन सी नगरी में हुए ? - ईलावर्धन
106. ईन्द्र पांच रुप करके किसका अभिषेक करते हैं ? - परमात्मा
107. ईक्ष्वाकु कुल मे कौन से तीर्थंकर हुए ? - आदिनाथ
108. ईन्द्रभूति ब्राह्मण को किस विषय में संदेह था ? - जीव है या नहिं
109 ईन्द्र महाराजा का अभिमान किस राजा ने उतारा ? - दशार्णभद्र
110. ईन्द्रजित किसका पुत्र था ? - रावण
111. ईशान देवलोक में महावीर स्वामी कितनी बार गये ? - एक
112. ईन्द्रदत्त ब्राह्मण के पास पढने हेतु कौन गया था ? - कपिल
113. ईशानेन्द्रने शत्रुंजय तीर्थ का कौन सा उद्धार कराया ? - तीसरा
114. ईलाचीकुमार किसकी नटपुत्री में आसक्त बने थे ? - लंखीकार
115. इन्द्रस्तंभ की दुर्दशा देखकर संयम ग्रहण किसने किया ? - दुर्मुखराजा

116. इरियावही सूत्र बोलते केवली कौन बने ? - अईमुत्तामुनि
117. ईक्षुरस से पारणा किस तीर्थंकर ने किया था ? - आदिनाथ
118. इन्द्रदिन्न सूरि महावीर स्वामी की कौन सी पाट पर हुए ? - दसवी
119. ईशान देवलोक में कितने तीर्थंकर के पिता गए ? - सात
120. ईश्वरस्वामी कितने में विहरमान जिनेश्वर है ? - पंदर
121. ईशान देवलोक कितने नम्बर का देवलोक है ? - दूसरा
122. इन्द्रभूति ब्राह्मण कौन से गांव के थे ? - गोबर
123. ईलाचीकुमार के पिता का क्या नाम था ? - धनदत्त
124. इन्द्रभूति ब्राह्मण के माता का क्या नाम था ? - पृथ्वीदेवी
125. इन्द्रभूति ब्राह्मण के पिता का क्या नाम था ? - वसुभूति
126. ईक्कीस आचार्यो की पद-प्रतिष्ठा महोत्सव किसने किया ?- कुमारपाल
127 ईक्कीस ज्ञान भंड़ार का निर्माण किसने किया ? - कुमारपाल
128. इन्द्र की रिद्धि देखकर वैराग्य किसको हुआ ? - दशार्णभद्र
129. ईर्ष्या करने से साप का अवतार किसको मिला ? - नयशीलसूरि
130. इन्द्रप्रकाश कौन से तीर्थ का नाम है ? - शत्रुंजय
131. इच्छामि खमासमणो सूत्र क्या काम आता है ?- देवगुरु को नमस्कार
132. ईच्छकार सूत्र किस उपयोग में आता है ? - गुरु को सुखशाता पूछने
133. इरियावहि सूत्र किस उपयोग में आता हैं ? - पाप के प्रायश्चित हेतु
134. 'इन्द्रिय' कितने नम्बर की पर्याप्ति है ? - तीसरे
135. ईश्वरसूरिजी कौन से गच्छ के थे ? - साण्ड़ेर
136. ईश्वर सूरिजी के कुल कितने शिष्य थे ? - पांचसो
137. इन्द्र को निगोद का स्वरुप बतानेवाला कौन ? - कालकाचार्य

138. ईशान देवलोक में आत्मरक्षक देव कितने ? - तीन लाख बीस हजार
139. ईश्वर सूरिजी ने कितने साल तक विगई का त्याग किया ? - छ
140. ईरियावहि सूत्र में मिच्छामि दुक्कड़ं के कितने भांगे ? - 18,24,120
141. ईशानेन्द्र ने बनाया हुआ समवसरण कितने दिन रहता है ?- 15 दिन
142. ईशान देवलोक में कितने विमान है ? - 28 लाख
143. इन्द्रजी पोरवालने कितने जिनमंदिर बनवाये ? - छत्तीस
144. ईषत्प्रागभार पृथ्वी कितनी लम्बी है ? - 45 लाख योजन
145. इन्द्रिय पराजय शतक की कितनी गाथा है ? - सो
146. इन्द्र महाराजा परमात्मा जन्म के समय कौन सी स्तुति बोलते हैं ? - शक्रस्तव
147. ईलाची कुमार को केवलज्ञान कैसे हुआ ? - नाचतेनाचते
148. ईडर नरेश कल्याणमल्ल किस आचार्य के भक्त थे ? - देवसूरिजी
149. ईक्षुरस आदिनाथ को किसने वहोराया था ? - श्रेयांसकुमार
150. ईसवाल (उदयपुर) तीर्थ में मूलनायक कौन से ? - आदिनाथ

151. 'उडु' नामका विमान कितना लम्बा है ? - 45 लाख योजन
152. उपाध्याय भगवंत के कितने गुण ? - पच्चीश
153. उपाध्याय भगवंत किसकी वाचना देते है ? - सूत्र की
154. उपदेश पद महाग्रंथ में मानव दुर्लभता के कितने द्रष्टांत है ? - दस
155. उपदेश पद महाग्रंथ का भाषांतर किसने किया ? - हेमसागरसूरि
156. उमास्वाति वाचक ने मुख्यतः कौन से सूत्र की रचना की ? - तत्त्वार्थसूत्र

157. उदायी राजा का मृत्यु किसके हाथ से हुआ ? - **विनयरत्न साधु**
158. उपदेश तरंगीणी ग्रंथ की रचना किसने की थी ? - **रत्नमंदिर मणी**
159. उत्पादपूर्व में पद संख्या कितनी ? - **एक करोड**
160. उत्तरासंग रखके श्रावक किसके पास जाता है ? - **देवगुरु**
161. उपदेश माला ग्रंथ के रचयिता कौन ? - **धर्मदास गणी**
162. उज्जयंत गिरि के उपर कौन से तीर्थंकर मोक्ष में गये ? - **नेमिनाथ**
163. उपभोगांतराय कर्म के कारण सीता सती को किसका विरह हुआ ? - **पति**
164. उरपरिसर्प प्राणी की व्याख्या क्या ? - **पेट से चलने वाले**
165. उपासक दशांग में किसका वर्णन आता है ?- **वीरप्रभु के 10 श्रावक**
166. उदयजिन नाम के तीर्थंकर कब होगें ? - **आगामी चोवीशी**
167. उज्जयंतगिरि उपर कौन से तीर्थंकर मोक्ष में जायेंगे ?- **आगामी चोवीशी**
168. उल्लूकातीर नगरी के गंगाचार्य कौन से निन्हव हुए ? - **पांचवे**
169. उपधान तप श्रावक को कितने दिन का होता है ? - **47**
170. उपधान तप में प्रतिदिन कितने खमासमणे आते हैं ? - **100**
171. उपधान तप में प्रतिदिन कितने लोगस्स का काउसग्ग आता है ? - **100**
172. उपशान्त मोह कितने नम्बर का गुणठाणा है ? - **अग्यारा**
173. उन्हेल तीर्थ में कौन से पार्श्वनाथ हैं ? - **कामित पूरण**
174. उदायनराजाने किस तीर्थंकर के शासन में तीर्थंकर नाम कर्म बांधा ? - **महावीर स्वामी**
175. उत्सूत्र प्ररुपणा द्वारा संसार वृद्धि किसने की ? - **मरीची**
176. उवसम-विवेग-संवर त्रिपदी सुनकर वैराग्य किसको हुआ ?- **चिलातीपुत्र**

177. उतराषाढा नक्षत्रमें चार कल्याणक किसके हुए ? - ऋिषभदेव
178. उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र में केवली कौन हुए ? - महावीर स्वामी
179. उदयनाथ भावी में कौन से तीर्थंकर बनेंगे ? - सातवें
180. उत्तर कुरुक्षेत्र में युगलिक रुप में आदिनाथ ने कितने भव किए ? - दो
181. उत्तर कुरुक्षेत्र में युगलिक रुप में सांतिनाथ ने कितने भव किए ? - एक
182. उमरवाडी पार्श्वनाथ कौन से नगरमें बिराजमान हैं ? - सुरत
183. उंबरीतीर्थ में कौन से पार्श्वनाथ बिराजमान हैं ? - आनंदा
184. उवसग्गहरं पार्श्वनाथ कौन से तीर्थ में बिराजमान हैं ? - नागपुर-दुर्ग
185. उत्कृष्ट मंगल जिनशासन में कौन सा ? - धर्म
186. उपमिति भव प्रपंच कथा के रचयिता कौन ? - सिद्धर्षिगणी
187. उपदेशप्रासाद ग्रंथ के रचयिता कौन ? - लक्ष्मी सूरिजी
188. उदयप्रभ सूरिने कितने ब्राह्मणो को जैन बनाया ? - चोसठ
189. उपकेश गंच्छ प्रबंधकी रचना किस आचार्यने की ? - उद्योतनसूरि
190. उत्पादपूर्व में कितनी चूलिका आती हैं ? - चार
191. उजमफई के टुंक में आरस के प्रतिमाजी कितने ? - 272
192. उपधान तप में कुल कितने नवकार मंत्र का जाप आता है ? - 1 लाख
193. उपधान तप में कुल कितने लोगस्स का काउस्सग्ग आता है ? - आठ हजार
194. उपधान तप में बडे देववंदन कितनी बार आते हैं ? - बारसो
195. उपधान तप में शक्रस्तव का पाठ कितनी बार आता है ? - पन्नरसो
196. उंबरणी गांव के देशलने सिद्धाचल के कितने संघ निकाले ? - चौद
197. उस्मानपुरा में रहकर वृद्धिविजयजी ने कौन सा ग्रंथ लिखा ?
- श्राद्ध प्रतिक्रमण

198. उंबर राणा का कोढ कैसे दूर हुआ ? - आंबिल से

199. उपाश्रय दो हजार किसने बनाये ? - संप्रतिराजा

200. उकरड़े में दुःख सहन करके राज किसने प्राप्त किया ? - कोणिक

## क

201. कपडवंज में कौन से आचार्य का स्वर्गवास हुआ था ? - अभयदेवसूरि

202. कलावती कौन से महापुरुष की माता थी ? - देवर्द्धिगणी

203. कामर्द्धि कौन से महापुरुष के पिता थे ? - देवर्द्धिगणी

204. कंटकेश्वरी देवी के आगे पशुभोग किसने बंध कराया ? - कुमारपाल

205. कपर्दिमंत्रीने केसर तिलक हेतु खुमारी किसको बतायी ? - अजयपाल

206. कड़वी तुंबड़ी का भोजन करके देवलोक में कौन गये ? - धर्मरुचिअणगार

207. कष्टसहन करके करुणा का भाव किसने लाया ?
- मेघकुमार - हाथी के भवमें

208. कनकावली तप की आराधना किसने की ? - सुकाली साध्वी

209. कंस की माता का क्या नाम था ? - पवन रेखा

210. कनकखल आश्रम में वीरप्रभु को कौन सा उपसर्ग हुआ था ?
- गायो का समूह

211. कबूतर प्राणी की रक्षा किस राजा ने की ? - मेघरथ

212. कनकध्वज राजा ने बारह व्रत किसके पास अंगीकार किए ?
- तेतलीपुत्रकेवली

213. कच्चेसूतर द्वारा सारणी बांध के कुए में से पाणी किसने निकाला ?
- सुभद्रा सती

214. काका का स्वर्गवास सुनकर अणगार कौन हुए ? - लव-कुश
215. कुलमद के द्वारा संसार की वृद्धि किसने की ? - मरीची
216. कालजा का मांस खाने का दोहला किसको हुआ था ? - चेल्लणासती
217. कार्तिकमास के प्रारंभ में केवलज्ञान किसको हुआ ? - गौतमस्वामी
218. कांटा निकालते समय कर्म का कांटा किसने निकाला ?- रोहिणेय चोर
219. काग का मांस नहि खाने का नियम किसको था ? - वंकचूल
220. कांडा के कारण कंटकभरे घोर जंगल में कौन गए ?- कलावती सती
221. कालकुमार का अंतकाल किसके हाथ से हुआ ? - चेटकराजा
222. कार्तिक शेठ ने कितने मित्रो के साथ दीक्षा ली ? - 1008
223. कालसेना गणिका द्वारा कौन से मुनि का पतन हुआ ? - नंदिषेण
224. केतुमती कौन से सती की सास थी ? - अंजना
225. क्रौंचपक्षी को बचाने हेतु मौन धारण किसने किया ? - मेतार्यमुनि
226. कोशावेश्या के पीछे साडाबारह करोड़ द्रव्य व्यय किसने किया ? - स्थूलभद्र
227. कोशा गणिका ने व्रत अंगीकार किसके पास किया ? - स्थूलभद्र मुनि
228. कुलवालक मुनि का पतन वेश्या द्वारा किसने कराया ? - कोणिक
229. कंडरीक मुनिने कितने साल तक दीक्षा पालकर छोड़ी ? - 100 साल
230. कवि गंग को हाथी के नीचे कुचड़कर किसने मराया ? - अकबर
231. कमठ के धुणी में से जलता नाग मृत्यु पा कर क्या बना ? - धरणेन्द्रदेव
232. कन्नौज नगरी में कौन सा राजा हुआ ? - आम राजा
233. काकंदी के धन्ने ने किसके पास संयम स्वीकार किया ? - महावीर स्वामी
234. कलिकुंड तीर्थ की स्थापना धोलका में किसने की ? - राजेन्द्रसूरिजी

235. कोणिक व चेटक राजा के युद्ध में कितना जनसंहार हुआ ?
- 1 करोड़ 80 लाख

236. कंसारी पार्श्वनाथ कौन से तीर्थ में बिराजमान हैं ? - खंभात

237. कल्याण पार्श्वनाथ कौन से तीर्थ में बिराजमान हैं ? - विसनगर

238. कोका पार्श्वनाथ कौन से तीर्थ में बिराजमान हैं ? - पाटण

239. कर्ण की पालक माता कौन ? - राधा

240. कंबोई तीर्थ में कौन से पार्श्वनाथ बिराजमान हैं ? - मनमोहन

241. कंकण पार्श्वनाथ कौन से तीर्थ में बिराजमान हैं ? - पाटण

242. कच्छुलिका पार्श्वनाथ कौन से तीर्थ में बिराजमान हैं ? - काछोली (कच्छ)

243. कंकण का आवाज सुनकर वैरागी कौन हुआ ? - नमि राजर्षि

244. कुमारसंभव महाकाव्य की रचना किसने की ? - कालिदास

245. कपर्दियक्षने कौन से तीर्थ की सहायता की थी ? - शत्रुंजय

246. कक्कसूरिने कितने साल तक छट्ठ के पारणे आंबिल किया ? - बारहसाल

247. केशर को चूने में डालकर उपाश्रय किसने बनवाया ? - देदाशा

248. कादंबरी ग्रन्थ की रचना किसने की थी ? - बाण कवि

249. कंचुकी की वृद्धावस्था देखकर वैराग्य किसको हुआ ? - दशरथ

250. कैकेयी के पुत्र का क्या नाम था ? - भरत

## ख

251. खंभात तीर्थ मे सं. 1150 में किसकी दीक्षा हुयी थी ? - हेमचन्द्रसूरि

252. खंधक मुनि के कितने शिष्य धाणी में पीलाए ? - 499

253. खंधक ऋषि को केवलज्ञान कैसे हुआ ? - शरीर की चमड़ी उतारते
254. खमाने के लिये आए हुए भैया को शीला से किसने मारा ? - कमठ
255. खरक वैद्यने किसके कान में से खिले निकाले ? - महावीर स्वामी
256. खंधक मुनि के बहन का क्या नाम था ? - पुरंदरयशा
257. खंडप्रपात गुफा के नट्टमालकदेव तरफ से प्रीतीदान किसको मिला ? - भरत चक्री
258. खीर का दान करके शालीभद्र शेठ का अवतार किसने प्राप्त किया ? - संगम गोवाल
259. खीर का पारणां गौतम स्वामीने कितने तापसो को कराए ? - 1503
260. खीर से पारणा कितने तीर्थंकरो ने किया ? - तेईस
261. खीर वीरप्रभु के चरणों में किसने पकायी ? - संगम देव
262. खीले वीरप्रभु के कानो में डालने वाला गोवाल मरकर कहाँ गया ? - सातवी नरक
263. खुनी में से मुनि कौन बना ? - अर्जुनमाली
264. खेल खेलते केवली कौन बना ? - ईलाची
265. खंभात में सरस्वती का ध्यान किसने किया ? - सोमचंद्र मुनि
266. खीर खाने के बाद रात में किसका मृत्यु हुआ ? - संगम गोवाल
267. खेमा देदराणीने अपना धन किसमें खर्च किया ? - दुष्काल रक्षा
268. खंभात में 25 जिनालयो की प्रतिष्ठा किस आचार्यने करवायी ? -हीरसूरिजी
269. खंभात में 11 अंग का निबंध किसने लिखवाया ? - राम व पर्वत
270. खंभात के कौन से श्रावकने चतुर्थव्रतधारी को भेट की ? - भीम
271. खमासमण सूत्र का दूसरा नाम क्या ? - पंचांग प्रणिपात

272. खेड़ा तीर्थ में कौन से पार्श्वनाथ बिराजमान हैं ? - भीडभंजन
273. खंभात में जावड़शा ने कितने जिनमंदिर बनवाये ? - पांच
274. खीम ऋषीने कितने अभिग्रह धारण किये थे ? - चोराशी
275. खीम ऋषी की उम्र कितने साल की थी ? - नेवुं
276. खेमा देदराणी कौन से गांव का था ? - हड़ाला
277. खंभात के अमीचंद शेठ के पुत्र का क्या नाम था ? - मोतीशा
278. खीर समुद्र कौन से नम्बर का स्वप्न है ? - अग्यारवां
279. खंभात से मांड़वगढ तक जहांगीर ने किस आचार्य को बुलाया था ? - देवसूरिजी
280. खंभात के माणेक चौक में एक जैसे कितने परमात्मा है ? - चोवीश
281. खंभात तीर्थ के मूलनायक का क्या नाम हैं ? - स्तंभन पार्श्वनाथ
282. 'खरस्वर' कौन से नम्बर का परमाधामी देव हैं ? - चौदवां
283. खोपड़ी टूटते ही केवलज्ञान किसको हुआ ? - मेतार्य मुनि
284. खमासमण सूत्र के कितने अक्षर हैं ? - अट्ठावीस
285. खंभात में कौन से महापुरुष की आचार्य पदवी हुयी थी ? - हेमचन्द्राचार्य
286. खमासमणें 'ज्ञान' के कितने होते है ? - एकावन
287. खंवगसेढी ग्रंथ की रचना किसने की थी ? - प्रेमसूरिजी
288. 'खाईम' शब्द कब बोला जाता है ? - पच्चक्खाण देते समय
289. खाते खाते केवलज्ञान किसको हुआ ? - कुरगडु मुनि
290. खीर समुद्र तप में कितने उपवास आते हैं ? - सात
291. 'खणज' की भयंकर वेदना किस गति में होती है ? - नरकगति
292. खामेमि सव्व जीवे कौन से सूत्र की गाथा है ? - वंदित्ता

293. 'खमिअखमाविअ' कौन से सूत्र की गाथा है ? - आयरियउवज्झाय
294. खरतरगच्छ के किस आचार्य ने 'विविध तीर्थकल्प' ग्रंथ रचा ? - जिनप्रभसूरि
295. खेतरवसी पाड़े (पाटण) में मूलनायक कौन से ? - महादेवा पार्श्वनाथ
296. खंडप्रपात गुफा के द्वार कौन खोलता है ? - चक्रवर्ती
297. खंडप्रपात गुफा के द्वारा खोलने हेतु कौन सा तप होता है ? - अट्ठमतप
298. खीर के द्वारा पारणा महावीर स्वामी को किसने कराया ? - बहुलब्राह्मण
299. खुशालचंद संसारी नाम वर्तमानमें किस आचार्य का है ?- रत्नाकरसूरि
300. खूनी में से ध्यानी कौन बना ? - चिलाती पुत्र

## ग

301. गर्दभिल्ल राजाने कौन से साध्वीजी का अपहरण किया था ?- सरस्वति
302. गर्गर्षिने श्रीमालनगर में किसको दीक्षा दी थी ? - सिद्धर्षिगणी
303. गरीब व्यक्ति मेरे पास से खाली हाथ नहि जाना चाहिए ?- माघकवि
304. गणिका के वचन से पतन व उत्थान किसका हुआ ? - नंदिषेण
305. गवाक्ष में बैठकर मुनि को देखते ही पूर्वभव किसको याद आया ? - मृगापुत्र
306. गणिका के संग से संयम से कौन गिरा ? - अरणिक मुनि
307. गंगदत्त मुनि कौन से तीर्थंकर के शासन में हुए ? - मुनि सुव्रतस्वामी
308. गत अवसर्विणी के चोथे कुलकर का क्या नाम था ? - नंदिषेण
309. गणिका के घर पर रहकर 10 जीवों को प्रतिबोध कौन करते थे ? - नंदिषेण

310. गौतम स्वामी को अपने घर पर वहोराने कौन ले गया था ? - अतिमुक्त
311. गजसुकुमाल को मोक्ष की पघड़ी किसने बंधवायी थी ? - सोमिल ससरा
312. गर्भवती पत्नी को छोड़कर दीक्षा किसने स्विकार की ?- सुकोशल राजा
313. 'गांगेय' कौन से लिंग में सिद्ध हुआ था ? - नपुंसक लिंग
314. गोशालक का जन्म कहाँ हुआ था ? - ब्राह्मण की गौशाला में
315. गोभद्र शेठ ने किसके पास दिक्षा ली थी ? - महावीर स्वामी
316. गोभद्र शेठ देवलोकमें से 99 पेटी किसको भेजते थे ? - शालीभद्र
317. गोभद्र शेठ के जमाईराज कौन थे ? - धन्नाजी
318. गैरिक तापस ने किसके हाथ से भोजन किया था ? - कार्तिक शेठ
319. गृहस्थ लिंग में सबसे पहले कौन सिद्ध हुए ? - मरुदेवा माता
320. गुफा में रहकर ध्यान किसने किया था ? - रहनेमि
321. गुरु के वचन को सुनकर पश्चाताप करके केवली कौन हुए ?- मृगावती
322. गुरुभक्ति से कौन सा शिष्य जगप्रसिद्ध हुआ ? - एकलव्य
323. गोखते गोखते केवली कौन हुआ ? - मासतुष मुनि
324. गंगा नदी उतरते केवलज्ञान किसको हुआ ? - अर्णिकापुत्राचार्य
325. 'गुरु स्थापना' कौन से सूत्र का नाम है ? - पंचिंदिय
326. गजपुर तीर्थ में कौन से तीर्थंकर के कल्याणक हुए ?
- कुंथुनाथ - अरनाथ
327. गर्भवती पत्नी को छोड़ के संयम स्वीकार किसने किया ?- शय्यंभवसूरि
328. गुणस्थानक कितने हैं ? - चौद
329. गंभीरा पार्श्वनाथ कौन से तीर्थ में बिराजमान हैं ? - गांभू
330. गोड़ीजी (मुंबई)में पार्श्वनाथ की मूर्ति कहाँ से लायी थी ? - मीरपुर

331. गाड़लीया पार्श्वनाथ कौन से तीर्थ में बिराजमान हैं ? - मांडल
332. 'गौतम स्वामी' रास के रचयिता कौन ? - विनयप्रभ उपा.
333. गुजरात का प्रथम राजा पाटण में कौन हुआ ? - वनराज चावडा
334. 'गोम्मट सार' कौन से धर्म का ग्रंथ है ? - दिगम्बर
335. गांगाणीनगर में पद्मप्रभ स्वामी की मूर्ति किसने भरायी थीं ? - सम्प्रति राजा
336. गौतम स्वामी कितने केवली के गुरु थे ? - पचास हजार
337. 'गुरु' की आशातना कितने प्रकारकी ? - तेतीस
338. गोड़ीजी पार्श्वनाथ का सो वर्ष प्राचीन जिनालय कहाँ ? - मालवाडा
339. गोपगिरि के आमराजा ने कितने द्रव्य से गुरु पुजन किया ? - सवा करोड़
340. गोत्रकर्म कौन से नम्बर का कर्म हैं ? - सातवें
341. गुणीयाजी तीर्थ कौन से गणधर की निर्वाणभूमि है ? - गौतम स्वामी
342. गुरुवंदन भाष्य की कितनी गाथा ? - 41
343. गजाभिषेक नये तीर्थ का निर्माण कहां पर हुआ ? - सापुतारा
344. गुणसागर को केवलज्ञान कब हुआ था ? - हस्तमेलाप के समय
345. गंगाचार्य कौन सा निन्हव हुआ था ? - पांचवा
346. गोष्ठामाहिल कौन सा निन्हव हुआ था ? - सातवा
347. गणिका के संगत से कौन से मुनि डुबे ? - कुलवालक
348. गौशाला ने किसके उपर तेजोलेश्या छोड़ी थी ? - महावीर स्वामी
349. 'गणिविज्जा' आगम का समावेश किसमें आता हैं ? - 10 पयन्ना
350. गोड़ीजी पार्श्वनाथ सम्प्रतिकालीन कौन से गांव में बिराजमान हैं ? - पादरा

## घ

351. घंटनाद करके सभी देवो को मेरुपर्वत पर बुलाने वाला कौन ?-**हरिणेगमेषी**
352. घोंघाट सुनकर घर किसने छोड़ा ? - **नमिराजर्षि**
353. घरेणां उतारके घनघाती कर्म किसने तोड़ा ? - **भरतचक्री**
354. घोडिये में रहकर 11 अंग किसने याद किया ? - **वज्रस्वामी**
355. धृत का दान देकर समकित प्राप्त किसने किया ? - **धन्ना सार्थवाह**
356. घाणी में पीसाते पीसाते परमात्मा कौन बने ? - **खंधकके 500 साधु**
357. घोड़ा के पैर नीचे मेढ़क मरा वो किसका जीव था ? - **नंदमणीयार**
358. घाणी में साधु को पीसा वो नगरी का क्या नाम पड़ा ? - **दण्डकारण्य**
359. घंटनाद जिनमंदिर में क्यों करने का ? - **पूजा के आनंद हेतु**
360. घोघा तीर्थ में कौन से पार्श्वनाथ बिराजमान हैं ? - **नवखंडा**
361. घृतकल्लोल पार्श्वनाथ कौन से तीर्थ में बिराजमान हैं ? - **सुथरी**
362. घरबार को एक साथ छोड़कर अणगार कौन बने ? - **धन्नाजी**
363. घोड़ा कौन से भगवान का लंछन हैं ? - **संभवनाथस्वामी**
364. धोडे को प्रतिबोध देने कौन से तीर्थंकर आये थे ? - **मुनि सुव्रतस्वामी**
365. घोडे को प्रतिबोध कौन से नगर में हुआ था ? - **भरुच**
366. घेटी पगले की यात्रा कौन से तीर्थंकर की थी ? - **आदिनाथ**
367. घोटक दोष किसको कहते हैं ?
    - **घोडे के पैर की तरह खडे होकर काउस्सग करे उसको**
368. धोडे जैसे प्राणी को छाण के पाणी पीलाने वाला कौन ? - **कुमारपाल**
369. घडीयाल पहन के सामायिक होती है ? - **नहि**

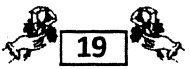

370. घमंड करने से केवली कौन नहि हुए ? - बाहुबली
371. घोडे के पालन की प्रमार्जना करके बैठने वाला कौन ? - कुमारपाल
372. घाती कर्म प्रकृति कितनी ? - चार
373. घोर अंधकार होने पर भी साप को किसने देखा ? - मृगावती
374. घंटा का नाम क्या जो देवलोक में बजती हैं ? - सुघोषा
375. घडे भरे हुए गन्ने का रस किसको प्राप्त हुआ था ? - श्रेयांसकुमार
376. घड़े भरे हुए गन्ने के रस से श्रेयांसने किसको पारणा कराया ? - रिषभदेव
377. घोर अंधकार कौन सी नरक में हैं ? - तमः तम प्रभा
378. घंटी मे छ महिने तक कौन से देव पीसाते हैं ? - परमाधामी
379. घड़पण अवस्था कौन सी गति में नहि होती ? - देव-नरक
380. घोड़ागाडी कौन से तीर्थ में ज्यादा है ? - पालीताणा
381. घड़े में से साप के बदले माला किसने निकाली ? - श्रीमती
382. घम्मा कौन सी नरक का नाम है ? - प्रथमा
383. 'घनघसीय घनाघन' कौन से तीर्थंकर की स्तुति में आता है ? - पार्श्वनाथ
384. घटोत्कच किसका पुत्र था ? - भीम
385. घातीकर्म क्षय होने के बाद कौन सा ज्ञान प्राप्त होता है ?- केवलज्ञान
386. घेटीपाग तक रिषभदेव परमात्मा कितनी बार पधारे ? - पूर्व नवाणुं
387. घर में बैठे बैठे केवलज्ञान किसको हुआ ? - कुर्मापुत्र
388. घायल होते ही केवलज्ञान किसको हुआ ? - अर्णिकापुत्राचार्य
389. घंट बजाकर शत्रुंजय की यात्रा चालू किसने करवायी ? - विक्रमसिंह
390. घाटा आवाज करके रिषभदेव को बुलाने वाला कौन ? - बाहुबली

391. घेटीपाग से 2200 यात्रिकोको नवाणुं यात्रा कराने वाला कौन ?
- मुथा परिवार मांडवला

392. घाणी में साधुओ को पीसने वाला कौन ? - पालक

393. घनवात के आधार पर क्या है ? - घनोदधि

394. घनोदधि के आधार पर क्या है ? - नरक पृथ्वी

395. घडपण में व्याकरण कै पैठ शिखनार कौन ? - कुमारपाल

396. घोड़े वस्तुपाल-तेजपाल के संघ में कितने थे ? - 11 लाख

397. घोड़ी के आधार से चलने वाले श्रावक को स्वस्थ करने वाले कौन ?
- दादा जितविजयजी

398. घी की नदी बहलाने वाला कौन ? (गुजरात से मालवा तक) - भैसासेठ

399. घडा भर के गौचरी वापरने वाले कौन केवली बने ? - कुरगडु मुनि

400. घोलवड़ा कौन सी विगई का नीवियाता है ? दहीं

## च

401. चंपा श्राविका के तप द्वारा कौन सा राजा प्रभावित हुआ ? - अकबर

402. चंपा श्राविका ने कितने महिने तक उपवास किए ? - छ

403. चंपा श्राविका ने कौन से गुरु के उपर परम श्रद्धा थी ? - हीरसूरिजी

404. चंपा श्राविका ने कौन से शहर में तपस्या की थी ? - दिल्ली

405. चन्द्रगुप्त राजा को पौषध में कितने स्वप्न आये थे ? - सोलह

406. चन्द्रगुप्त राजा को सोल स्वप्न का अर्थ किसने बताया था ?
- भद्रबाहु स्वामी

407. चन्दनबाला ने अड़द बाकला किस प्रभु को वहोराये थे ?- महावीर स्वामी

408. चंपानगरी में किस जिनेश्वर के कल्याणक हुए थे ? - वासुपूज्य स्वामी
409. चन्द्र-सूर्य मूल विमान द्वारा किसके समवसरण में आये थे ? - महावीर स्वामी
410. चंड़प्रद्योतन राजा कौन सी नगरी के थे ? - उज्जयिनि
411. चंपानगरी के राजा का क्या नाम था ? - दधिवाहन
412. चंपानगरी के राजा दधिवाहन की पत्नि का क्या नाम था ? - अभया
413. चंपानगरी के द्वार किस महासती ने खोले थे ? - सुभद्रा
414. चारित्र लेकर चारित्र से भ्रष्ट कौन से मुनि हुए थे ? - कुंडरीक मुनि
415. चोविहारा उपवास एक साल तक किसने किये थे ? - बाहुबली
416. चौदसो चुम्मालीस ग्रंथ की रचना किसने की थी ? - हरिभद्रसूरि
417. चौदसो चुम्मालीस थंभे कौन से तीर्थ में हैं ? - राणकपुर
418. चैत्र सुद तेरस के दिन किस परमात्मा का जन्म हुआ था ? - महावीरस्वामी
419. चमरेन्द्रने शत्रुंजय का कौन सा उद्धार कराया था ? - छट्ठा
420. चन्द्रसूरिजी महावीरस्वामी को कौन सी पाट पर हुए ? - पंदरवी
421. चन्द्रप्रभस्वामी की जन्म कल्याणक नगरी कौन सी ? - चन्द्रपुरी
422. चन्द्रप्रभस्वामी के पिता का क्या नाम था ? - महासेन
423. चत्तारि-अट्ठ-दस-दोय तप में कितने उपवास आते हैं ? - चोवीश
424. चंपा पार्श्वनाथ कौनसी नगरी में बिराजमान हैं ? - पाटण
425. चोरवाड़ी पार्श्वनाथ कौन से तीर्थ में बिराजमान हैं ? - चोरवाड़
426. चंदा पार्श्वनाथ कौन से तीर्थ में बिराजमान हैं ? - उदयपुर
427. चरम जिनेश्वर का प्राचीन तीर्थ राजस्थान में कौन सा ?- सत्यपुर तीर्थ
428. चतुर्थ व्रतधारी महान श्रेष्ठी कौन हुए ? - विजयशेठ-शेठाणी

429. 'चन्द्र' कितने नम्बर का स्वप्न हैं ? - छट्ठा
430. चक्केश्वर सूरिजी की जन्म भूमि कौन सी ? - मंड़ार
431. चोसठ पुत्री शत्रुंजय तीर्थ उपर किसकी मोक्ष में गई ? - नमिविद्याधर
432. चक्रवर्ती का राज्याभिषेक कितने साल तक चलता हैं ? - बारह
433. चमरेन्द्र के सामानिक देव कितने ? - चौसठ हजार
434. चन्दनबाला की माता का क्या नाम था ? - धारिणी देवी
435. चेटकराजा के पुत्री का क्या नाम था ? - धारिणी
436. 'चैत्यस्तव' कौन से सूत्र का नाम हैं ? - अरिहंत चेइआणं
437. चौमुखजी के टुंक में आरस की कितनी प्रतिमाजी हैं ? - 1458
438. चौद करोड़ साधर्मिक के पीछे किसने खर्चा ? - कुमारपाल
439. चोवीस बार सूरिमंत्र की साधना किसने की थी ? - मुनिचंद्र सूरि
440. चन्द्र विमान में शाश्वती प्रतिमा के दर्शन कब होते हैं ? - अजवाली दूज
441. चोरो को प्रतिबोध करने वाले कौन ? - जंबूस्वामी
442. चामड़ी उतारते समय केवली कौन हुए ? - खंधक मुनि
443. चउक्कसाय सूत्र कब बोला जाता है ? - सामायिक पारते समय
444. चारित्र पद के कुल कितने भेद हैं ? - सीत्तेर
445. चारित्र पद का वर्ण कौन सा ? - सफेद
446. चौराशी गणधर किस तीर्थंकर के ? - आदिनाथ
447. चन्दनपूजा से कौन सा गुण प्राप्त होता है ? - शीतलता
448. चाण्ड़ाल कुल में जन्म पाकर साधु कौन बने ? - हरिकेशी मुनि
449. चाणस्मातीर्थ में कौन से पार्श्वनाथ बिराजमान हैं ? - भटेवा
450. 'चउक्कसाय' चैत्यवंदन कौन से भगवान का है ? - पार्श्वनाथ

## छ

451. छ मास के वय वाले पुत्र को किसने वहोराया था ? - सुनंदा
452. छत्तीस हजार जिनमंदिर का जिर्णोद्धार किसने कराया था ? - सम्प्रति राजा
453. छ मास में कर्म का नाश करके मोक्ष प्राप्त करने वाला कौन ?-अर्जुनमाली
454. छ मास तक अग्निदाह किस नगरी में चला ? - द्वारिका
455. छ मास तक कृष्ण के मृतदेह को लेकर कौन घूमा ? - बलराम
456. छ भव ब्राह्मण के किस तीर्थंकर ने किये थे ? - महावीर स्वामी
457. छट्ठे भव में महावीर स्वामी क्या थे ? - पुष्पमित्र ब्राह्मण
458. छत्र परमात्मा के उपर कितने होते हैं ? - तीन
459. छ मासी तप किस तीर्थंकर ने किया था ? - महावीर स्वामी
460. छ मासी तप का पारणा वीरप्रभुने किस नगरी में किया था ?- पेढाल
461. छ मासी तप का पारणा वीरप्रभुने किस द्रव्य से किया था ? - खीर
462. छ मास तक लोही खंड झाड़े किसको हुए थे ? - महावीर स्वामी
463. छत्तीस हजार साध्वीजी किस तीर्थंकर के थे ? - महावीर स्वामी
464. छठ तप की अंतिम तपस्या कस्के कौन से तीर्थंकर मोक्ष में गये ? - महावीर स्वामी
465. छठ तप के पारणे पर निरंतर आंबिल तप करने वाले कौन ? - धन्ना अणगार
466. छ साल की वय में दीक्षा लेने वाले कौन ? - मनकमुनि
467. छ मास में छद्मस्थ अवस्था दूर करने वाले कौन ? - अर्जुनमाली
468. छ मित्र साथ में मोक्ष गये वो किसके मित्र थे ? - मल्लीनाथ

469. छ पुत्र किसके जो एक साथ मोक्ष में गये ? - देवकी
470. छ मास तक निरंतर छठ के पारणे आंबिल करनेवाली कौन ? - द्रौपदी
471. छ मास तक निरंतर अट्ठम के पारणे आंबिल करने वाले कौन ? - कुरुदत
472. छोत्तर साल के श्रुत केवली कौन ? - भद्रबाहु स्वामी
473. छ हजार साल तक भीष्म तपस्या किसने की ? - विष्णु मुनि
474. छ मास तक निरंतर उपवास किसने किये ? - ढंढण मुनि
475. छखंड जीतने में छसो साल किसको हुए ? - कुंथुनाथ चक्री
476. छेवट्टु संघयण किस मनुष्य को होता है ? - संमूर्च्छिम
477. छतीस कर्तव्य किसके बताये हैं ? - श्रावक
478. छत्तीस गुण किसके बताये हैं ? - आचार्य भगवंत
479. छ भाषा को जानने वाला कौन सा कवि था ? - श्रीपाल कवि
480. छव्वीस योजन उंचा गिरनार तीर्थ कौन से आरे में था ? - प्रथम
481. छत्तीस साल तक गृहस्थावस्था में कौन से गणधर रहे ? - मेतार्य
482. छट्ठे आरे में गंगा नदी की चौड़ाई कितनी होगी ? - स्थमार्ग जितनी
483. छट्ठे देवलोक में जिन भवन कितने ? - पचास हजार
484. छट्ठे देवलोक का क्या नाम ? - लान्तक
485. छट्ठी नरक का क्या नाम ? - मघा
486. छट्ठी नरक के गोत्र का क्या नाम ? - तमः प्रभा
487. छीपावसहि टुंक में आरसा के प्रतिमाजी कितने ? - इक्कीस
488. छ आरा का स्वरुप किस आगम में आता हैं ? - जंबुद्विप प्रज्ञप्ति
489. छत्तीस हजार सुवर्ण खर्च करके आगम किसने लिखवाये ? - पेथडमंत्री
490. छत्तीस हजार प्रश्नोत्तर किस आगम में आते हैं ? - भगवती सूत्र

491. छप्पन दिक्कुमारी प्रभु का कौन सा महोत्सव करती हैं ?
- जन्म महोत्सव

492. छप्पन घड़ी सुवर्ण का चड़ावा लेकर ईन्द्रमाला किसने पहनी ?
- पेथड मंत्री

493. छप्पन हजार टांक खर्च का चडावा लेकर इन्द्रमाल किसने पहनी ?
- महणसिंह

494. छत्तीस हजार सुवर्णमोहर द्वारा आगम पूजा किसने की ? - संग्राम सोनी

495. छट्ठे आरे मे मानवी कहां रहेंगे ? - बिल में

496. छट्ठे आरे में मनुष्य का आयुष्य कितना होगा ? - बीस साल

497. छट्ठे आरे में मनुष्य का गर्भ कितनी वय में होगा ? - छ साल

498. छास में बहोतर मण जीरा ड़ालकर संघ भक्ति किसने की ?
- जसवीर पोरवाड

499. 'छ' कोष समवसरण की ऊचाई कौन से तीर्थंकर की थी ? - नेमिनाथ

500. छ भेद किसके बतलाये हैं ? - अवधिज्ञान

## ज

501. जंबूस्वामी ने कितने व्यक्ति के साथ संयम ग्रहण किया ? - 527

502. जमाली के माता-पिता का क्या नाम था ? - सुदर्शना-सुप्रभ

503. जरा व जादव के युद्ध में कौन हारा ? - जरासंघ

504. जलपूजा करने का कारण क्या ? - अपने कर्म मैल धोने हेतु

505. जंबूस्वामी के पाट पर कौन आये ? - प्रभव स्वामी

506. जयवीयराय सूत्र का दूसरा नाम क्या ? - प्रार्थना सूत्र
507. जयणामंगल शब्द श्रावक कब बोलता है ? - पौषध में आहार करते समय
508. जयवीयराय सूत्र देववंदन में कितनी बार आता हैं ? - तीन
509. जरासंघ ने जरा विद्या का उपयोग किसके सैन्य पर किया था ? - कृष्ण
510. जंभाईएणं शब्द कौन से सूत्र में आता हैं ? - अन्नत्थ
511. जयानंद केवली चरित्र की रचना किसने की थी ? - मुनिसुंदर सूरि
512. जीवदया के लिये जान किस मुनि ने दी ? - मेतार्य
513. जहनुकुमार किसका पुत्र था ? - सगरचक्री
514. जहर के कारण कौन से प्रभावक राजा का मृत्यु हुआ ? - कुमारपाल
515. जहर के कारण कौन से आचार्य कालधर्म पामे ? - हेमचन्द्रसूरि
516. जयताक ने कितने कोड़ी से पुष्पपूजा की थी ? - अठारा
517. जयताक पुष्पपुजा के कारण क्या बना ? - कुमारपाल
518. 'जगद्गुरु' बिरुद हीर सूरिजी को किसने दिया था ? - अकबर बादशाह
519. जगवल्लभ पार्श्वनाथ कौन से तीर्थ में बिराजमान हैं ? - कुंभोजगिरि
520. जगचिंतामणी सूत्र की रचना किसने की थी ? - गौतम स्वामी
521. 'जयउवीर सच्चउरिमंडण' शब्द किस सूत्र में आता हैं ? - जगचिंतामणी
522. जयउफासु भुवणत्तय सामिउ शब्द किस सूत्र में आता हैं ? - चउक्कसाय
523. जंबुद्वीप की लम्बाई कितनी ? - लाख योजन
524. ज्वारारोपण की विधी कब होती हैं ? - शान्तिस्नात्र के समय
525. जनकराजा की पुत्री का क्या नाम था ? - सीता
526. जमाली कौन से तीर्थंकर के जमाईराज थे ? - महावीर स्वामी
527. जन्म जेल में व मृत्यु जंगल में किसका हुआ ? - कृष्ण

528. जंगल में मुनि को वसतिदान देने वाला कौन ? - वंकचूल
529. जंगल में भोजन के समय अतिथि सत्कार किसने किया ? - नयसार
530. जयसेन किस महासती का भाई था ? - कलावती
531. जटायुपक्षी किस राजा का माननीय पक्षी था ? - रामचन्द्रजी
532. जननी को खुश करने के लिये सच्चा ज्ञान किसने प्राप्त किया ? - आर्यरक्षित
533. जनकराजा के समय में मिथिला का महामंत्री कौन था ? - सोमप्रभ
534. जटायुपक्षी ने किसकी रक्षा के लिये बलिदान दिया था ? - सीतासती
535. जंबूद्वीप के कौन से क्षेत्र में हम सभी रहते हैं ? - भरत
536. जंबुद्वीप के भरतक्षेत्र में प्रथम केवली कौन हुए ? - मरुदेवा माता
537. जंबुद्वीप के भरतक्षेत्र में प्रथम तीर्थंकर कौन हुए ? - ऋषभदेव
538. जीवदया को दिलमें बसाकर जान किसने दी ? - धर्मरुचि अणगार
539. जीभ के द्वारा मुनि के आंख में से तणखला किसने निकाला ?-सुभद्रासती
540. जुगार खेलते समय अपनी पत्नी को दाव में किसने रखी ?- युधिष्ठिर
541. जुगारी में से विद्वान मुनि कौन हुए ? - सिद्धर्षिगणी
542. जयत्रिभुवनतीर्थ - नंदासण के स्थापक कौन ? - आ. राजेन्द्रसूरिजी
543. जंबुवृक्ष का स्वप्न किसकी माता को आया था ? - जंबुकुमार
544. जालोर तीर्थ में कौन से पार्श्वनाथ बिराजमान हैं ? - कुंकुमरोल
545. जेसलमेर तीर्थ में कौन से पार्श्वनाथ बिराजमान हैं ? - संकटहरण
546. जगत्चंद्र सूरिजी को 'तपा' का बिरुद किसने दिया था ? - जैत्रसिंह राणा
547. जगत्चंद्र सूरिजी को 'तपा' का बिरुद किस कारण मिला था ? - आंबिल तप

548. जयसिंह राणा को सात व्यसन छोड़ाने वाला कौन ? - **पेथडमंत्री**

549. जयत्रिभुवनस्तोत्र की रचना किस आचार्य ने की ? - **अभयदेवसूरि**

550. जगदूशा दानवीरने आम जनता हेतु कितनी दानशाला खोली थी ? - **112**

551. जेल में रहकर सामायिक करने वाला कौन ? - **जगतसिंह**

552. जीरावला तीर्थ में एक करोड़ फूलो से पुष्पपूजा किसने की थी ?
- **झांझणशा**

553. जीरावला पार्श्वनाथ की प्राचीन मूर्ति कौन से गाँव में हैं ?
- **रामसीन (राज.)**

554. जीरावला पार्श्वनाथ स्तोत्र की रचना किस आचार्यने की थी ?-**मेरुतुंगसूरि**

555. जंबूस्वामी के निर्वाण बाद कितनी वस्तु का विच्छेद हुआ ? - **दस**

556. जज्जीगसूरिने सत्यपुर तीर्थ में कौन सी प्रतिमा की प्रतिष्ठा करायी थी ?
- **महावीर स्वामी**

557. जीरावला तीर्थमें सुवर्णतार का चंदरवा किसने बांधा था ?- **झांझणशा**

558. जीरावला तीर्थ में छ मण कपूर से धूप पूजा किसने की थी ?
- **झांझणशा**

559. जिनतिलक सूरिने कितने शिष्यो के साथ जीरावला चातुर्मास किया था ?
- **त्रेपन**

560. जेताशा-खेताशा ने कौन से तीर्थ का उद्धार किया था ? - **जीरावला**

561. जिनप्रभसूरिने कौन से ग्रंथ की रचना की थी ? - **विविध तीर्थ कल्प**

562. जावड़शा के समय में शत्रुंजय के कितने संघपति हुए थे ? - **3,84,000**

563. जावड़शा ने वि.सं. 108 में कौन से तीर्थ का उद्धार किया था ?
- **शत्रुंजय**

564. जरासंघ अभी कौन सी नरक में हैं ? - चौथी

565. जाली (श्रेणीक की पत्नी) के पुत्र का दीक्षा पर्याय कितना था ? - 16 साल

566. जीवनभर आंबिलतप किस आचार्यने किया था ? - वर्धमान सूरि

567. 'जू' मारने पर दण्ड स्वरुप कौन से जिनमंदिर का निर्माण हुआ ? - यूका विहार

568. जमालीने कौन से मत की स्थापना की ? - कड़े माणे कड़े

569. जिनप्रतिमा को देखकर महात्मा कौन हुए ? - आर्द्रकुमार

570. जिनप्रभसूरि प्रतिदिन कितने स्तोत्र बनाते थे ? - पांच

571. जंबूद्वीप की जगति कितनी ऊँची हैं ? - आठ योजन

572. जयदेवसूरि महावीर स्वामी की कौन सी पाट पर हुए ? - बाईसमी

573. जन्म महेल मे मृत्यु जेल में किसका हुआ ? - श्रेणीक राजा

574. जयन्तसिंह किसका पुत्र था ? - वस्तुपाल

575. जनोई कौन धारण करता हैं ? - ब्राह्मण

## त

576. तन के दर्द से भव का दर्द किसने मिटाया ? - अनाथी मुनि

577. तलवार भी साफ करके चलाने वाला कौन था ? - चेटक

578. तस्कर बनकर गया साधु बनकर कौन आया ? - प्रभवादि चौर

579. तीर्थंकर के प्रति तिरस्कार भाव किसका था ? - गौशालक

580. तीर्थ की रक्षा हेतु कौन से चक्रवर्ती के पुत्रोने बलीदाय दिया ?- सगर

581. तिर्यञ्च गति में होते हुए भी अनसन व्रत किसने किया ?- चंड़ कौशिक

582. तिर्यञ्च के भव में प्राणी दया किसने की ? - मेरुप्रभ हाथी
583. तिर्यञ्च के भव में समकित प्राप्त किसने किया ? - चंड़ कौशिक नाग
584. तेल व चोला का भोजन करके जीवन किसने गुजारा ? - मम्मण शेठ
585. तारा गिरता देखकर वैराग्य किसको हुआ ? - जयकीर्ति
586. तमः प्रभा कौन सी नरक के गोत्र का नाम हैं ? - छट्ठी
587. तमः तमः प्रभा कौन सी नरक के गौत्र का नाम हैं ? - सातवी
588. तक्षशीला नगरी में कौन से चक्र की स्थापना हुयी थी ? - धर्मचक्र
589. तीर्थमाला ग्रंथ के रचयिता कौन ? - ज्ञानविमलसूरि
590. तेजपाल सोनी ने कौन से तीर्थ के शिखर पर जीर्णोद्धार कराया था ? - शत्रुंजय
591. तारामती राणी कौन से राजा की राणी थी ? - हरिश्चंद्र
592. तत्त्वार्थ सूत्र के कितने अध्याय हैं ? - दस
593. तक्षशीला का राज्य किसको मिला था ? - बाहुबलीजी
594. तोलाशाह किसके पिता थे ? - कर्माशाह
595. तंदुलीया मस्त्य मर के कहाँ उत्पन्न होता है ? - सातवी नरक में
596. तंदुलीया मत्स्य की उत्पत्ति कौन सी जगह पर होती है ? - माछले की आंख में
597. तीर्थंकरो कौन से वस्त्र धारण करते हैं ? - देवदूष्य
598. तिलकमञ्जरी के नाम पर ग्रंथ किसने बनाया ? - धनपाल पंडित
599. तीस उपवास का लाभ कौन से तीर्थ पर करने से मिलता हैं ? - शत्रुंजय
600. तेतलीपुत्र किसके प्रतिबोध से वैराग्यवान हुआ ? - पत्नी के
601. तारंगाजी तीर्थ में जिनालय किसने बंधाया ? - कुमारपाल

602. 'तरपणी' किसके उपकरण के नाम हैं ? - साधुसाध्वीजी

603. तीर्थंकर पधारे है एसा समाचार देने वाले को चक्रवर्ती कितना दान देता हैं ? - साड़ा बार करोड़

604. तेजपाल की पत्नी अभी कौन से क्षेत्र में हैं ? - महाविदेह में केवली

605. तेजपाल कितने भव करने के बाद मोक्ष में जायेंगे ? - चार भव

## द

606. दिगम्बर मत का प्रारंभ किसने किया ? - शिवभूति सहस्त्रयोद्धा

607. दर्शनपद के कितने भेद हैं ? - 67

608. दर्शनपद का वर्ण कौन सा ? - सफेद

609. दशभव देवलोक के किस तिर्थंकर ने किये थे ? - महावीर स्वामी

610. दश गणधर किस तीर्थंकर के थे ? - पार्श्वनाथ

611. दश मुख्य श्रावक किस तीर्थंकर के थे ? - महावीर स्वामी

612. दशवां चातुर्मास वीरप्रभुने कौन सी नगरी में किया था ? - श्रावस्ती

613. दशवैकालिक सूत्र किसके कल्याण के लिये रचा था ? - मनकमुनि

614. दशवैकालिक सूत्र की रचना किसने की थी ? - शय्यंभवसूरि

615. दत्तराजा ने कौन से तीर्थंकर को पारणा कराया था ? - नेमिनाथ

616. दधिपर्ण वृक्ष के नीचे किस तिर्थंकर ने संयम ग्रहण किया था ?- धर्मनाथ

617. द्रष्टिवाद सूत्र के लिये दीक्षा किसने ली ? - आर्यरक्षित

618. देव द्वारा मार्ग पर आने से संयम किसने स्विकार किया ? - देवर्द्धिगणी

619. देवर्द्धिगणीने किस नगरी में 500 आचार्य के ईक्कट्ठा किया था ? - वल्लभीपुर

620. देवेन्द्रसूरि ने कौन से ग्रंथ की रचना की थी ? - श्राद्ध दिनकृत्य
621. दीपावली के दिन कौन से तीर्थंकर मोक्ष में गये ? - महावीर स्वामी
622. द्वारामती नगरी में प्रथम पारणा कौन से तीर्थंकर का हुआ था ? -नेमिनाथ
623. द्वैपायन ऋषि ने कौन सी नगरी का सत्यानाश किया था ? - द्वारिका
624. द्रौपदी ने किसका अनादर किया था ? - नारदऋषि
625. द्रौपदी का अपहरण किस राजा ने किया था ? - पद्मोत्तर
626. दुःशासन के पिता का क्या नाम था ? - धृतराष्ट्र
627. दान देने के बाद पश्चाताप किसने किया ? - मम्मण शेठ
628. दुष्काल के समय जगह जगह पर दानशाला किसने खोली थी ? - जगडूशा
629. दानांतराय कर्म का उदय किसको था ? - कपिलादासी
630. दमयंती सती किस राजा की राणी थी ? - नलराजा
631. दण्ड़वीरजराजा ने शत्रुंजय का कौन सा उद्धार किया था ? - दूसरा
632. दुःख भंजन पार्श्वनाथ कहां पर विराजमान हैं ? - सूरत
633. दोकड़ीया पार्श्वनाथ कौन से तीर्थ में बिराजमान हैं ? - प्रभास पाटण
634. दादा पार्श्वनाथ का भव्य जिनालय कहाँ पर हैं ? - बेड़ा (राज.)
635. द्रोणाचार्य ने अर्जुन को कौनसी कला शिखायी ? - राधावेध
636. दिगम्बराचार्य कुमुदचंद्र के सामने कौन से आचार्य ने विजय प्राप्त किया ? - वादि देवसूरि
637. देशल संघवी ने शत्रुंजय के कितने संघ निकाले ? - चौदह
638. दश हजार उद्देशे किस आगम के बतलाये हैं ? - भगवती
639. देवराज शेठ ने किसकी निश्रा में शत्रुंजय का संघ निकाला था ? - मुनिसुंदरसूरि

640. देदाशा ने उपाश्रय बनाते समय चूने में केशर कीतनी गुनी डाली थी ? - 49

641. द्रव्यसप्ततिका ग्रंथ में किसकी बात आती हैं ? - देवद्रव्य संबंधी

642. द्रव्यपूजा पूर्ण होने के बाद कौन सी पूजा आती हैं ? - भावपूजा

643. दिपक पूजा क्यों करने की ? - अज्ञानता को दूर करने हेतु

644. दश मन के दशवचनके, दश काया के दोष किसके बताये हैं ? - सामायिक

645. दधिस्थली (देथली) में कौन से महापुरुष का जन्म हुआ था ?- कुमारपाल

646. दशरथ राजा ने कौन से तीर्थ का संघ निकाला था ? - शेत्रुंजय

647. दशरथ राजा के संघ में सुवर्ण के कितने जिनमंदिर थे ? - सातसो

648. दण्डवीरज राजा के संघ में कितने श्रावक श्राविका थे ? - सातकरोड़

649. देवशर्मा को प्रतिबोध देने कौन गया था ? - गौतमस्वामी

650. दयालशा किल्ला में कितने मंजिल का जिनमंदिर था ? - नौ मंजिल

## ध

651. धनपाल पंडित रचित स्तुति कौन बोलते थे ? - हेमचंद्राचार्य

652. धन्नाजी को वैराग्य कैसे हुआ ? - पत्नी का वचन सुन के

653. धगधगता शीशा शय्यापालक के कान में किसने डाला था ? त्रिपृष्ठ वासुदेव

654. धर्मघोष मुनिवर के पास संयम ग्रहण किसने किया था ?- पांच पांडव

655. धर्मलाभ का संदेश सुनकर किसके रोम रोम खड़े हुए थे ? - सुलसासती

656. धर्मचक्र किसके आगे चलता हैं ? - परमात्मा

657. धर्मबिन्दु ग्रंथ के रचयिता कौन हैं ? - हरिभद्रसूरि

658. धन्ना अणगार ने कौन से पर्वत पर अनसन किया था ? - विपुलाचल

659. धनपाल कवि ने कौन से ग्रंथ की रचना की थी ? - तिलकमंजरी
660. धरणी कौन से तीर्थंकर की यक्षीणी हैं ? - अरनाथ
661. धनगिरि मुनि वहोरने गये तब सुनंदा ने क्या वहोराया था ? - पुत्र
662. धर्मदास गणि किसके शिष्य थे ? - महावीर स्वामी
663. धर्मसंग्रह ग्रन्थ के रचयिता कौन थे ? - मान विजयजी
664. धंधुका नगरी में कौन से आचार्य का जन्म हुआ था ? - हेमचन्द्रसूरि
665. धनेश्वर सूरिजीने कौन से ग्रंथ की रचना की थी ? - शत्रुंजय महात्म्य
666. धरणाशाह पोरवाल ने कौन से तीर्थ का निर्माण किया था ? - राणकपुर
667. धनुर्विधा में निपुणता किसने प्राप्त की थी ? - एकलव्य
668. धनद शेठ के वहाँ कोयले में से सुवर्ण कैसे बना ?
- सोमचंद्र मुनि के द्रष्टिपात से
669. 'धनतेरस' कौन सा पर्व माना जाता हैं ? - मिथ्या पर्व
670. धर्मनाथ भगवान के कितने श्रावक थे ? - दो लाख चार हजार
671. धरणेन्द्र-पद्मावती कौन से तीर्थंकर के यक्ष-यक्षिणी हैं ? - पार्श्वनाथ
672. धन्ना शालिभद्र की जन्मभूमि कौन सी ? - राजगृही
673. धन्ना अणगार तपस्वी मुनि की जन्मभूमि कौन सी ? - काकन्दी
674. धनदत्त का कौन सा पुत्र जिसको केवलज्ञान हुआ था ? - इलाची
675. धवलशेठने किसको दरिया में डाला था ? - श्रीपाल
676. धारिणी के कौन से राजपुत्र ने 500 कुमारो के साथ संयम ग्रहण किया था ? - श्रीपाल
677. धर्मघोष सूरि कौन से मंत्री के गुरु थे ? - पेथड़
678. धन के लिये कौन से पुत्र को माता ने बेच दिया ? - अमरकुमार

679. धिंगडमल्ल पार्श्वनाथ कौन से तीर्थ में बिराजमान हैं ? - पाटण

680. धूमप्रभा कौन सी नरक के गोत्र का नाम हैं ? - पांचवी

681. धर्मध्वज समवसरण कौन सी दिशा में होता हैं ? - पूर्वदिशा

682. 'धम्मुत्तरं वट्ढऊ' शब्द तक कौन से सूत्र की पद संपदा बताई ?-श्रुतस्तव

683. घर्मरूचि अणगार को कडवी तुंबडी किसने वहोरायी थी ? - नागश्री

684. धन्ना सार्थवाह के भव में तीर्थंकर नाम कर्म किसने बांधा ?- रिषभदेव

685. धर्म करने का दोहला किस माता को उत्पन्न हुआ था ? - सुव्रतामाता

686. घरणेन्द्र ने प्रसन्न होकर राजा को कौन सी विद्या दी थी ? - अमोघविद्या

687. 'धर्मास्तिकाय' किसकी गति में सहायता करता हैं ? - जीव-पुद्गल

688. धर्मतीर्थ प्रवर्तानेके लिए कौन से देवप्रभु को विनंती करतें हैं ? -लोकान्तिक

689. धन धान्य की वृद्धिके कारण सिद्धार्थपुत्र का क्या नाम पड़ा ? - वर्धमान

690. धोलका के महामंत्री कौन थे ? - वस्तुपाल-तेजपाल

691. धवलक्क श्रावकने कौन से आचार्य की परिग्रहासक्ति दूर की थी ? - रत्नाकर सूरि

692. धनमंत्री ने कौन से तीर्थ का संघ निकाला था ? - शत्रुंजय

693. धाईदेव श्रावक ने कितने पुष्पो से जिन पूजा की थी ? - नवलाख

694. धनविजयजी एक दिन में कितना चल सकते थे ? - तीस कोष

695. 'ध्वजा' कितने नम्बर का स्वप्न हैं ? - आठवां

696. धर्मकथी प्रभावक कौन से आचार्य हुए ? - सर्वज्ञ सूरि

697. धर्मघोष सूरि के स्वागत में पेथड़ मंत्रीने कितना खर्च किया था ? - बत्तीस हजार

698. धनकुमार राजा कौन से पद की आराधना से तीर्थंकर बना ? - विनयपद

699. धनपाल कवि भोजराजा से खिन्न होकर कहाँ आ कर बसे ?- सांचोर

700. धर्मघोष सूरि 'छ' घड़ी में कितने श्लोक याद करते थे ? - पांचसो

## न

701. नंदनमुनि के भव में वीर प्रभुने कौन सा कर्म बांधा ?- तीर्थंकर नाम

702. नरकगति के दो भव किस तीर्थंकर ने किये थे ? - महावीर स्वामी

703. नंदनमुनि के भव में वीरप्रभुने कितने मासखमण किए थे ? - 11,80,645

704. नव लोकांतिक देव प्रभु को किसकी विनंती करते हैं ? - दीक्षा की

705. नव मल्ली नव लच्छी गण के राजवी ने कौन सा पौषध किया था ? - आहार पौषध

706. नवकार मंत्र के ध्यान से नारायण कौन बना ? - अमरकुमार

707. नागश्री ब्राह्मणी कौन से तीर्थंकर के समय में हुयी ? - चन्द्रप्रभस्वामी

708. नव भव तक एक साथ किसका संबंध चला ? - नेम-राजुल

709. नटडी को प्राप्त करने हेतु नट कौन बना ? - ईलाची

710. नलीनी गुल्म विमान का अध्ययन सुनकर दीक्षित कौन हुआ ? - अवंति सुकुमाल

711. नवकार महामंत्र कौन सी भाषा में हैं ? - प्राकृत

712. नवकार मंत्र संपूर्ण गिनने से कितने सागरोपम का पाप कम होता है ? - पांचसो

713. नवकार महामंत्र के कुल अक्षर कितने ? - 68

714. नमिकुमार को कौनसी माता ने जंगल में जन्म दिया था ?- मयणरेहा

715. नवकारशी पच्चक्खाण से कितने नरकायु कम होती है ?- 100 साल

716. नावड़ी की रमत खेलने के बाद पश्चाताप करके केवली कौन हुए ? - अईमुत्ता मुनि

717. नारक के जन्म स्थान को क्या कहा जाता है ? - कुम्भी

718. नाथको ढूंढने के लिये गये मगर सभी के नाथ कौन बने ? - अनाथीमुनि

719. नीच कुल में जन्म होने पर भी उत्तम साधु कौन बने ? - मेतारज

720. नारी मे आसक्त होने पर भी नारी से कौन तरे ? - नंदिषेण

721. नेमिनाथ तीर्थंकर के कितने साधु थे ? - अढ्ढारा हजार

722. नेमिनाथ के सभी साधुओ को वंदन करने वाला कौन ? - कृष्णराजा

723. नंद पुष्करिणी नाम की वावड़ी किसने बंधायी थी ? - नंद मणियार

724. नंदिनी क्रिया श्रावक कब करता है ? - उपधान के समय

725. नंदिषेण मुनि का पतन किस गणिका के द्वारा हुआ ? - कामसेना

726. नागिला के प्रतिबोध से फिर से संयम में स्थिर कौन बने ? - भवदेव

727. नामस्तव कौन से सूत्र का नाम हैं ? - लोगस्स

728. निन्याणु करोड़ द्रव्य धरणाशाह ने किस जिनालय में खर्चा ? - राणकपुर

729. नवसारी मधुमती में कौन से पार्श्वनाथ बिराजमान हैं ? - चिंतामणी

730. नारंगा पार्श्वनाथ कौन से तीर्थ में बिराजमान हैं ? - पाटण

731. नवपल्लव पार्श्वनाथ कौन से तीर्थ में बिराजमान हैं ? - मांगरोल

732. नवखंडा पार्श्वनाथ कौन से तीर्थ में बिराजमान हैं ? - पाली

733. नरक गति का प्रथम द्वार कौन सा ? - रात्रि भोजन

734. नरक गति का दूसरा द्वार कौन सा ? - परस्त्रीगमन

735. नरक गति का तीसरा द्वार कौन सा ? - बोल अथाणुं

736. नरक गति का चौथा द्वार कौन सा ? - अनंत काय

737. नौ बार राज्याभिषेक किसका हुआ था ? - श्रीपाल राजा
738. नमि-विनमी को विद्या किसने दी थी ? - धरणेन्द्र
739. नवाणुं यात्रा किस तीर्थ की होती हैं ? - शत्रुंजय
740. नमस्कार महामंत्र बोलने को सुवर्ण मोहर देने वाले कौन ?- सारंग शेठ
741. निब्बे-(90) पालखीओ किसके संघ में थी ? - आभू संघवी
742. नेमिनाथ की सबसे प्राचीन मूर्ति कौन से तीर्थ में हैं ?- गीरनार तीर्थ
743. नालंदा पाड़ा में वीरप्रभुने कितने चातुर्मास किये थे ? - चौदह
744. नीललेश्या का स्वभाव कैसा होता है ? - तीव्र अप्रशस्त मनोभाव
745. निशीथ चूर्णी की रचना भीनमाल में किसने की थी ?- जिनदासगणी
746. निर्लांछन कर्म कर्मादान का क्या मतलब ?- पशु के अंगोपांग छेदना
747. नरक में कितने परमाधामी भयंकर वेदना देते हैं ? - पन्द्रह
748. नंदिनी पिता श्रावक कौन सी नगरी के थे ? - सावत्थी
749. नंदिषेण मुनि अभी कौन सी गति में हैं ? - मोक्ष
750. नलराजा अभी कौनसी गति में हैं ? - देवलोक

## प

751. पद्मनाभ तीर्थंकर का गणधर कौन बनेगा ? - कुमारपाल
752. 'पद्मनाभं' नाम के प्रथम तीर्थंकर कौन बनेगें ? - श्रेणिकराजा
753. पांच पांडव कितने मुनि के साथ मोक्ष में गयें ? - बीस करोड़
754. पद्मोत्तर विमान में कौन से मुनि उत्पन्न हुए ? - बलदेव मुनि
755. प्रभास गणधर की जन्मभूमि कौन सी ? - राजगृही
756. पंचमंगल महाश्रुत स्कंध किसका नाम हैं ? - नवकार मंत्र

757. पद्मासन में बैठकर कौन से तीर्थंकर मोक्ष में गये ? - महावीर स्वामी
758. परिग्रह की ममता छोड़कर परम कल्याण किसने किया ? - कपिल
759. पैर का कांटा निकालने के साथ भव का कांटा किसने निकाला ? - रोहिणेय चोर
760. पत्नी के प्रतिबोध से परमात्मा कौन बने ? - तेतलीपुत्र
761. पश्चाताप करते केवली कौन हुए ? - गौतम स्वामी
762. परमार्हत् बिरुद किसको मिला था ? - कुमारपाल
763. पुणिया श्रावक के पास सामायिक का फल मांगने कौन गया था ? - श्रेणीकराजा
764. पिता को जेल में पूरने वाला कौन ? - कोणिक
765. पिता को प्रतिदिन 100 कोडे लगाने वाला कौन ? - कोणिक
766. पति मोक्ष में पत्नी नरक में एसे कौन ? - सगरचक्री-स्त्रीरत्न
767. पति को जहर देने वाली कौन ? - सूर्यकान्ताराणी
768. पांच हजार नये जिनमंदिर किसने बनवाये थे ? - कुमारपाल
769. पद्मावती पार्श्वनाथ कौन से तीर्थ में बिराजमान हैं ? - नरोड़ा
770. पोसीना पार्श्वनाथ कौन से तीर्थमें बिराजमान हैं ? - नाना पोसीना
771. पल्लवीया पार्श्वनाथ कौन से तीर्थ में बिराजमान हैं ? - पालनपुर
772. पंचासरा पार्श्वनाथ कौन से तीर्थ में बिराजमान हैं ? - पाटण
773. पांच पहाड़ उपर जिनमंदिर कौन से तीर्थ में बिराजमान हैं ?- राजगृही
774. पांच साल की उम्र में राज्याभिसेक किसका हुआ था ? - श्रीपाल
775. पुष्पदंत जिनेश्वर की माता का क्या नाम था ? - रामादेवी
776. पुष्पपूजा के प्रभाव से महाराजा कौन बने ? - कुमारपाल

777. परमात्माकी भक्ति करते करते तीर्थंकर नाम कर्म किसने बांधा ? - रावण
778. पंक प्रभा कौन सी नरक का नाम हैं ? - चौथी
779. पाहिनीदेवी किस महापुरुष की माता थी ? - हेमचन्द्रसूरि
780. पादलिप्त सूरिजी के नाम से कौन सा तीर्थ प्रसिद्ध हुआ ? - पालिताणा
781. प्रतिष्ठा के पावन प्रसंग पर कौन से पार्श्वनाथ का नाम लिखा जाता हैं ? - जीरावला पार्श्वनाथ
782. प्रबंध पंचशती ग्रंथ के करता कौन थे ? - पं. शुभशील गणी
783. पंचासरा पार्श्वनाथ की प्रतिमा किसने भरायी थी ? - वनराज चावड़ा
784. प्रबंध पंचशती ग्रंथ में कितनी कथा आती हैं ? - पांचशो
785. पाटण में रत्न जड़ित जिनमंदिर किसके घर था ? - कुबेरदत्त
786. पंचासरा पार्श्वनाथ की प्रतिमा किसने कराई थी ? - शीलगुण सूरि
787. पंचं कल्याणक पूजा के रचयिता कौन थे ? - वीर विजयजी
788. पूनड़ श्रावक ने नागोर से कौन से तीर्थ का संघ निकाला था ? - शत्रुंजय
789. पेथड़ मंत्रीने कितने जिनमंदिर बधाये थे ? - 84
790. प्रियमित्र चक्रवर्ती वीरप्रभु कौन से भव में बने थे ? - तेवीसवे
791. पेथड़ मंत्री के संघ में कितने मनुष्य थे ? - सात लाख
792. पांचसो टन के जहाज किसके पास थे ? - मोतीशा सेठ
793. पचास साल की उम्र मैं संयम ग्रहण किसने किया था ? - गौतम स्वामी
794. पन्द्रहसो तापसो को संयम किसने दिया था ? - गौतम स्वामी
795. पद्मलेश्या का स्वभाव कैसा होता है ? - तीव्र प्रशस्त मनोभाव
796. पादपोगमन अनशन का क्या मतलब ?- वृक्ष के मूल की तरह रहना
797. पशु-पक्षी कौन सी जाति में आते हैं ? तिर्यञ्चजाति

798. पांचसो शिष्यो को पंन्यास पद किसने दिया था ? - देव सूरिजी

799. पच्चीसशो (2500) साधु किसकी आज्ञा में थे ? - देव सूरिजी

800. पावागढ तीर्थ के उपर प्रथम मूलनायक कौन थे ?- जीरावला पार्श्वनाथ

## ब

801. बारह साल तक गर्भ में कौन से राजा रहे थे ? - सिद्धराज जयसिंह

802. बलराम के पुत्र कुब्जवारक ने किसके पास दीक्षा ली थी ?- नेमिनाथ

803. ब्रह्मलोक देवलोक में कौन से मुनि उत्पन्न हुए थे ? - बलदेव मुनि

804. बलदेव मुनि का कितना आयुष्य था ? - 1200 साल

805. बलदेव मुनि का मोक्षगमन कब होगा ?- अमम तीर्थंकर के समय में

806. बप्पभट्टी सूरिने कौन से राजा को प्रतिबोध दिया था ? - आमराजा

807. बप्पभट्टी सूरिजी की जन्मभूमि कौन सी ? - डुवातीर्थ

808. बप्पभट्टी सूरिजी विद्या द्वारा प्रतिदिन कितने तीर्थ की यात्रा करते थे ? - पांच

809. बहुल ब्राह्मण के घर पर कौन से तीर्थंकरने पारणा किया था ? - महावीर स्वामी

810. ब्रह्मदेवलोक में वीरप्रभु कितनी बार गये थे ? - दो बार

811. बहुलादासी ने महावीर स्वामी को कौन से तप का पारणा कराया था ? - भद्रतप

812. बोहेंत्तर साल का आयुष्य कौन से तीर्थंकर का था ? - महावीर स्वामी

813. बहनोई के आवाज को सुनकर संयम में शूरवीर कौन बने ?- धन्नाजी

814. बैल की वृद्धावस्था देखकर वैराग्य किसको हुआ ? - करकंडु राजा

815. बत्रीस पुत्रो को एक साथ जन्म किसने दिया था ? - सुलसा
816. बलीचंचा राजधानी में इन्द्र कौन बने ? - तामसी तापस
817. बत्रीस प्रकार के नाटक वीरप्रभु के सामने किसने किया था ? - ईशानेन्द्र
818. बारह मास तक काउसग्ग में स्थिर कौन बने ? - बाहुबलीजी
819. बारहव्रत में से एक भी व्रत न पाला तो भी तीर्थंकर कौन बनेंगे ? - श्रेणिक राजा
820. बारहवे देवलोक में कौन सी महासती उत्पन्न हुयी ? - सीता सती
821. बाल ब्रह्मचारी वीर यौद्धा कौन हुए ? - भीष्म पितामह
822. बहरा प्राणी कौन से कर्म के उदय से होता हैं ?- अचक्षुदर्शनावरणीय
823. बालचन्द्र ने कौन सी स्तुति की रचना की थी ? - स्नातस्या
824. बाण और मयूर कवि कौन से राजा की सभा में जाते थें ? - भोजराजा
825. बरेजा पार्श्वनाथ की मूर्ति कौन से तीर्थ में बिराजमान हैं ? - बारेजा
826. बाहुबलीजी को केवलज्ञान नहि होने का कारण क्या ? - मानकषाय
827. बत्तीस दोष किसके बताये हैं ? - सामायिक
828. बारह राजाओं की सभा में विजय प्राप्त किसने किया ?- वादिदेव सूरि
829. बर्बरकुल में मनुष्य की क्या दशा होती थी ? - खून खींचने की
830. बृहत्संग्रहणी के कर्ता कौन थे ? - चन्द्रसूरिजी
831. बप्पभट्टी सूरिजी को कितनी उम्र में सूरि की पदवी मिली थी ? - ग्यारह साल
832. बालाभाई टूंक में आरस के प्रतिमाजी कितने ? - 1754
833. बारह साल तक निरंतर आंबिलतप किसने किया था ?- जगत् चंद्रसूरि
834. बंधस्वामित्व सूत्र की कितनी गाथा हैं ? - पच्चीश

835. बारह योजन चौड़ी कौन सी घंटा होती है ? - सुघोषा

836. बाईस परिषह किसको सहन करने के होते हैं ? - साधु साध्वीजी

837. बादशाहने कौन से तीर्थ उपर जिनमंदिर बनवाया था ? - शत्रुंजय

838. बहन की रक्षा के लिये किस आचार्यने युद्ध कराया था ? - कालकाचार्य

839. बिन्दुसार ने कितने राज्य के उपर विजय प्राप्त किया ? - सोलह

840. बत्रीस प्रकाश कौन से सूत्र के हैं ? - ज्ञानसार

841. बीलीमोरा में कौन से स्तवन की रचना हुई ? - वीरप्रभु का हालरडां

842. बत्तीस दांत की शुद्धि हेतु बत्तीस प्रकाश का स्वाध्याय कौन करता था ? - कुमारपाल

843. बलदेव की माता कितना स्वप्न देखती हैं ? - चार

844. बारहपर्षदा समवसरण के कौन से गढ में बैठती हैं ? - तीसरे

845. बलदेव की संख्या कितनी ? - नौ

846. बेनातट में नाटक किसने किया था ? - ईलाची

847. बाहुस्वामी कौन से विहरमान हैं ? - तीसरे

848. बत्तीस साल की उम्र में ब्रह्मचर्य व्रत किसने स्विकार किया ? - पेथड़शा

849. बंधुमती किसकी पत्नी का नाम था ? - अर्जुन माली

850. बकरे का अनसन कराकर नवकार मंत्र किसने सुनाया ? - चारुदत्त

## भ

851. 'भवविरह' शब्द कौन से आचार्य का विशेषण है ? - हरिभद्रसूरि

852. भद्रबाहु स्वामी कितने ज्ञान के स्वामी थे ? - चौदह पूर्व

853. भरुच तीर्थ में मूलनायक कौन से ? - मुनिसुव्रत स्वामी

854. भवनपति देव में कौन सा राजा उत्पन्न हुआ ? - कुमारपाल

855. भामाशाह ने प्रतापराणा को कितना धन दिया था ?
- 12 साल तक 25,000 सैनिक भोजन कर सके उतना

856. भामाशाह के पिता का क्या नाम था ? - भारमल कावड़ीया

857. भरतचक्री ने कितने व्यक्ति के साथ संयम ग्रहण किया था ? - दश हजार

858. भक्तामर स्तोत्र की रचना किसने कि थी ? - मानतुंगाचार्य

859. भूख को शान्त करने हेतु साधु वेष किसने स्विकारा ?- संप्रतिके जीवने

860. भण्डवपुर तीर्थ में मूलनायक कौन से ? - महावीर स्वामी

861. भाभर तीर्थ के मूलनायक कौन से ? - मुनिसुव्रत स्वामी

862. भादरवा मास में कौन से पर्व की आराधना होती है ? - पर्युषण

863. भय भंजन पार्श्वनाथ कौन से तीर्थ में बिराजमान हैं ? - भीनमाल

864. भीनमाल में कौन से विद्वान मुनि हुए ? - सिद्धिर्षिगणी

865. भीनमाल में कौन से महान कवि हुए ? - माघकवि

866. भोरोल तीर्थ के भूखंड में से कौन से प्रतिमाजी प्रगट हुए थे ? - नेमिनाथ

867. भोरोल तीर्थ के उद्धार हेतु कौन से आचार्य ने कडी महेनत की ?
- कनकप्रभ सूरि

868. भद्रिका नगरी में महावीर स्वामीने कौन सा चातुर्मास किया ?-पांचवा

869. भवदेव की शादी किसके साथ हुयी थी ? - नागिला

870. भवदेव को दीक्षा किसने दी थी ? - भवदत मुनि

871. भवदेव को संयम मे स्थिर किसने किया ? - नागिला

872. भवदेव मुनि कालधर्म के बाद क्या बने ? - विद्युन्माली देव

873. भद्रोत्तर प्रतिमा को किसने धारण की थी ? - रामकृष्ण आर्या

874. भरतक्षेत्र में प्रथम राजा कौन हुए ? - भरत राजा
875. भरतक्षेत्र की प्रथम श्राविका कौन हुयी ? - सुंदरी
876. भरहेसर सज्झाय कब बोली जाती है ? - सुबह के प्रतिक्रमण में
877. भद्रबाहु स्वामी जन उपकार हेतु कौन् से सूत्र की रचना की ? - कल्पसूत्र
878. भद्रामाता कौन से शेठ की माता थी ? - शालीभद्र
879. भोमियाजी देव कौन से तीर्थ के अधिष्ठायक देव हैं ?- समेत शिखर
880. भोजराजा कौन सी नगरी में हुए थे ? - धारानगरी
881. भाई कौन से भाई के उपकारक बने ? - भवदत्त
882. भाला में भोंकाते हुए केवली कौन बने ? - ३र्णिकापुत्राचार्य
883. भाई को मारने हेतु उठायी हुयी मुठी से लोच किसने किया ? - बाहुबाली
884. भाषा समिति में किसने भूल की ? - गौतमं स्वामी
885. भाभी के उपदेश से कौन से दियर तरे ? - रहनेमि
886. भाई के लिये देव की आराधना किसने की ? - कृष्ण
887. भगवती सूत्र कितने नम्बर का अंग है ? - पांचवे
888. भुवन पार्श्वनाथ कौन से तीर्थ में बिराजमान हैं ? - खंभात
889. भेरुतारक तीर्थ में कौन से पार्श्वनाथ हैं ? - सहस्त्रफणा
890. भक्तामर स्तोत्र की कितनी गाथा प्रचलित हैं ? - चुम्मालीस
891. भाभा पार्श्वनाथ कहां पर बिराजमान हैं ? - जामनगर
892. भरतचक्री के पिता का क्या नाम हैं ? - रिषभदेव
893. भद्र राजा किसके पिता थे ? - स्वयंभूवासुदेव
894. भद्रादेवी कौन से चक्रवर्ती की माता थी ? - मघवा
895. भाणराजा ने कौन सी नगरी में राज्य किया था ? - भीनमाल

896. भद्दिलपुर में कौन से सेठ के वहाँ सुलसा के पुत्र बड़े हुए ? - गाथापति
897. भीलडीयाजी तीर्थ में कौन से पार्श्वनाथ बिराजमान हैं ?- भीलडीयाजी
898. भगवती सूत्र का दूसरा नाम क्या ? - व्याख्या प्रज्ञप्ति
899. भाव विजयजी गणिवर कौन से तीर्थ के थे ? - सत्यपुर तीर्थ
900. भाव विजयजी के माता-पिता का क्या नाम था ?- मूलीदेवी-राजमल
901. भावविजयजी ने किसके पास दीक्षा ली थी ? - देवसूरिजी
902. भगवतीसूत्र की टीका किस आचार्य ने बनाई थी ?- अभयदेव सूरिजी
903. भरत राजा ने अपने कितने पुत्रो को दीक्षा दी थी ? - पांचसो
904. भरत राजा ने अपने कितने पौत्रो को दीक्षा दी थी ? - सातसो
905. भामण्डल प्रतिहार्य परमात्मा के कौन सी जगह पर होता है ? - मस्तक के पीछे
906. भद्रासन का समावेश किसमें होता है ? - अष्टमंगल
907. भव्य का मतलब क्या ? - मोक्ष में जाने के लिये योग्य
908. भद्र प्रतिमा की आराधना कौन से तीर्थंकर ने की थी ? - महावीर स्वामी
909. भोपावर तीर्थ के मूलनायक का क्या नाम हैं ? - शान्तिनाथ
910. भानुदत्त मुनि प्रमाद के कारण कहाँ उत्पन्न हुए ? - निगोद
911. भैंसा शेठ ने कौन से आचार्य का सूरिपद महोत्सव किया था ? - देवगुप्त सुरि
912. भाभर में कौन से आचार्य का जन्म हुआ था ? - कनकप्रभ सूरि
913. भुवनशेखर सूरिजी की जन्मभूमि कौन सी ? - भाभर
914. भद्रबाहु पूर्वधर की दीक्षा कब हुयी थी ? - वीर निर्वाण सं.139 में
915. भायखला में शत्रुंजयावतार जैसा जिनालय किसने बनाया ?- मोतीशाह

916. भायखला में मोतीशा सेठ ने जिनमंदिर कब बनाया था ? - सं.1885
917. भैंसा सेठ कौन से गांव के थे ? - भीनमाल
918. भूख लगी ज्यादा तो भी कम खाना उस तप का क्या नाम ? - उणोदरी
919. भ्रमितांगुली दोष किसको कहते हैं ? - अंगुली हिलाते काउसग्ग कर उसको
920. भरत राजा को केवलज्ञान कहाँ हुआ था ? - आरीसाभवन
921. भूमि एक निर्वाण अनेक एसी भूमि कौन सी ? - समेतशिखर
922. भोज राजा प्रतिदिन कितना दान देते थे ? - सवा लाख
923. भुजंग देव कौन से विहरमान हैं ? - चौदह में
924. भिखारी में से साधु कौन बना ? -सम्प्रति
925. भरत राजा का नाटक किसने किया था ? - अषाढा भूति

## म

926. महावीर स्वामी का जीव देवानंदा की कुक्षी में कितने दिन रहा ? - 82
927. मस्तक के सफेद बाल देखकर वैराग्य किसको हुआ ? - प्रसन्नचंद्र
928. महाराणा प्रताप के कितने भाई थे ? - तेरह
929. महाराणा प्रताप को कितनी राणी थी ? - सोलह
930. महाराणा प्रताप को कितने पुत्र थे ? - सत्रह
931. महाराणा प्रताप को कितने बहने थी ? - बीस
932. मदिरा के कारण कौन सी नगरी का विनाश हुआ ? - द्वारिका
933. मतिज्ञान के कितने भेद हैं ? - अट्ठावीस
934. महावीर स्वामी ने किसके भव में नीचगोत्र कर्म बांधा था ? - मरीची

935. महावीर स्वामी के हाजरी में कौन से गणधर मोक्ष में गये ? - प्रभास
936. महावीर स्वामी ने कौन से तप की आराधना की थी ? - भद्रतप
937. मंगु आचार्य जीभ की लालसा के कारण क्या बने ? - यक्ष
938. मध्यरात्रि को मोक्ष कौन से तीर्थंकरने प्राप्त किया ? - महावीर स्वामी
939. मौन एकादशी की आराधना किसने की थी ? - सुव्रत शेठ
940. मेवाड के अणमोल दानवीर कौन हुए ? - भामाशा
941. मुहपत्ति पड़िलेहन के कितने बोल हैं ? - पचास
942. मुक्तावली तप की आराधना किसने की ? - पितृसेन आर्या
943. मूलनायक कौन सी शीला के उपर स्थापित होते हैं ? - कुर्मशिला
944. मूलेवा पार्श्वनाथ कौन से तीर्थ में बिराजमान हैं ? - अमदावाद
945. मनोरंजन पार्श्वनाथ कौन से तीर्थ में बिराजमान हैं ? - पाटण
946. महादेवा पार्श्वनाथ कौन से तीर्थ में बिराजमान हैं ? - राजगृही
947. मगधदेश की राजधानी कौन सी ? - राजगृही
948. मांडवगढ तीर्थ के मूलनायक कौन से ? - सुपार्श्वनाथ
949. माणिभद्र यक्ष कौन बने ? - माणेक शेठ
950. मगरवाड़ा में कौन से देव प्रगट हुए ? - माणिभद्र
951. माणीभद्र वीर कौन से सेठ थे ? - माणेक शेठ
952. मरते समय साधु की झंखना करने वाला कौन ? - उदायन मंत्री
953. मोतीशा शेठ की टुंक में आरस के प्रतिमाजी कितने ? - 3225
954. मोदी की टुंक में आरस की प्रतिमाजी कितने ? - 559
955. मक्षी तीर्थ में भव्य जीनालय किसने बंधाया ? - संग्राम सोनी
956. मक्षी पार्श्वनाथ की प्रतिष्ठा किस आचार्य ने करवायी थी ? -सोमसुंदरसूरि

957. माणिभद्र देव के पिता का क्या नाम था ? - धर्मप्रिय
958. माणिभद्र देव (माणेकशेठ) के पत्नी का क्या नाम था ? - आनंदरति
959. माणिभद्र देव (माणेकशेठ) के माता का क्या नाम था ? - जिनप्रिया
960. माणिभद्र का मस्तिक कहाँ पर पूजा जाता हैं ? - उज्जैन
961. माणिभद्र देव का धड कहाँ पर पूजा जाता हैं ? - आगलोड़
962. मोतीशा शेठ का जन्म कहां हुआ था ? - खंभात
963. मोतीशा शेठ का जन्म कब हुआ था ? - वि.सं. 1838
964. मालवाड़ा नगर के प्रथम आचार्य कौन हुए ? - रत्नशेखर सूरि
965. मृगापुत्र लोढिये का वर्णन किस आगम में आता हैं ? - विपाकसूत्र
966. माणिभद्र देव की स्थापना मगरवाड़ा में किसने की थी ? - आनंद विमल सूरि
967. माहेन्द्र कौन से नम्बर का देवलोक हैं ? - चोथा
968. मेघकुमार के पिता का क्या नाम था ? - श्रेणीक
969. मेवाड के राजा का जग़डूशा ने कितना दान दिया था ? - 32,000 मूडा
970. मालवा के राजा को जगडूशा ने किताना दान दिया था ? -18,000 मूडा
971. मंडित गणधर कौन से गांव के थे ? - मोर्यगाम
972. मोर्यपुत्र गणधर के कितने शिष्य थे ? - 300
973. मेतार्य गणधर कौन से गांव के थे ? - तुंगिक
974. मांडवगढ से शत्रुंजय तीर्थ का संघ किसने निकाला था ?- झांझणशा
975. मांडवगढ के कौन से मंत्री ने शासन प्रभावना की ? - पेथड़
976. मांडवगढ के झांझणमंत्री के संघ में कितने यात्रिक थे ? - ढाईलाख
977. मुहपति का पडिलेहण श्रावक कितने बोल से करता हैं ? - पचास

978. मरुधर देश के सिरोही जिल्ले में प्राचीन तीर्थ कौन सा ? - जीरावला
979. मालवाडा ज्ञान भंडार के अन्तर्गत पुस्तक प्रते कितनी ? - बीस हजार
980. महावीर स्वामी के साधु की संख्या कितनी थी ? - चौदह हजार
981. माणेक स्वामी के रुप में कौन से तीर्थकी मूर्ति प्रसिद्ध हैं ? - कुलपाकजी
982. मोर पक्षी कौन से तीर्थ उपर एकावतारी हुआ ? - शत्रुंजय
983. मूषक विहार नामका जिनालय किसने बंधाया था ? - कुमारपाल
984. मुनिवंदन सूत्र कौन सा ? - जावंत केवि साहू
985. मघा कौन सी नरक का नाम हैं ? - छट्ठी
986. माघवती कौनसी नरक का नाम हैं ? - सातवी
987. मालकोश राग में कौन देशना देते हैं ? - परमात्मा
988. मेरुपर्वत की ऊंचाई कितनी ? - 1 लाख योजन
989. मेरुपर्वत उपर कितने वनखंड है ? - चार
990. मल्लीनाथ भगवान का प्राचीन तीर्थ कौन सा ? - भोयणी
991. मोक्षगमन का प्रारंभ किसने किया ? - मरुदेवी माता
992. मोहनीय कर्म की उत्कृष्ट स्थिति कितनी ?- 70 कोड कोडी सागरोपम
993. मोक्ष का दरवाजा किसने बंध किया ? - जंबूस्वामी
994. मोंघीबाई कौन से महापुरुष की माता का नाम था ? - मुनिचंद्र सूरि
995. महम्मंद बेगड़ा ने खेमा देदाणी को किसका बिरुद दिया था ? - शाह
996. मुंजाल कौन से राजा का मंत्री था ? - सिद्धराजा
997. माता के संतोष हेतु मामाजी के पास किसने दीक्षा ली ? - सिद्धराजा
998. मागधिका वेश्या से कौन से मुनि का पतन हुआ ? - कुलवालक
999. मातृभक्ति के लिये साढे तीन करोड़ श्लोककी रचना किसने की ? - हेमचंद्राचार्य

1000. मोतीशा शेठ का नाम कौन सी पूजा से अमर हुआ ? - जलपूजा

## य

1001. यक्षिणी साध्वीजी कौन से तीर्थंकर के थे ? - नेमिनाथ
1002. यथाख्यात चारित्र में किसका उदय नहि होता हैं ? - कषाय
1003. यक्ष के कान उपर पैर रख के क्नौन सो गये थे ? - आर्यखपुटाचार्य
1004. यक्ष के बंधन में से अर्जुनमाली को किसने छुड़ाया था ?-सुदर्शन शेठ
1005. यदुवंश में कौन से तीर्थंकर हुए ? - नेमिनाथ
1006. यशोभद्र सूरिजी के उपदेश से कौन सा डाकू व्यसन मुक्त हुआ ? - नरवीर
1007. यतिजीतकल्प वृत्ति के रचयिता कौन ? - साधु रत्नसूरि
1008. 'यक्षा' को कितनी बार बोलने से याद होता था ? - एकबार
1009. यक्षा किसकी बहन थी ? - स्थूलभद्र
1010. यशोविजयजी उपाध्याय की जन्मभूमि कौन सी ? - कनोड़ा
1011. यशोभद्रसूरिजी काल करके क्या हुए ? - हेचन्द्र सूरि
1012. यशोमती कौन से तीर्थंकर की दोहित्री थी ? - महावीर स्वामी
1013. यशोधर तीर्थंकर कौन सी चोवीशी में हुए ? - अतीत चोवीशी
1014. यशोविजयजी उपाध्यायने ज्ञानसार की रचना कहाँ पर की ? - सिद्धपुर
1015. 'यशोदा' कौन से तीर्थंकर की पत्नी का नाम था ? - महावीर स्वामी
1016. यक्ष ने किसके शरीर में प्रवेश किया था ? - अर्जुनमाली
1017. याकिनी महत्तराचार्य के नाम से कौन प्रसिद्ध हुए ? - हरिभद्रसूरि
1018. यशोवर्मा कौन से राजा के पिता थे ? - आमराजा
1019. यक्ष के मंदिर में प्रथम चातुर्मास किस तीर्थंकरने किया था ? -महावीर स्वामी

1020. यवराजर्षि की कथा किसने लिखी थी ? - चन्द्रशेखर सूरि
1021. यशोमती कौन से चक्रवर्ती की माता थी ? - सगर
1022. यशोभद्र सूरिजी ने पांच रुप करके कितने जिनालय की प्रतिष्ठा करायी ? - पांच
1023. यशोविजयजी उपाध्याय ने एक रात में कितनी गाथा की थी ? - चारहजार
1024. यथाख्यात कितने नम्बर का चारित्र हैं ? - पांचवे
1025. यंत्रपीलण कर्म का मतलब क्या ? - अनाजआदि पीसना
1026. योगशास्त्र का प्रतिदिन स्वाध्याय कौन करते थे ? - कुमारपाल
1027. यादशक्ति ज्यादा बढे उसके लिये कौन सा फल खाने का ? - सफरजन
1028. योजन तक लम्बी वाणी किसकी सुनाई देती हैं ? - तीर्थंकर की
1029. यजुर्वेद किस मत का ग्रंथ हैं ? - ब्राह्मण
1030. युवावस्था में दीक्षा लेने वाले महापुरुष का नाम ? - जंबूस्वामी
1031. योगीपुरुष प्रतिदिन किस चीज का त्याग करते हैं ? - प्रमाद
1032. यशोधर कौन से तीर्थंकर के प्रथम शिष्य थे ? - अनंतनाथ
1033. युद्धवीर्य राजा कौन से तीर्थंकर के परम भक्त थे ? - सुविधिनाथ
1034. यदुवंश में कौन से राजा हुए ? - समुद्रविजय
1035. यशोधर(साकेतपुर) ने किसके पास दीक्षा ली थी ? - इन्द्रभूति गणधर
1036. यशोधर मुनि आराधना करके कहां पर गये ? - मोक्ष में
1037. यतिधर्म कितने प्रकार के हैं ? - दश
1038. यशोविजयजी उपाध्याय के माता का क्या नाम था ? - सौभाग्यदेवी
1039. यशोविजयजी का संसारी नाम क्या था ? - जसवंत
1040. यशोविजयजी के गुरु का क्या नाम था ? - नयविजयजी

1041. यशोविजयजीको पढाने हेतु कौन से श्रावक ने विनंती की थी ? -धनजीसूरा
1042. यशोविजयजीने कितने पंडितो के सामने विजय प्राप्त किया था ? - 500
1043. यशस्वी कुलकर के पत्नी का क्या नाम था ? - सुरुपा
1044. यशस्वी कुलकर के शरीर की उंचाई कितनी थी ? - 700 धनुष्य
1045. यक्षदेव सूरिजी के लिये किसकी टीप हुयी थी ? - शिष्यों की
1046. यज्ञ और यवनी किसका नाम हैं ? - लिपी का
1047. यशोधर कौन से तीर्थंकर के पुत्र का नाम हैं ? - रिषभदेव
1048. यज्ञदेव कौन से तीर्थंकर के गणधर का नाम हैं ? - रिषभदेव
1049. यज्ञेश्वर कौन से महापुरुष के पिता थे ? - वीर विजयजी
1050. यतिधर्म की देशना कौन से तीर्थंकर ने दी थी ? - महावीर स्वामी

## र

1051. रत्नाकर पच्चीशी की रचना कब हुयी थी ? - वि.सं. 1371 में
1052. रत्नाकर पच्चीशी की रचना किसने की थी ? - आ. रत्नाकर सूरिजी
1053. रत्नाकर सूरिजी को सही मार्ग पर लाने वाले श्रावक का क्या नाम था ? - सुघन
1054. रत्नाकर पच्चीशी का गुजराती अनुवाद किसने किया था ? -शामजी हेमचंद्र
1055. रत्नकंबल से संयमरत्न ज्यादा किंमती है ऐसा कौन बोली थी ? -कोशावेश्या
1056. रत्नशेखर सूरिजीने कौन से ग्रंथ की रचना की थी ? - श्राद्धविधी
1057. रत्नशेखर सूरिजीने कौन से सूत्र की रचना की थी ?- लघुक्षेत्र समास
1058. रोते रोते केवलज्ञान किसको हुआ था ? - गौतम स्वामी
1059. रत्नावली तप की आराधना किसने कि थी ? - काली राणी

1060. रक्षक नहि परन्तु भक्षक किसकी माता बनी ? - अमरकुमार
1061. रुप के कारण संयम से कौन गिरा ? - रहनेमि
1062. रुप के कारण छोटेभाई का खून किसने किया ? - मणिरथ राजा
1063. रामचन्द्रसूरिजी को गरम-गरम शीला के उपर संथारा किसने कराया था ? - अजयपाल राजा
1064. रामलाल बारोटने कौन से तीर्थ की रक्षा की थी ? - तारंगाजी
1065. रावण और लक्ष्मण के युद्ध में कौन जीता ? - लक्ष्मण
1066. रत्नपुरी में कौन से तीर्थंकर के कल्याणक हुए ? - धर्मनाथ
1067. रायणवृक्ष प्राचीन कौन से तीर्थ पर हैं ? - शत्रुंजय
1068. रामायण के अनुसार रामचन्द्रजी अब कहाँ पर हैं ? - मोक्ष में
1069. रत्नचिंतामणी पार्श्वनाथ हाल कहाँ पर बिराजमान हैं ? - खंभात
1070. रत्नश्रवा किसके पिता का नाम था ? - रावण
1071. रात को साधु-साध्वीजी कान में क्या डालते हैं ? - रुई
1072. राजगृही नगरीमें हत्या का आतंक किसने फैलाया था ? - अर्जुनमाली
1073. 'रायसेना' कौन से विहरमान की पत्नी हैं ? - सत्तरवे
1074. रासानंदिअयं छन्द कौन से सूत्र में आता हैं ? - अजित शांति
1075. रावण अभी कौन सी नरक में हैं ? - चोथी
1076. रावण कौन से क्षेत्रमें तीर्थंकर होगा ? - महाविदेह
1077. रहनेमि किससे प्रतिबोध हुआ ? - राजुल
1078. राज चिन्ह का त्याग करके जिनमंदिर कौन जाता है ? - राजा
1079. रात को कौन सी चार क्रिया नहि होती है ?- दान-स्नान-युद्ध-भोजन
1080. रात्रि जागरण कौन से कर्तव्य में आता हैं ? - वार्षिक कर्तव्य

1081. राज्यावस्था जिनालय के कौन से त्रिक में आती हैं ? - अवस्थात्रिक

1082. राजप्रश्नीय आगम का समावेश किसमें होता हैं ? - बारउपांग

1083. रामचन्द्रजीने कौन से तीर्थ का उद्धार किया था ? - शत्रुंजय

1084. 'रावण' कितने भव के बाद तीर्थंकर होंगे ? - चौदह

1085. रात के पापो का नाश कौन सी पूजा से होता है ? - वासक्षेप पूजा

1086. 'राजपिण्ड़' किसको नहि कल्पता हैं ? - साधु-साध्वीजी

1087. राज्याभिषेक छोटी उम्र में किसका हुआ था ? - सम्प्रति

1088. राई प्रतिक्रमण कब होता हैं ? - प्रातः

1089. रात्रि में उपसर्ग कौन से तीर्थंकर को हुए थे ? - महावीर स्वामी

1090. रातामहावीरजी तीर्थ कहाँ पर आया हुआ है ? - राजस्थान

1091. राजस्थान के रामसीन नगर में मूलनायक कौन से ? - सुपार्श्वनाथ

1092. राजस्थान के रामसीन में जीरावला पार्श्वनाथ की प्रतिष्ठा किसने करायी ?
-आ. रत्नाकर सूरि

1093. राजस्थान के रामसीन में जीरावला दादा की प्रतिष्ठा कब हुयी ?
- वै. सु. 6, सं. 2061

1094. राजस्थान के रामसीन मे भूगर्भ में कौन सी प्रतिमा प्राप्त हुयी थी ?
- सुपार्श्वनाथ

1095. रातामहावीरजी तीर्थ में मूलनायक कौन से ? - महावीर स्वामी

1096. राजस्थान के सिरोही जिल्ले में पावापुरी तीर्थका निर्माण किसने किया ?
- के.पी. संघवी परिवार, मालगांव

1097. राज्यलोभ के कारण कौन से भाई की लडाई हुयी ? - भरत-बाहुबली

1098. 'रत्नराशी' कौन से नम्बर का स्वप्न हैं ? - तेरहवें

1099. रैवती श्राविका कौन से नाम से तीर्थंकर बनेगें ? - समाधि

1100. रघुवंश काव्य की रचना कौन से कविने की थी ? - कालिदास

1101. रेवती ने कौन से तीर्थंकर को वहोराकर तीर्थंकर नाम कर्म बांधा ? - महावीर स्वामी

1102. रत्नसंचय नाम वाले पुस्तक के चार भाग का संपादन किसने किया ? - मुनि रत्नत्रय विजय

1103. राम-भरत कितने मुनिवर के साथ शत्रुंजय पर मोक्ष पधारे ?- तीन करोड़

1104. रजोहरण का प्रचलित नाम क्या हैं ? - ओघो

1105. रैवती श्राविका अभी कौन से देवलोक में हैं ? - बारहवें

1106. रसवाणिज्य कर्मादान का क्या मतलब ?- घी-दूध-तेल आदी का वेपार

1107. राणकपुर की प्रतिष्ठा किस आचार्यने करवायी थी ? - सोमसुंदर सूरि

1108. रिष्टा कौन सी नरक का नाम हैं ? - पाँचवी

1109. रथावर्त पर्वत पर किसने अनशन किया ? - वज्रस्वामी

1110. रत्नजड़ित जिनालय किस के घर पाटण में था ? - कुबेरदत्त

1111. राजकथा का त्याग किसमें होता हैं ? - सामायिक-पौषधमें

1112. रसेन्द्रिय का संस्थान किसके जैसा बताया हैं ? - क्षुरप्र

1113. राजस्थान के रामसीन में भूगर्भ में से कौन सी प्रतिमा प्राप्त हुयी ? - महावीर स्वामी

1114. राजस्थान के रामसीन नगरमें कौन से महापुरुष की दीक्षा हुयी थी ? - शांति सूरिजी

1115. रोहिणेय चोर कैसे भाग्यशाली बना ? - वीर वाणी से

1116. रसना की लोलुपता में पड़कर नरक में कौन गया ? - कुंडरिक मुनि

1117. रेवती नक्षत्र का विषय किसमें आता हैं ? - ज्योतिष शास्त्र
1118. रामानंद किसके गुरु का नाम था ? - संतकबीर
1119. राक्षस व्यंतर के ईन्द्र का क्या नाम था ? - भीम
1120. रति-अरति कौन से नम्बर का पापस्थानक हैं ? - पन्द्रहवें
1121. 'रतिसार' केवली कैसे बना ? - अपनी पत्नी को सजाते हुए
1122. रायपसेणी आगम में किसका वर्णन आता हैं ? - नाट्यकला व सूर्याभदेव
1123. रत्नद्वीप मेंसे अश्व किस राजा ने मंगवाये थें ? - कनक केतु
1124. रत्नाकर कौन से नम्बर का स्वप्न हैं ? - अग्यारवे
1125. रत्नमती नेमिनाथजी के तीसरे भव में क्या थी ? - धर्मपत्नी
1126. रथमुसल संग्राम किसके बीच में हुआ था ? - चेटक व कोणीक
1127. रावण की पत्नी का क्या नाम था ? - मंदोदरी
1128. रावण ने कौन सी महासती का हरण कियां था ? - सीता
1129. रौद्रध्यान कौन सी गति प्राप्त कराता है ? - नरकगति
1130. रामानुज को कौन सी भक्ति ज्यादा पसंद थी ? - गुरुभक्ति

## ल

1131. लोहिताचार्य के पास किसने दीक्षा ली थी ? - देवर्द्धिगणी
1132. लक्ष्मीदेवी कौन से महापुरुष की माता थी ? - सिद्धर्षिगणी
1133. लंकानगरी के कौन से महाद्वीप में रावणकी उत्पत्ति हुयी थी ?- राक्षस द्विप
1134. लक्ष्मणा साध्वीजीने माया के कारण कितना संसार बढाया ? -80 चोवीसी
1135. लघुसिंह निष्क्रिडित तप की आराधना किसने की थी ? -महाकाली आर्या
1136. लाल वर्ण कौन से पद का हैं ? - सिद्धपद

1137. लक्ष्मपाक तेल का दान किसने दिया था ? - सुलसा
1138. लब्धि फोडने की ईच्छा किस मुनी को हुयी थी ? - स्थूलभद्र
1139. लव-कुश किसके पुत्र थे ? - रामचन्द्रजी
1140. लव के पुत्र का क्या नाम था ? - अनंगदेव
1141. लवणसमुद्र के अधिपति देव कौन ? - सुस्थितदेव
1142. लक्ष्मीसूरिजीने कोन से देववंदन रचे ? - ज्ञानपंचमी
1143. लवण समुद्र की लम्बाई कितनी ? - दो लाख योजन
1144. लंकानगरी के किल्ले की रक्षा कौन करता था ? - व्रजमुख
1145. लड्डु मुनि को वहोराने के बाद वापिस लेने कौन गया ? -मम्मण शेठ
1146. लकडे में जलते नाग को किसने बचाया ? - पार्श्वकुमार
1147. लड्डु के कारण कौन से मुनि फंस गये ? - अषाढामुनि
1148. लव-कुश अभी कहां पर हैं ? - मोक्ष में
1149. लुणिगवसहि जिनालय किसने बंधाया ? - वस्तुपाल-तेजपाल
1150. लक्ष्मीसागर सूरिजी वीरप्रभु की कौन सी पाट पर हुये ? - त्रेपनवी
1151. लक्ष्मणादेवी कौन से तीर्थंकर की माता थी ? - चन्द्रप्रभस्वामी
1152. लुंकामत में सबसे पहलेमूर्ति का विरोध-किसने किया था ?- लुंकाशाह
1153. लक्ष्मण अभी कौन सी नरकमें हैं ? - चतुर्थ
1154. लक्ष्मण ने चक्र के द्वारा किसका नाश किया ? - रावण
1155. लंकानगरीमें प्रथम मूलनायक कौन से थे ? - चन्द्रप्रभस्वामी
1156. ललीतादेवी कौन से महामंत्री के धर्मपत्नी थे ? - वस्तुपाल
1157. लक्ष्मीदेवी कौन से नम्बर का महास्वप्न हैं ? - चतुर्थ
1158. लवजीऋषि यतिने कौन सा मत चालू किया ? -दोरा डालकर मुहपत्ति बांधनेका

1159. लोगस्स सूत्र में कितने तीर्थंकर को वंदन होता है ? - चोवीश
1160. लोगस्स बोलते समय कौन सी मुद्रा होती हैं ? - जिनमुद्रा
1161. लघुशांति की रचना कौन से आचार्य ने कि थी ? - मानदेव सूरि
1162. लोगस्स सूत्र का दूसरा नाम क्या ? - नामस्तव
1163. लुंकामत की स्थापना कब हुयी थी ? - वि.सं. 1531 वर्ष
1164. लब्धि के भंडार कौन से मुनि थे ? - गौतम मुनि
1165. लघु निशीथ सूत्र किसमें आता हैं ? - छछेद सूत्र
1166. लाक्षावाणिज्य कर्मादान का क्या मतलब ?- लाख्र आदि का व्यापार
1167. लान्तक कौन से नम्बर का देवलोक हैं ? - छट्ठे
1168. लाट देश में जगडूशा ने कितनी दानशाला ख्रोली थी ? - तीस
1169. ललित विस्तरा ग्रंथ की रचना किसने की थी ? - हरिभद्रसूरि
1170. लोगस्स सूत्र के कुल अक्षर कितने ? - 256
1171. लंख्रीकार नट की पुत्री में कौन आसक्त हुआ ? - ईलाची
1172. लोकान्तिक देवो के रहने का स्थान कौन सा ?- त्रस नाडी के अन्तमें
1173. लोभ का उदय कितने गुणस्थानक तक होता हैं ? - दशवें
1174. लब्धिदत्त कौन से कषाय के कारण समुद्र में गिरा ? - माया
1175. लोभ के कारण कौन से शेठ समुद्र में गिरा ? - सगर
1176. लोक-लोकोत्तर में कौन से पर्व महान हैं ? - दिपावली
1177. लोक संज्ञा को छोड़कर लोकान्त में कौन पहोंचा ? - गर्गाचार्य
1178. लेश्या कितने प्रकार की बतलायी हैं ? - छ
1179. लीपी कितने प्रकार की बतायी हैं ? - अठारा
1180. लोकान्तिक देव प्रभु को किसलिये विनंती करते हैं ? - तीर्थ प्रवर्ताने

1181. लालवर्ण कौन सी लेश्या का होता हैं ? - तेजोलेश्या
1182. लालवर्ण वाले वस्त्र कौन से देवो के होते हैं ? - असुरकुमार
1183. लोक के मध्यभाग को क्या कहते हैं ? - तिर्च्छालोक
1184. 'लम्बाई' शब्द का शास्त्रीय नाम क्या ? - आयाम
1185. लोगस्स सूत्र में कितने तीर्थंकर के नाम आते हैं ? - चोवीश
1186. लक्ष्मीपति शेठ अपना हिसाब किसके उपर लिखते थे ? - दीवार
1187. लक्ष्मीपति शेठने किसके पास दीक्षा ली ? - वर्धमानसूरि
1188. लूंटारा होने पर भी नियम किसने ग्रहण किया ? - वंकचूल
1189. लोभ कितने नम्बर का पापस्थानक हैं ? - नवमें
1190. लक्ष्मण के पिता का क्या नाम था ? - दशरथ
1191. लांतक देवलोक इन्द्र के सेनापति का क्या नाम हैं ? - लघुपराक्रम
1192. लांतक देवलोकमें विमान का क्या नाम हैं ? - कामगव
1193. लाट देश की राजधानी का क्या नाम था ? - कोटिवर्ष नगरी
1194. लाट देश में कितने गांव आते थे ? - 2,42,000
1195. लोहजंघ कौन से काल का प्रतिवासुदेव होगा ? - भविष्यकाल
1196. लब्धिसूरिजी के प्रवचन से कौन से गांव में मांस खाने वाले कम हुए ? - मुलतान
1197. लालभाईने किसके लिये कोर्ट में केस लड़ा था ? - मंदिर में जूते पहन कर जाने पर
1198. लल्लिग शेठने किस आचार्य की सहायता के लिये उपाश्रय में रत्न जडवाये थे ? - हरिभद्रसूरि
1199. 'लोगविरुद्धच्चाओ' शब्द कौन से सूत्र में आता हैं ? - जयवीयराय

1200. लोक में समा नहि सकता इतना सुख आत्मा के कितने प्रदेशमें होता हैं ?
- एक प्रदेश

## व

1201. वज्रस्वामी ने तीन साल की उम्र में कितना अभ्यास किंया ?- 11 अंग
1202. वल्लभीपुर में आगमवाचना किसकी निश्रामें हुयी ? - देवर्द्धिगणी
1203. वसुदेव के माता-पिता का क्या नाम था ? - सुभद्र-अंधकविष्णु
1204. वल्कलचीरि को केवलज्ञान कैसे हुआ ? - पात्र पडिलेहन करते
1205. वज्रऋषभ नाराच संघयण किसको होता हैं ? - तीर्थंकरो को
1206. वशिष्ट गोत्र वाली कौन सी माता थी ? - त्रिशलामाता
1207. वासुपूज्य कौन से तीर्थंकर के पिता का नाम था ? - वासूपूज्य स्वामी
1208. वल्कलचीरि के बडे भाई का क्या नाम था ? - प्रसन्नचंद्र
1209. वंदन द्वारा नरक का दुःख किन का कम हुआ ? - कृष्णराजा
1210. वज्रस्वामी के मामा मुनि का क्या नाम था ? - कृष्णराजा
1211. वसुराजा के गुरु का क्या नाम था ? - आर्यसमितमुनि
1212. वसुमती को कौन से सेठ ने दाम देकर खरीदि थी ? - धनावह सेठ
1213. वज्रस्वामी ने अपनी पाट कौन से मुनि को दी थी ? - वज्रसेन मुनि
1214. वज्रबाहु के भतीजे का क्या नाम था ? - कीर्तिधर राजा
1215. विशाखानंदी किसके चाचा के लडके भाई लगते थे ? - विश्वभूति
1216. वीरप्रभुने पारणा कौन से शेठ के हाथ से किया था ? - अभिनव सेठ
1217. वीरप्रभु की भाव से भक्ति करनेवाला कौन था ? - जीरण शेठ
1218. विष्णुमुनि ने किसको चमत्कार बताया ? - नमुचि

1219. वृक्ष पर बैठे बैठे जातिस्मरण ज्ञान किसको हुआ ? - देवभद्र-यशोभद्र
1220. विद्याधर की श्रेणी के संस्थापक कौन ? - विनमी
1221. वेश्या को वीर उपासिका बनाने वाले कौन ? - स्थूलभद्र
1222. वैद्यराजा ने भी कौन से राजा की ननामी उठायी थी ? - सिकंदर
1223. वज्रसेन सूरि महावीर स्वामी की कौन से पाट पर हुए ? - चौदहवी
1224. वज्रस्वामी महावीर स्वामी की कौन से पाट पर हुए ? - तेरहवी
1225. वज्रऋषभ नाराच-संघयणवाला कितनी नरक तक जा सकता हैं ? - सातवी
1226. विघ्नहरा पार्श्वनाथ कौन से नगर में बिराजमान हैं ? - रांदेर
1227. विमल पार्श्वनाथ कौन से नगरमें बिराजमान हैं ? - छाणी
1228. वाड़ी पार्श्वनाथ कौन से नगरमें बिराजमान हैं ? - पाटण
1229. वंकचूल चोरी करने कहां पर गया था ? - राजमहल
1230. वालुकाप्रभा कौन सी नरक के गौत्र का नाम हैं ? - तीसरें
1231. विराटनगर में गुप्तवास किसने किया था ? - पांच पांडव
1232. वनकर्म कर्मादान का क्या मतलब ? - वनस्पति आदि का व्यापार
1233. विगई के आगार कितने प्रकार के बतलाये हैं ? - नौ
1234. वाराणसी में कौन से तीर्थंकर का जन्म हुआ था ? - पार्श्वनाथ
1235. वादिदेव सूरिजी की जन्मभूमि कौन सी ? - मंड़ार
1236. वरमाण तीर्थ के मूलनायक कौन से ? - महावीर स्वामी
1237. वादिदेव सूरिजी के पिता का क्या नाम था ? - वीरनाग
1238. वादिदेव सूरिजी की माता का क्या नाम था ? - जिनदेवी
1239. वैराग्य शतक की कितनी गाथा हैं ? - 100
1240. वैराग्य शतक के कर्ता कौन ? - चिरंतनाचार्य

1241. वादिदेव सूरिजी के गुरु का क्या नाम था ? - मुनिचंद्र सूरि
1242. विमलमंत्री के भोजन समय कितने ढोल बजते थें ? - चोराशी
1243. विजय राजधानी का किल्ला कितना ऊंचा था ? - 31 योजन
1244. वनराज चावड़ा का कितना आयुष्य था ? - 109 साल
1245. वनराज चावड़ा ने कितने साल तक राज्य चलाया ?-59 सालं 2 मास
1246. वीरधवल राजा के पिता का क्या नाम था ? - लवण प्रसाद
1247. वस्तुपाल मंत्रीने ज्ञान भंड़ार के पीछे कितना द्रव्य खर्चा ?- सात करोड़
1248. वीरधवल राजा का मृत्यु कब हुआ था ? - सं. 1294 में
1249. वीरधवल राजा के पीछे स्नेहभाव के कारण कितने लोग मरे थे ? - 120
1250. विमलमंत्री के भाई का क्या नाम था ? - नेढ
1251. विमलमंत्री कौन से राजा का मंत्री था ? - भीमंदेव
1252. विविध विषय विचारमाला के मूल कर्ता कौन थे ? - मणिविजयजी
1253. विविध विषय विषयमाला के 9 भाग का पुनः संपादन किसने किया ? - मुनि रत्नत्रय विजय
1254. वर्धमानसिंह शेठ ने कौन से तीर्थ का जीर्णोद्धार किया था ? - भद्रेश्वर
1255. वैशालीनगरी के क्षत्रियकुंड में कौन से प्रभु का जन्म हुआ था ? - महावीर स्वामी
1256. वज्रस्वामी कितने साल की उम्र से संयमी हुए ? - तीन साल
1257. वस्तुपाल-तेजपाल ने शत्रुंजय के कितने संघ निकाले ? - साडा बार
1258. वढवाण के रत्नशेठ ने कितने यात्रिको की संघपूजा की थी ? - 7 लाख
1259. वीतराग स्तोत्र का प्रतिदिन स्वाध्याय कौन करते थे ? - कुमारपाल
1260. वीश तीर्थंकर कौन से तीर्थ उपर मोक्ष में गये ? - समेत शिखर

1261. वासूपूज्य स्वामी के कल्याणक कहाँ हुए थे ? - चंपापुरी

1262. वानरदोष किसको कहते हैं ?-बन्दर की तरह मुंह हिलाते काउसग्ग करना

1263. वंशा कौनसी नरक का नाम हैं ? - दूसरी

1264. वनराज चावड़ा का जन्म किस दिन हुआ था ? - वैशाख्र सुद पूर्णिमा

1265. विमलगणी को पढाने हेतु गुरु ने कौन सा सूत्र बनाया ?
- श्राद्ध प्रतिक्रमण सूत्र

1266. विक्रम सं. 1705 में भावविजयजी पाटण से संघ लेकर कहाँ गये थे ?
- अंतरीक्षजी

1267. विश्वसेन राजा की राणी का क्या नाम था ? - अचिरादेवी

1268. विश्वसेन राजा के पुत्र का क्या नाम था ? - शांतिनाथ

1269. वंकचूल ने कितने नियम का पालन किया था ? - चार

1270. वंकचूल के बहन का क्या नाम था ? - पुष्पचूला

1271. वामादेवी के पुत्र का क्या नाम था ? - पार्श्वनाथ

1272. विजय सेठ-सेठाणी की प्रशंसा किसने की थी ? - कपिल केवली

1273. विजय सेठ-सेठाणी कौन से व्रत का पालन करके नाम अमर किया ?
- ब्रह्मचर्य व्रत

1274. विद्युतकुमार देवो के मुगुट का चिन्ह कौन सा ? - वज्र

1275. वंदितासूत्र की कितनी गाथा हैं ? - पचास

1276. 'वज्रनाभ' पार्श्वनाथ प्रभु कौन से भव में थे ? - छट्ठे

1277. वामन में से विराट कौन हुआ ? - कुर्मापुत्र

1278. 'वासव' का पर्यायवाची शब्द क्या ? - इन्द्र

1279. वारि का पर्यायवाची शब्द क्या ? - पाणी

1280. विमलनाथ के समय में कौन से प्रतिवासुदेव हुए थे ? - मेरक
1281. वीर्यान्तराय के उदय होने से क्या बनाबर नहि होता हैं ? - क्रिया
1282. वांस उपर नाचते नाचते केवली कौन हुआ ? - ईलाची
1283. 'वरदत्त' किसका प्रधान शिष्य था ? - नेमिनाथ
1284. वरदत्त-गुणमंजरी ने कौन से तप की आराधना की थी ? - ज्ञानपंचमी
1285. 'वसुदेव' कौन से गणधर के पिता थे ? - अचल भ्राता
1286. वर्तमान चोवीशी के कितने तीर्थंकर हैं ? - चोवीश
1287. वायुकाय जीवायोनि के कितने भेद हैं ? - सात लाख
1288. वायु देवता का चिन्ह क्या था ? - मगरमच्छ
1289. वज्रधर स्वामी विहारमान के माता का क्या नाम हैं ? - सरस्वती
1290. 'विजय' महाविदेह क्षेत्रमें कितनी बतायी हैं ? - बत्तीस
1291. वाणी का पर्यायवाची शब्द कौन सा ? - गीरा
1292. वीतराग स्तोत्र के कितने प्रकाश हैं ? - बीस
1293. विचार का प्रोड़क्शन करती फेक्टरी कौन सी ? - मन
1294. वादिदेव सूरिने कौनसे मत के आचार्य पर विजय प्राप्त किया था ?- दिगम्बर
1295. वज्रस्वामी के पिता का क्या नाम था ? - धनगिरि
1296. विद्या द्वारा बीस लाख फूल लाकर शासन प्रभावना किसने की थी ? - वज्रस्वामी
1297. वृद्धवादीसूरि कौन से शिष्य की पालखी उठायी थी ?- सिद्धसेन दिवाकरसूरि
1298. वीरप्रभुने कितने मासक्षमण किये थे ? - बारह
1299. वैशाली नगरी के वीरप्रभु के भक्त राजा कौन थे ? - चेडाराजा
1300. वीरप्रभुने कौन सी श्राविका को धर्मलाभ का संदेश भेजा था ? - सुलसा

## श

1301. शांतिचंद्र सूरि(बुद्धि-तिलक समुदाय) का जन्म कहाँ हुआ था ? -माण्ड़ल
1302. शांतिचंद्र सूरि(बुद्धि-तिलक समुदाय) की सूरि पदवी कहाँ हुयी थी ? - पूरण
1303. शुभंकर सेठ कौन से महापुरुष के पिता थे ? - सिद्धर्षिगणी
1304. शालीभद्र किसको देखकर वैराग्यवासित हुए ? श्रेणिक राजा
1305. शत्रुमर्दन राजा के समय में राज्य का मुख्री कौन था ? - नयसार
1306. शंख श्रावक कौन से तीर्थंकर के शासन में हुआ ? - महावीर स्वामी
1307. शरम के कारण संयमी कौन हुए ? - भवदेव
1308. शय्यादान देकर जगप्रसिद्ध कौन हुए ? - जयंति श्राविका
1309. शंका दूर होने पर अपने जीवन को समर्पित किसने किया ?- इन्द्रभूति
1310. शरीर की शुद्धि करते आत्मा की शुद्धि किसने की ? - धन्नाजी
1311. शकडालमंत्री के पुत्र का क्या नाम था ? - स्थूलभद्र-श्रेयक
1312. शासन रक्षा हेतु विराट रुप किसने किया ? - विष्णुकुमार
1313. शील की रक्षा हेतु परिषह किसने सहन किया ? - सुदर्शन शेठ
1314. शिष्य पर क्रोध करके साप का अवतार किसने प्राप्त किया ? - नयशीलसूरि
1315. शूली का सिंहासन किसका बना ? - सुदर्शन शेठ
1316. शुक की पांच काटने से भव में हाथ के कांडे किसके कटे ? - कलावती
1317. शेलक मुनि के रोग की चिकित्सा किसने की थी ?- माण्डूक श्रावक
1318. शिवराजर्षि का अवधिज्ञान कितना था ? - सात समुद्र
1319. शान्तसुधारस की रचना किसने की थी ? - विनय विजय उपा.

1320. शय्यंभव सूरिजी महावीर स्वामी की कौन सी पाट पर हुए ? - चोथी
1321. शिवादेवी कौन से तीर्थंकर की माता थी ? - नेमिनाथ
1322. श्यामादेवी कौन से तीर्थंकर की माता थी ? - विमलनाथ
1323. 'शंख' कौन से तीर्थंकर का लंछन हैं ? - नेमिनाथ
1324. शत्रुंजय का पंदरवां उद्धार किसने किया था ? - समराशाह
1325. शामला पार्श्वनाथ कौन से तीर्थ में बिराजमान हैं ? - पाटण
1326. शेरीसा पार्श्वनाथ कौन से तीर्थ में बिराजमान हैं ? - शेरीसा
1327. शर्कराप्रभा कौन से नरक के गोत्र का नाम हैं ? - दूसरी
1328. शूलपाणी यक्ष कौन से तीर्थंकरको उपसर्ग किया था ?- महावीर स्वामी
1329. शत्रुंजय लघुकल्प का वर्णन किसने किया था ? - अईमुत्ता मुनि
1330. शत्रुंजय तीर्थ के अढारा संघ किसने निकाले थे ? - सूरा व् रत्न
1331. शत्रुंजय तीर्थ पर नवकारशी करने से कितना लाभ मिलता हैं ? -दो उपवास
1332. शत्रुंजय तीर्थ पर पोरसी करने से कितना लाभ मिलता हैं ?-तीन उपवास
1333. शेरीसा पार्श्वनाथ की मूर्ति कितने समय में तैयार हुयी थी ?- एक रात
1334. शिशुपालवध काव्य की रचना कौन से कवि ने कि थी ? - माघकवि
1335. शत्रुंजय तीर्थ का अंतिम उद्धार कौन से आचार्य करवायेंगे ? - दुप्पहसूरि
1336. शंखराजा की शीलवती स्त्री का क्या नाम था ? - कलावती
1337. शत्रुंजय तीर्थ का सोलहवां उद्धार किसने कराया था ? - कर्माशाह
1338. शालीभद्र सेठ को कितनी पत्नी थीं ? - बत्तीस
1339. शक्रस्तव सूत्र के कुल अक्षर कितने ? - 297
1340. शक्रस्तव सूत्र के पद कितने ? - 33
1341. शक्रस्तव सूत्र की संपदा कितनी ? - नौ

1342. शेला कौन सी नरक का नाम हैं ? - तीसरी
1343. शालीभद्र के पिता का क्या नाम था ? - गोभद्र शेठ
1344. शूर्पनखा किसकी बहन का नाम था ? - रावण
1345. शांतनूमंत्री ने अपने महेल में कितना खर्च किया था ? - 84,000 सौनेया
1346. शांतनूमंत्रीने अपने महेल को गुरुकी प्रेरणा से क्या बनाया ? -पौषधशाला
1347. शालीभद्र शेठने किसके पास संयम ग्रहण किया था ?- महावीर स्वामी
1348. शत्रुंजय के उपर सबसे प्रथम जिनालय किसने बनाया था ?- भरतराजा
1349. 'शुचितरं गुणरत्न महागरं' वाक्य किसमें आता हैं ? - स्नात्र पूजा
1350. शत्रुंजयतीर्थ के 21 खमासमणे की रचना किसने की थी ? - वीर विजयजी

## स

1351. सरस्वती साध्वीजी की रक्षा कौन से आचार्य ने कि थी ? - कालकाचार्य
1352. सरस्वती देवी की साधना कौन से आचार्य ने कि थी ? - हेमचन्द्राचार्य
1353. सम्प्रतिराजाने कितनी जिनप्रतिमा भरायी थी ? - 1 करोड 25 लाख
1354. सम्प्रतिराजाने कितने जिनमंदिर बनाये थे ? - 1 लाख 25,000
1355. संगम गोवाल को कब याद करने का ? - सुपात्र दान देते समय
1356. सम्प्रतिराजाने कितनी दानशाला खोली थी ? - 750
1357. समकित प्राप्तिके बाद मनुष्य गति के 14 भव किसने किये ?- महावीर स्वामी
1358. सरस्वती देवी की प्राचीन मूर्ति कौन से गाँव में हैं ? - अजारी तीर्थ
1359. समचतुरस्त्र संस्थान किसको होता है ? - तीर्थंकर
1360. समरवीर राजा किसके ससुर थे ? - महावीर स्वामी
1361. सनत्चक्री को वैराग्य कैसे हुआ ? - अशुचि भावना से

1362. सनत्कुमार कौन से नम्बर का देवलोक हैं ? - तीसरे
1363. सौधर्म कौन से नम्बर का देवलोक हैं ? - प्रथम
1364. सहस्त्रार कौन से नम्बर का देवलोक हैं ? - आठवे
1365. संध्या का रंग देखकर किसको वैराग्य हुआ था ? - हनुमान
1366. सिंह अणगार ने कौन से तीर्थंकर की सेवा कि थी ?- महावीर स्वामी
1367. ससुर के उपदेश में किसने दीक्षा ली थी ? - जमाली
1368. संस्कृत में प्रश्न चिंतामणी ग्रंथ की रचना किसने कि थी ? - वीरविजयजी
1369. संयम लेने के बाद हत्या का काम किसने किया ? - विनयरत्न मुनि
1370. सर्वतोभद्र प्रतिमा किसने धारण की थी ? - वीरकृष्णा आर्या
1371. संवत्सरी के दिन केवल ज्योत किसने प्रगट की ? - कुरगडु मुनि
1372. संवत्सरी के दिन स्वर्ग में कौन गया ? - श्रेयक
1373. संयमी बनकर वापीस संसारमें आकर नरक में कौन गये ? -कुंड़रिक मुनि
1374. सातसो साल तक सोलह रोग किसने सहन किये ? - सनतचक्री
1375. सिंहगुफावासी मुनिको सही मार्ग पर लानेवाला कोन ? - कोशा वेश्या
1376. सरस्वती-लक्ष्मी दोनो किसके पास थी ? - माघकवि
1377. समुद्रविजय कौन से तीर्थंकर के पिता थे ? - नेमिनाथ
1378. सातहजार जिन प्रतिमा किसने भराई थी ? - कुमारपाल
1379. सोम सौभाग्य काव्य की रचना किसने कि थी ? - सोमप्रतिष्ठगणि
1380. समकित प्राप्ति के बाद तेरह भव किस तीर्थंकरने किये थे ?- रिषभदेव
1381. सागरचंदो सूत्र कब बोला जाता हैं ? - पौषध पारते समय
1382. साठ योजन जितना शत्रुंजय कौन से आरे में था ? - तीसरे
1383. सुरजमंड़ण पार्श्वनाथ कौन से तीर्थ में बिराजमान हैं ? - सुरत

1384. सुलतान पार्श्वनाथ कौन से तीर्थ में बिराजमान हैं ? - सिद्धपुर
1385. स्फुर्लिंग पार्श्वनांथ कहाँ पर बिराजमान हैं ? - विजापुर
1386. सहस्रफणा पार्श्वनाथकी खड़ी प्रतिमा कहाँ पर बिराजमान हैं ? - सुरत
1387. सियाणी तीर्थमें कौन से मूलनायक हैं ? - शांतिनाथ
1388. सत्तरभेदी पूजा की रचना किसने की थी ? - सकलचंद्र उपा.
1389. साकरचंद प्रेमचंद के टूंकमें आरस के प्रतिमाजी कितने ? - 67
1390. सिद्धहेम व्याकरण की रचना किसने कि थी ? - हेमचन्द्राचार्य
1391. स्नात्रपूजा की रचना किसने की थी ? - वीरविजयजी
1392. संग्राम सोनी कौन से गाँव के थे ? - लोलाडा
1393. संतिकरं स्तोत्र के कर्ता कौन ? - मुनिसुंदर सूरि
1394. समकित के कितने बोल हैं ? - 67
1395. स्थापनाचार्य पडिलेहण के कितने बोल हैं ? - तेरह
1396. समेतशिखरकी धवलटुंकमें कौन से तीर्थंकर मोक्ष में गये ? - संभवनाथ
1397. सुविधीनाथ भगवान कौन से तीर्थ पर मोक्ष में गये ? - समेतशिखर
1398. सहसा संघवीने कौनसे तीर्थ पर जिनमंदिर बनवाया था ? - अचलगढ
1399. समराशाह ओसवालने शत्रुंजय का कौन सा उद्धार किया ? - पन्द्रहवां
1400. संघवी देसल ने पाटण से कौन से तीर्थ का संघ निकाला ?- शत्रुंजय
1401. सात उपवास कौन से तप में आते हैं ? - क्षीर समुद्र
1402. सामायिक कितने मिनिट की होती है ? - 48
1403. सुंदरी सती का आत्मा कहाँ से आया था ? - सर्वार्थसिद्ध विमान
1404. सीता सती कौनसे तीर्थंकर के शासन में हुयी थी ? - मुनिसुव्रत स्वामी
1405. सुभद्रा सती कौन से तीर्थंकर के शासन में हुयी थी ? - महावीर स्वामी

1406. सुलसा को देव गुटिका में से कितने संतान हुए थे ? - बत्तीस
1407. सोमसौभाग्य काव्यकी टीका किसने बनायी थी ? - पं. रत्नज्योत विजय
1408. संभवनाथ परमात्मा का 100 साल प्राचीन जिनालय कहाँ पर हैं ? -पूरण गाँव
1409. समवसरण में कुल कितनी सीड़ी होती हैं ? - बीस हजार
1410. 'सिद्धस्तव' कौन से सूत्र का नाम हैं ? - सिद्धाणं-बुद्धाणं
1411. सांवत्सरिक दैान कौन देते हैं ? - तीर्थंकर
1412. स्वयं बोध कौन प्राप्त करते हैं ? - तीर्थंकर
1413. सफेद वर्ण कौन से पद का हैं ? - अरिहंत
1414. सीमंधर स्वामी अभी कौन से क्षेत्र में हैं ? - महाविदेह
1415. सीमंधर स्वामी के पास कितने साधु भगवंत हैं ? - सो करोड़
1416. सो करोड़ साध्वीजी भगवंत कौन से भगवंत के हैं ? - सीमंधर स्वामी
1417. समवसरण की रचना कौन से देवता करते हैं ? - व्यंतर देव
1418. सिद्धशीला की लम्बाई कितनी ? - 45 लाख योजन
1419. सिद्धशीला के बीच की जाडाई कितनी ? - 8 योजन
1420. संग्राम सोनीने कौन से आगम की पूजा की थी ? - भगवती सूत्र
1421. समवसरण के गढ की दिवार कितनी उंची होती हैं ? - 500 धनुष
1422. सिंह का रुप धारण करके अपनी बहन को किसने बताया ?-स्थूलभद्र
1423. स्थूलभद्र का नाम कितनी चोवीशी तक अमर रहेगा ? - चोराशी
1424. साप डंश के द्वारा कौन सा राजा कुबड़ा हुआ ? - नलराजा
1425. सुपार्श्व श्रावक कौन सी चौवीशी में तीर्थंकर बनेंगे ? - आगामी
1426. साप के उपर कौन से तीर्थंकर ने करुणा बरसायी थी ? - महावीर स्वामी

1427. साप का रुप बनाकर देव कौन से तीर्थंकर को डराने गये थे ?
- महावीर स्वामी

1428. साप का लांछन कौन से तीर्थंकर का हैं ? - पार्श्वनाथ

1429. साप के द्रष्टिविष से कौन से चक्रीके पुत्रोका मृत्यु हुआ ? - सगरचक्री

1430. सेचनक हाथी किसके पास था ? - श्रेणिक राजा

1431. सिंह का अवतार(भव) किस तीर्थंकर ने प्राप्त किया था ?
- महावीर स्वामी

1432. सिंह केसरीया लड्डु मुनि भगवंत को किसने वहोराया था ? - मम्मण शेठ

1433. सोमिल ससरे ने मोक्ष की पगड़ी किसको बंधायी थी ? - गजसुकुमाल

1434. समुद्घात कितने प्रकार के बताये हैं ? - सात

1435. सौरीपुर तीर्थ में कौन से भगवान हैं ? - नेमिनाथ

1436. सांवत्थी तीर्थ में कौन से भगवानका कल्याणक हुआ था ? - संभवनाथ

1437. संज्ञा कितने प्रकार की बतलायी हैं ? - चार

1438. संस्थान कितने प्रकार के बतायें हैं ? - छ

1439. संघयण कितने प्रकार के बताये हैं ? - छ

1440. संघयण का क्या मतलब ? - हाडके की रचना

1441. संस्थान का क्या मतलब ? - शरीर का आकार

1442. सात नरक के कुल नरकावास कितने ? - 84 लाख

1443. स्त्री मरकर कितनी नरक तक जा सकती हैं ? - छट्ठी

1444. समवसरण में कौन से गति के जीव नहि आते हैं ? - नरक गति

1445. सिंहपुरी तीर्थ में कौन से भगवान हैं ? - श्रेयांसनाथ

1446. सूक्ष्म वनस्पतिकाय के कितने भेद हैं ? - दो

1447. सूक्ष्मजीवो का आयुष्य कितना होता है ? - अंतर्महुर्त

1448. साधार्मिक भक्ति में 14 करोड कौन से राजा ने खर्चे ? - कुमारपाल

1449. स्थावर काय के कितने भेद हैं ? - पांच

1450. सिद्धर्षिगणी की जन्मभूमि कौन सी ? - भीनमाल

## ह

1451. हरिभद्रसूरिजी के गुरु का क्या नाम था ? - जिनभद्र सूरि

1452. हरिणैगमेषी देव देवलोक में से आकर क्या बने ? - देवर्द्धिगणी

1453. हजार योजन लम्बे मच्छ कौन से समुद्र में होते हैं ? - स्वयं भूरमण

1454. हाथी के उपर बैठे बैठे मोक्ष किसने प्राप्त किया ? - मरुदेवा माता

1455. हेमचन्द्रसूरिजी का जन्म कब हुआ था ? - कारतक सुद् पूर्णिमा

1456. हरिणैगमेषी देवने कौन से तीर्थंकर के गर्भ का हरण किया था ? - महावीर स्वामी

1457. हस्तिपाल राजा की सभा में किसने देशना दी थी ? - महावीर स्वामी

1458. हरणी के बच्चे को फाड़कर नरकायुष्य किसने बांधा था ? - श्रेणिक राजा

1459. हीरा-माणेक से युक्त बैल किसके पास थे ? - मम्मण शेठ

1460. हार और हाथी के लिये किसने लडाई की थी ? - कोणिक-हल्लविहल्ल

1461. हेमचन्द्राचार्यने अपने भवका निर्माण किसके आगे किया था ? - कुमारपाल

1462. हेमचन्द्राचार्य ने कितने श्लोको की रचना की थी - साढे तीन करोड़

1463. हस्तोत्तरा नक्षत्र में कौन से तीर्थंकर का च्यवन हुआ था ? - महावीर स्वामी

1464. हेमचन्द्राचार्य का मुनिपणा में क्या नाम था ? - सोमचंद्र मुनि

1465. हरिकेशी मुनि का अपमान कौन सी राजपुत्री ने किया था ? - भद्रा

1466. हाथी के लिये लड़ते हुए दोनो भाई को कौन सी माता ने दूर किया ?
- मयणरेहा

1467. हीरसूरिश्वरजी महावीर स्वामी को कौन सी पाटपर हुए थे ? - अट्ठावनवी

1468. हेमविमल सूरी महावीर स्वामी की कौन सी पाट पर हुए ? - 55

1469. हुंडक संस्थान कौन से मनुष्य को होता हैं ? - संमूर्छिम

1470. ह्री कार पार्श्वनाथ प्राचीन कहाँ पर बिराजमान हैं ? - अहमदाबाद

1471. हठीभाई की वाडी का भव्य जिनालय कहाँ पर हैं ? - अहमदाबाद

1472. हरकोर शेठाणी जिनमंदिर जाते समय कितना दान देते थें ?
- सवाशेर सुवर्ण

1473. हरिभद्र सूरिजी कौन थे ? - राजपुरोहित

1474. हनुमान ने कौन से साधु के पास संयम ग्रहण किया था ? - धर्मरत्न

1475. हीरसूरिजीने कितने व्यक्ति के साथ संयम ग्रहण किया था ? - आठ

1476. हीरसूरिजी के उपदेश से कितने संघ निकले थे ? - 303

1477. हेमाभाई के टुंक में आरस के प्रतिमाजी कितने ? - 337

1478. हेमड़मंत्री के नाम से 3 साल तक दानशाला किसने खोली थी ?
- पेथड़मंत्री

1479. हीरसूरिजी प्रतिदिन कितने गाथा का स्वाध्याय करते थें ? - 2000

1480. हनुमानजी अभी कौन सी गति में हैं ? - मोक्ष

1481. हालरडा(वीरप्रभुके) की रचना किसने कि थी ? - दीप विजयजी

1482. हंस-परमहंस किसके शिष्य थे ? - हरिभद्र सूरि

1483. हस्तगिरि तीर्थ में मूलनायक कौन से हैं ? - आदिनाथ

1484. हाथी किसका जीव जो अरविंद मुनि को देखकर जाति स्मरण हुआ ?
- मरुभूति

1485. हाथी कौन से मुनि को देखकर बंधन मुक्त होकर वंदन करने लगा ?
- आर्द्रकुमार

1486. हाथी का स्वप्न श्रेणीकराजा की कौन सी राणी को आया था ? - धारिणी

1487. हल्ल-विहल्ल किसके पुत्र थे ? - श्रेणिक राजा

1488. हिमांशुसूरिजी ने अपने संयमजीवन काल में कितने उपवास किए थे ?
- 3000

1489. हिमांशुसूरिजीने अपने संयमजीवन काल में कितने आंबिल किए थे ?
- 11,500

1490. हाथी उपर बैठकर कौन से राजा वीरप्रभु को वंदन करने गये थे ?
- दशार्णभद्र

1491. हाथी जैसे बड़े प्राणी को कौन सा पक्षी उठा सकता हैं ?- भारंड पक्षी

1492. हाथी दांत के कितने रथ वस्तुपाल के संघ में थे ? - 24

1493. हाथी महाविदेह का कितना उंचा होता है ? - 500 धनुष्य

1494. हाथी उपर से नीचे उतकर कौन से राजाने ढंढण मुनि को वंदन किया था ? - कृष्णराजा

1495. हस्तीशीर्ष नगर का राजा कौन था ? - अदीनशत्रु

1496. हरिकांतेन्द्र-हरिसहेन्द्र कौन से भवनपति के ईन्द्र हैं ? - विद्युतकुमार

1497. हरिकेशी मुनि ने कौन सी भावना में प्रगति की थी ? - संवर

1498. हीर विजयजी के गुरु का क्या नाम था ? - दादा श्री जितविजयजी

1499. हाथी कुमारपाल राजा के पास कितने थे ? - अग्यारा हजार

1500. हाथी के उपर बन्दर बैठा है ऐसा स्वप्न किसको आया था ?
- चन्द्रगुप्त मौर्य

## श्री आदिनाथ परमात्मा के ८४ गणधर के नाम

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | वृषभदेव | 22. | अचल | 43. | सत्यवान | 64. | विजयश्रुति |
| 2. | कुंभ | 23. | मेरु | 44. | विनीत | 65. | मित्रफल्गु |
| 3. | दृढरथ | 24. | भूति | 45. | संवर | 66. | महाबल |
| 4. | शत्रुदमन | 25. | सर्वसह | 46. | ऋषिगुप्त | 67. | सुविशाल |
| 5. | देवशर्मा | 26. | यज्ञ | 47. | ऋषिदत्त | 68. | वज्र |
| 6. | धनदेव | 27. | सर्वगुप्त | 48. | यज्ञदेव | 69. | वैर |
| 7. | नन्दर | 28. | सर्वप्रिय | 49. | यज्ञगुप्त | 70. | चंद्रचूड |
| 8. | सोमदत्त | 29. | सर्वदेव | 50. | यज्ञमित्र | 71. | मेघेश्वर |
| 9. | सुरदत्त | 30. | विजय | 51. | यज्ञदत्त | 72. | कच्छ |
| 10. | वायुशर्मा | 31. | विजयगुप्त | 52. | स्वयंभुव | 73. | महाकच्छ |
| 11. | सुबाहु | 32. | विजयमित्र | 53. | भागदत्त | 74. | सुकच्छ |
| 12. | देवाग्नि | 33. | विजयश्री | 54. | भागफल्गु | 75. | अतिबल |
| 13. | अग्निदेव | 34. | पराख्य | 55. | गुप्त | 76. | भद्रावली |
| 14. | अग्निभूत | 35. | अपराजित | 56. | गुप्तफल्गु | 77. | नमि |
| 15. | तेजस्वी | 36. | वसुमित्र | 57. | प्रजापति | 78. | विनमि |
| 16. | अग्निमित्र | 37. | वसुसेन | 58. | सत्ययश | 79. | भद्रबल |
| 17. | हलधर | 38. | साधुसेन | 59. | वरुण | 80. | नन्दी |
| 18. | महीधर | 39. | सत्यवेद | 60. | धनवाहिक | 81. | महानुभाव |
| 19. | माहेन्द्र | 40. | सत्यवेद | 61. | महेन्द्रदत्त | 82. | नन्दिमित्र |
| 20. | वसुदेव | 41. | सर्वगुप्त | 62. | तेजोराशि | 83. | कामदेव |
| 21. | वसुन्धर | 42. | मित्र | 63. | महारथ | 84. | अनुपम |

# श्री आदिनाथ परमात्मा के १०० पुत्रो के नाम

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | भरत | 26. | कलिंग | 51. | सुकांत | 76. | विश्व |
| 2. | बाहुबली | 27. | मागध | 52. | स्वयंभु | 77. | वराह |
| 3. | शंख | 28. | विदेह | 53. | भादगत्त | 78. | सुसेन |
| 4. | विश्वकर्मा | 29. | संगम | 54. | भागफल्गु | 79.. | सेनापति |
| 5. | विमल | 30. | दशार्ण | 55. | गुप्त | 80. | कपिल |
| 6. | सुलक्षण | 31. | गंभीर | 56. | गुप्तफल्गु | 81. | शैलविचारी |
| 7. | अमल | 32. | वसुवर्मा | 57. | मित्रफल्गु | 82. | अरिंजय |
| 8. | चित्रांग | 33. | सुवर्मा | 58. | प्रजापति | 83. | कुञ्जरबल |
| 9. | ख्यातकीर्ति | 34. | राष्ट्र | 59. | धर्मसेन | 84 | जयदेव |
| 10. | वरदत्त | 35. | सुराष्ट्र | 60. | आनंदन | 85. | नागदत्त |
| 11. | सागर | 36. | वृद्धिकर | 61. | नन्द | 86. | काश्यप |
| 12. | यशोधर | 37. | विविधकर | 62. | अपराजित | 87. | बल |
| 13. | अमर | 38. | सुयश | 63. | विश्वसेन | 88. | धीर |
| 14. | रथवर | 39. | यशकिर्ती | 64. | आनन्द | 89. | शुभमती |
| 15. | कामदेव | 40. | यशस्कर | 65. | हरिषेण | 90. | सुमति |
| 16. | ध्रुव | 41. | किर्तीकर | 66. | जय | 91. | पद्मनाभ |
| 17. | वत्स | 42. | सुषेण | 67. | विजय | 92. | सिंह |
| 18. | नंद | 43. | ब्रह्मसेन | 68. | विजयंत | 93. | सुजाति |
| 19. | सूर | 44. | विक्रान्त | 69. | प्रभाकर | 94. | संजय |
| 20. | सुनन्द | 45. | नरोत्तम | 70. | अरिदमन | 95. | सुनाभ |
| 21. | कुरु | 46. | पुरुषोत्तम | 71. | मान | 96. | नरदेव |
| 22. | अंग | 47. | चन्द्रसेन | 72. | महाबाहु | 97. | चित्तहर |
| 23. | वंग | 48. | महासेन | 73. | दीर्घबाहु | 98. | सुरवर |
| 24. | कोशल | 49. | नभसेन | 74. | मेघ | 99. | दृढरथ |
| 25. | वीर | 50. | भानु | 75. | सुघोष | 100. | प्रभंजन |

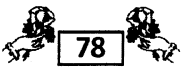

# पुरुषो की ७२ कला के नाम

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | लेखन | 26. | अंजन | 51. | चित्रकला |
| 2. | गणित | 27. | स्वप्नशास्त्र | 52. | गाम बसाना |
| 3. | रुप बदलना | 28. | इन्द्रजाल | 53. | मल्लयुद्ध |
| 4. | नृत्य | 29. | खेतीवाडी | 54. | स्थयुद्ध |
| 5. | संगीत | 30. | वस्त्रविधी | 55. | गरुडयुद्ध |
| 6. | ताल | 31. | जुगार | 56. | द्रष्टियुद्ध |
| 7. | वाजिंत्र | 32. | व्यापार | 57. | वाग्युद्ध |
| 8. | बंसरी | 33. | राजसेवा | 58. | मुष्टियुद्ध |
| 9. | नरलक्षण | 34. | शकुन विचार | 59. | बाहुयुद्ध |
| 10. | नारीलक्षण | 35. | वायु स्तंभन | 60. | दंडयुद्ध |
| 11. | गजलक्षण | 36. | अग्नि स्तंभन | 61. | शस्त्रयुद्ध |
| 12. | अश्वलक्षण | 37. | मेघवृष्टि | 62. | सर्पमोहन |
| 13. | दंडलक्षण | 38. | विलेपन | 63. | व्यंतरमर्दन |
| 14. | रत्नपरिक्षा | 39. | मर्दन | 64. | मंत्र विधि |
| 15. | धातुर्वाद | 40. | उर्ध्वगमन | 65. | तंत्र विधि |
| 16. | मंत्रवाद | 41. | सुवर्ण सिद्धि | 66. | यंत्र विधि |
| 17. | कवित्व | 42. | रुपसिद्धि | 67. | रोप्यपाक विधि |
| 18. | तर्कशास्त्र | 43. | घटबंधन | 68. | सुवर्णपाक विधि |
| 19. | नीतिशास्त्र | 44. | पत्रछेदन | 69. | बंधन |
| 20. | धर्मशास्त्र | 45. | मर्मछेदन | 70. | मारन |
| 21. | ज्योतिषशास्त्र | 46. | लोकाचार | 71. | स्थभंन विधि |
| 22. | वैदकशास्त्र | 47. | लोकरंजन | 72. | सजीवन चेतना विधि |
| 23. | षट्भाषा | 48. | फळ आकर्षण | | |
| 24. | योगाभ्यास | 49. | अफलाकन | | |
| 25. | रसायन | 50. | धारबंधन | | |

# स्त्रीओंकी ६४ कला के नाम

| | | |
|---|---|---|
| 1. नृत्य | 23. सुवर्णबुद्धि | 45. मुखमंडन |
| 2. चित्र | 24. सुगंधी तेल | 46. कथाकथन |
| 3. औचित्य | 25. माया रचना | 47. फुलमाला गुंथन |
| 4. वादित्र | 26. हाथीघोडाकी परीक्षा | 48. शणगार |
| 5. मंत्र | 27. स्त्री पुरुषके लक्षण | 49. सर्वभाषा ज्ञान |
| 6. जंत्र | 28. कामक्रिया | 50. अभिधान ज्ञान |
| 7. ज्ञान | 29. लिपी छेदन | 51. आभरण विधि |
| 8. विज्ञान | 30. तात्काल बुद्धि | 52. भृत्यउपचार |
| 9. दंभ | 31. वस्तुसिद्धि | 53. गृहाचार |
| 10. जलस्तंभन | 32. वैदकक्रिया | 54. संचय करण |
| 11. गीतगान | 33. सुवर्णरत्न सिद्धि | 55. निराकरण |
| 12. ताल मान | 34. कुंभभ्रम | 56. धान्य रांधण |
| 13. मेघवृष्टि | 35. सारीश्रम | 57. केश गुंथन |
| 14. फलाकृष्टि | 36. अंजनयोग | 58. वीणावादन |
| 15. आकारगोपन | 37. चूर्णयोग | 59. वितण्डावाद |
| 16. धर्मविचार | 38. हस्तपटुता | 60. अंक विचार |
| 17. धर्मनिती | 39. वचनपटुता | 61. सत्य साधन |
| 18. शकुनविचार | 40. भोजनविधि | 62. लोकव्यवहार |
| 19. क्रियाकल्प | 41. वाणिज्यविधि | 63. अत्यांक्षरी काद्रम |
| 20. आरामरोपण | 42. काव्यशक्ति | 64. प्रश्न प्रहेलिका |
| 21. संस्कृत जल्प | 43. व्याकरण | |
| 22. प्रसादनीति | 44. शालीखंडन | |

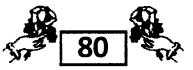

# महावीर स्वामी की पाट परंपरा

| | | |
|---|---|---|
| 1. सुधर्मा स्वामीजी | 27. मानदेव सूरिजी | 53. लक्ष्मीसागर सूरिजी |
| 2. जंबुस्वामी | 28. विबुधप्रभ सूरिजी | 54. सुमतिसागर सूरिजी |
| 3. प्रभवस्वामी | 29. जयानंद सूरिजी | 55. हेमविमल सूरिजी |
| 4. शय्यंभव सूरिजी | 30. रविप्रभ सूरिजी | 56. आनंदविमल सूरिजी |
| 5. यशोभद्र सूरिजी | 31. यशोदेव सूरिजी | 57. विजयदान सूरिजी |
| 6. भद्रबाहुस्वामी | 32. प्रद्युम्न सूरिजी | 58. हीरविजय सूरिजी |
| 7. स्थूलभद्र सूरिजी | 33. मानदेव सूरिजी | 59. विजयसेन सूरिजी |
| 8. आर्य महागिरीजी | 34. विमलचंद्र सूरिजी | 60. विजयदेव सूरिजी |
| 9. सुस्थित सूरिजी | 35. उद्योतन सूरिजी | 61. विजयसिंह सूरिजी |
| 10. इन्द्रदिन्न सूरिजी | 36. सर्वदेव सूरिजी | 62. पं. सत्यविजयजी |
| 11. दिन्न सूरिजी | 37. देव सूरिजी | 63. पं. कर्पूर विजयजी |
| 12. सिंहगिरि सूरिजी | 38. सर्वदेव सूरिजी | 64. पं. क्षमाविजयजी |
| 13. वज्रस्वामी | 39. यशोभद्र सूरिजी | 65. पं. जिनविजयजी |
| 14. वज्रसेन सूरिजी | 40. मुनिचंद्र सूरिजी | 66. पं. उत्तम विजयजी |
| 15. चन्द्र सूरिजी | 41. अजितदेव सूरिजी | 67. पं. पद्मविजयजी |
| 16. सामंतभद्र सूरिजी | 42. विजयसिंह सूरिजी | 68. पं. रुप विजयजी |
| 17. वृद्धदेव सूरिजी | 43. सोमप्रभ सूरिजी | 69. पं. कीर्ती विजयजी |
| 18. प्रद्योतन सूरिजी | 44. जगत्चंद्र सूरिजी | 70. पं. कस्तूर विजयजी |
| 19. मानदेव सूरिजी | 45. देवेन्द्र सूरिजी | 71. पं. मणिविजयजी |
| 20. मानतुंग सूरिजी | 46. धर्मघोष सूरिजी | 72. मनि पद्मविजयजी |
| 21. वीर सूरिजी | 47. सोमप्रभ सूरिजी | 73. दादा श्री जीत विजयजी |
| 22. जयदेव सूरिजी | 48. सोमतिलक सूरिजी | 74. मुनि श्री हीर विजयजी |
| 23. देवानंद सूरिजी | 49. देवसुंदर सूरिजी | 75. पं. तिलकविजयजी |
| 24. विक्रम सूरिजी | 50. सोमसुंदर सूरिजी | 76. आ. रत्नशेखर सूरिजी |
| 25. नरसिंह सूरिजी | 51. मुनिसुंदर सूरिजी | 77. आ. रत्नाकर सूरिजी |
| 26. समुद्र सूरिजी | 52. रत्नशेखर सूरिजी | |

## वि.सं. १३२० के आसपास पेथड़ मंत्री द्वारा बनाये हुए जिनमंदिर

### प्रतिष्ठा कारक - आचार्यदेव श्री सोमप्रभ सूरिश्वरजी म.सा.

| नं. | गांव का नाम | मूलनायक | नं. | गांव का नाम | मूलनायक |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | मांडवगढ | आदिनाथ | 21. | चिखली | पार्श्वनाथ |
| 2. | निम्बस्थूर नगर | नेमिनाथ | 22. | जयसिंहपुर | महावीर स्वामी |
| 3. | उज्जैन | पार्श्वनाथ | 23. | सिंहानक | नेमिनाथ |
| 4. | निम्बस्थूरतलेटी | नेमिनाथ | 24. | शंखलपुर | पार्श्वनाथ |
| 5. | विक्रमपुर | नेमिनाथ | 25. | इन्द्रौर | पार्श्वनाथ |
| 6. | मुकुटिकापुरी | पार्श्वनाथ | 25. | ताल्हणपुर | शांतिपुर |
| 7. | विघ्नपुर | मल्लीनाथ | 27. | हस्तिनापुर | अरनाथ |
| 8. | आशापुर | पार्श्वनाथ | 28. | करहेड़ा तीर्थ | पार्श्वनाथ |
| 9. | घोषकीनगर | आदिनाथ | 29. | नलपुर | नेमिनाथ |
| 10. | आर्यापुर | शांतिनाथ | 30. | नलदुर्ग | नेमिनाथ |
| 11. | धारानगर | नेमिनाथ | 31. | बिहारमां | महावीर स्वामी |
| 12. | आशापुर | पार्श्वनाथ | 32. | बंबकणीपुर | महावीर स्वामी |
| 13. | चंडाउली | आदिनाथ | 33. | खंडोला | कुंथुनाथ |
| 14. | जीरापुर | आदिनाथ | 34. | चित्तोडगढ | रिषभदेव |
| 15. | जलगांव | पार्श्वनाथ | 35. | पानविहार | आदिनाथ |
| 16. | दाहोद | पार्श्वनाथ | 36. | चन्द्रानक | पार्श्वनाथ |
| 17. | हांसलपुर | महावीर स्वामी | 37. | बंकीमा | आदिनाथ |
| 18. | मंधाता पहाड़ | | 38. | नीलकपुर | अजीतनाथ |
| | तलेटी | अजितनाथ | 39. | नागोर | आदिनाथ |
| 19. | धनमातृका | महावीर स्वामी | 40. | मध्यकपुर | पार्श्वनाथ |
| 20. | मंगलपुर | अभिनंदन स्वामी | 41. | डभोई | चंद्राप्रभस्वामी |

| नं. | गांव का नाम | मूलनायक | नं. | गांव का नाम | मूलनायक |
|---|---|---|---|---|---|
| 42. | नागदा | नेमिनाथ | 59. | देवपाल पुर | महावीर स्वामी |
| 43. | धोलका | मल्लीनाथ | 60. | दौलताबाद | महावीर स्वामी |
| 44. | जूनागढ | मल्लीनाथ | 61. | चारुपतीर्थ | शांतिनाथ |
| 45. | सोमनाथ | पार्श्वनाथ | 62. | द्रौणात | नेमिनाथ |
| 46. | शंखपुर | मुनिसुव्रत स्वामी | 63. | रतलाम | नेमिनाथ |
| 47. | सौवर्तक | महावीर स्वामी | 64. | अर्बुदपुर | अजितनाथ |
| 48. | वंथली | नेमिनाथ | 65. | कोराट | मल्लीनाथ |
| 49. | नासिक | चंद्रप्रभ स्वामी | 66. | समन्त देश | पार्श्वनाथ |
| 50. | सोपार | पार्श्वनाथ | 67. | पाटण | पार्श्वनाथ |
| 51. | अरुणनगर | पार्श्वनाथ | 68. | शत्रुंजय तीर्थ | शांतिनाथ |
| 52. | उरंगल | पार्श्वनाथ | 69. | तारापुर | आदिनाथ |
| 53. | पेठण | पार्श्वनाथ | 70. | वर्धमानपुर | मुनिसुव्रत स्वामी |
| 54. | सेतुबंध | नेमिनाथ | 71. | वटप्रद | आदिनाथ |
| 55. | वटप्रद | महावीर स्वामी | 72. | घोघा | आदिनाथ |
| 56. | उक्कुदेश | महावीर स्वामी | 73. | पिच्छन | चन्द्रप्रभ स्वामी |
| 57. | ठक्कुदेश | महावीर स्वामी | 74. | अेलचीपुर | आदिनाथ |
| 58. | जालंधर | महावीर स्वामी | | | |

(पृथ्वीधर साधु प्रतिष्ठित जिन स्तोत्र)

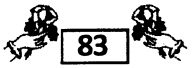

## वैमानिक देव के १० ईन्द्रो का स्वरुप

| नं. | इन्द्र के नाम | सेनापति | घंटा के नाम | कौन से विमान से आते | कौन सी दिशा से आते |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | सौधर्म | नैगमेषी | सुघोषा | पालक | उत्तर |
| 2. | ईशान | लघुपराक्रम | महाघोष | पुष्पक | दक्षिण |
| 3. | सनत्कुमार | नैगमेषी | सुघोषा | सुमन | उत्तर |
| 4. | माहेन्द्र | लघुपराक्रम | महाघोष | श्रीवत्स | दक्षिण |
| 5. | ब्रह्म | नैगमेषी | सुघोषा | नंदावर्त | उत्तर |
| 6. | लान्तक | लघुपराक्रम | महाघोष | कामगव | दक्षिण |
| 7. | महाशुक्र | नैगमेषी | सुघोषा | प्रीतिगम | उत्तर |
| 8. | सहस्रार | लघुपराक्रम | महाघोष | मनोरम | दक्षिण |
| 9. | प्राणत | नैगमेषी | सुघोषा | विमल | उत्तर |
| 10. | अच्युत | नैगमेषी | महाघोषा | सर्वतोभद्र | दक्षिण |

## भवपति देव के २० ईन्द्रो का स्वरुप

| नं. | देवो के नाम | दक्षिणश्रेणी के ईन्द्र | घंटा के नाम | उत्तर श्रेणी के ईन्द्र | घंटा के नाम |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | असुरकुमार | चमरेन्द्र | ओघस्वरा | बलीन्द | महौंधस्वरा |
| 2. | नागकुमार | धरणेन्द्र | मेघस्वरा | भूतानंदेन्द्र | मेघस्वरा |
| 3. | सुवर्णकुमार | वेणुदेवेन्द्र | हंसस्वरा | वेणुंदालीन्द्र | हंसस्वरा |
| 4. | विद्युत्कुमार | हरिकांतेन्द्र | क्रौंचस्वरा | हरिसहेन्द्र | क्रौंचस्वरा |
| 5. | अग्निकुमार | अग्निसिंहेन्द्र | मंजुस्वरा | अग्निमाणवेन्द्र | मंजुस्वरा |
| 6. | द्वीपकुमार | पूर्णेन्द्र | मधुस्वरा | वशिष्ठेन्द्र | मधुस्वरा |
| 7. | उदधिकुमार | जलकांतेन्द्र | सुस्वरा | जलप्रभेन्द्र | सुस्वरा |
| 8. | दिग्कुमार | अमितेन्द्र | मंजुघोषा | अमितवाहनेन्द्र | मंजुघोषा |
| 9. | वायुकुमार | वेलंबेन्द्र | नंदिस्वरा | प्रभंजनेन्द्र | नंदिस्वरा |
| 10. | स्तनितकुमार | घोषेन्द्र | नंदिघोषा | महाघोषेन्द्र | नंदिघोषा |

## सात कुलकर का स्वरुप

| नं. | नाम | वर्ण | पत्नी का नाम | पत्नी का वर्ण | दोनों की उंचाई | आयुष्य |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | विमलवाहन | सुवर्ण | चंद्रयशा | नील | 900 धनुष् | पल्योपमं का 10 वा भाग |
| 2. | चक्षुष्मान | नील | चन्द्रकान्ता | नील | 800 धनुष् | असंख्यात् पूर्व |
| 3. | यशस्वी | नील | सुरुपा | नील | 700 धनुष् | असंख्यात् पूर्व |
| 4. | अभिचंद्र | गौर | प्रतिरुपा | नील | 650 धनुष् | असंख्यात् पूर्व |
| 5. | प्रसेनजीत | नील | चक्षुकांता | नील | 600 धनुष् | असंख्यात् पूर्व |
| 6. | मरुदेव | सुवर्ण | श्रीकांता | नील | 550 धनुष् | असंख्यात् पूर्व |
| 7. | नाभि | सुवर्ण | मरुदेवा | नील | 523 धनुष् | संख्यात् पूर्व |

| नं. | दंडनीती | कुलकर की गति | पत्नी की गति |
|---|---|---|---|
| 1. | हकार | सुवर्णकुमार | नागकुमार |
| 2. | हकार | सुवर्णकुमार | नागकुमार |
| 3. | हकार-मकार | उदधिकुमार | नागकुमार |
| 4. | हकार-मकार | उदधिकुमार | नागकुमार |
| 5. | हकार-मकार-धिकार | द्विपकुमार | नागकुमार |
| 6. | हकार-मकार-धिकार | द्विपकुमार | नागकुमार |
| 7. | हकार-मकार-धिकार | द्विपकुमार | मोक्षे |

# सोलसती की विगत

| नं. | सती का नाम | माता | पिता | जन्म नगरी | अभी कहाँ | कौन से तीर्थंकर के शासन में हुए |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | ब्राह्मी सुंदरी | सुमंगला-सुनंदा | रिषभदेव | अयोध्या | मोक्षे | रिषभदेव |
| 2. | चंदनबाला | पद्मावती | दधिवाहन | चंपापुरी | मोक्षे | महावीर स्वामी |
| 3. | राजीमती | धारिणी | अग्रेसन | मथुरा | मोक्षे | नेमिनाथ |
| 4. | द्रौपदी | चुलणी | द्रुपदराजा | कांपिल्यपुर | पांचमा देवलोके | नेमिनाथ |
| 5. | कौशल्या | अमृतप्रभा | सुकोशल | दर्भस्थल | मोक्षे | मुनिसुव्रत स्वामी |
| 6. | मृगावती | पृथा | चेटकराजा | वैशाली | मोक्षे | महावीर स्वामी |
| 7. | सुलसा | - | - | - | देवलोक | महावीर स्वामी |
| 8. | सीता | विदेहा | जनकराजा | मिथिला | 12वां देवलोके | मुनिसुव्रत स्वामी |
| 9. | सुभद्रा | तत्त्वमालिनी | जिनदास | वसंतपुर | मोक्षे | महावीर स्वामी |
| 10. | शीवा | पृथा | चेटकराजा | वैशाली | मोक्षे | महावीर स्वामी |
| 11. | कुन्ता | सुभद्रा | अंधकविष्णु | शौर्यपुर | पांचवा देवलोके | - |
| 12. | शीलवती | | जिनदत्त शेठ | मंगलपुरी | पांचवा देवलोके | - |
| 13. | दमयंति | पुष्पवंती | भीमराजा | कुण्डलपुर | देवलोके | धर्मनाथ |
| 14. | पुष्पचूला | पुष्पावती | पुष्पकेतु | पुष्पभद्रा | मोक्षे | महावीर स्वामी |
| 15. | प्रभावती | पृथा | चेटकराजा | वीतभय | देवलोके | महावीर स्वामी |
| 16. | पद्मावती | पृथा | चेटकराजा | चम्पा | मोक्षे | महावीर स्वामी |

# वक्ता को पहचानो !

1. मुझे केवलज्ञान हो गया फिरभी इन्द्र ने जब तक मुझको वंदन नहि किया, तब तक मैंने साधु वेष नहि स्विकारा !
2. जबतक मुझे केवलज्ञान न हो तब तक मैं यहां ही खड़ा कहूंगा !
3. मैंने भरत महाराजा का नाटक किया ! नाटक में मैंने इतना जीवंत अभिनय किया की वास्तव में केवलज्ञानी बन गया । नाटक करो तो एसा करो !
4. सिर्फ दो वाक्य की सहायता से मैंने केवलज्ञान प्राप्त कर लिया मेरे जैसा उदाहरण आपको शायद ही मिलेगा !
5. मैं कितना भाग्यशाली हूँ की मुझे मोक्ष की पघड़ी वाले ससुर जी मिले !
6. अगर सच कहूंगा तो शायद क्रौंच पक्षी की हत्या होगी ! तौ मौंन रहना श्रेष्ठ !
7. प्रभु ने कहा था वत्स ! तेरा पारणा तेरी माता द्वारा होगा, लेकिन भद्रा माता के घर से तो मैं बिना कुछ लिये ही लौटा !
8. तेरा भाई तो कायर है... छोडना ही है तो एक एक क्या छोडना ? संपूर्ण छोड देना चाहिए ! मेरे इतने से वाक्यं से मेरी पत्नीने एसा टोन्ट लगाया कि मैं दिक्षीत बन गया !
9. अच्छा ! तो मुझे धर्मलाभ नहि... धनलाभ चाहिये क्या ? इतना कह कर मैं ने एक तिनका खींचा... सुवर्ण मुद्रा की वृष्टि हुयी !
10. क्या आपने कभी सांप, शेर और वाघ आदि को काउसग्ग करते देखा ? जी हां... मेरे सान्निध्य में आकर वो भी ध्यान मग्न बने !
11. मेरे तप, के प्रभाव से नदी झूक गई, उसने अपना प्रवाह बदल दिया, लेकिन नारी के सामने मैं खुद ही झूक गया !
12. हे श्रेणिक ! तुं खूद ही अनाथ है तो मुझे सनाथ कैसे करेगा ?

13. प्रभु की मूर्ति को देखकर मुझे जातिस्मरण ज्ञान हुआ और मैं मुनि बना ?
14. श्रीकृष्ण को वंदन करते देखकर मुझे एक शेठने लड्डु वहोराये !
15. बहन महाराज यक्षा साध्वीजी की प्रेरणा से मैने उपवास किया और वही मेरी जिंदगी का अन्तिम दिन हो गया !
16. हाय ! हाय ! तीन दिन में मैं एक हजार साल का संयम पर्याय हार गया !
17. संवत्सरी महापर्व के दिन मुझे खाते खाते केवलज्ञान हो गया !
18. मन में मैदान में ही मैने युद्ध छोड़कर सातवी नरक तक का आयुष्य बांध डाला और कुछ क्षणो के बाद केवलज्ञान भी पा लिया ! मन की शक्ति देखनी हो तो मेरी देखो !
19. मैं तापस के वेष मे था तो भी मुझे केवलज्ञान हो गया !
20. एक में सुख ! अनेक में दुःख ! एसा विचार करते मैं अकेला ही चल पड़ा !
21. मूर्ख ! अंतपुर जला दिया क्या ? निकल जा मेरे घर में से ! पिताजी के ये वचन सुनते ही मैंने प्रभु के पास दीक्षा ले ली !
22. मुझे मार डालने के लिये मेरे पुत्र ने मुझे विषयुक्त दही पीला दिया !
23. जब तक दशवैकालिक सूत्र रहेगा तब तक मेरे नाम अमर रहेगा !
24. जिन शासन द्वेषी को शिक्षा करने के लिये मैंने एक लाख योजन लम्बा शरीर बनाया !
25. परमात्मा की आज्ञा नहि मानने पर भी मैं आराधक हुआ !
26. परमात्मा महावीर को खून के दस्चत लगने पर मैं फुट फुट रोने लगा !
27. परमात्मा महावीर की गौचरी लाने का लाभ मुझे मिलता था !
28. अरेरे ! मेरे लोभ का कोई थोभ था ? दो मासा सोने की याचना से मैं कितना आगे बढ गया, धिक्कार हैं मेरे मन को !

29. अष्टापद तीर्थ को उठाने वाले रावण को शिक्षा देने हेतु मैंने पांव का अंगूठा दबाया और वह खून की उल्टी करने लगा !
30. यदि द्रव्य रोग की बात करते हो तो वो रोग तो मैं मेरे थूंक से मिटा सकता हूं अगर भाव रोगो को मिटाओ तो मैं मानुं !
31. अरेरे ! इस सब्जी को धरती पर डालने से इतने जीवो का विनाश ! नहि... एसा मैं नहि होने दूंगा ! इससे बेहतर है कि मैं खुद ही इस सब्जी को मेरे उदर मे डाल दूं !
32. अरे ! यह वेश्या कितनी भाग्यशाली ! पांच पुरुष इसकी सेवा कर रहे हैं यदि मुझे भी एसा सौभाग्य मिल जाय तो कमाल होगा ! एसा विचार करके मैंने नियाणा बांधा !
33. अरे ! देखो तो सही जिस नटी के पीछे मैं पागल और राजा भी पागल हैं ! और सामने देखो तो मुनिराज कितने निर्दोष व निर्विकार है सामने खड़ी सौंदर्यपूर्ण युवती को देखते भी नहि है इतना विचार आते ही मेरी चेतना का उर्ध्वारोहण होने लगा !
34. अरे ! कोई मान सकता हैं कि गाय गर्भ-ब्राह्मण और स्त्री की हत्या करने वाला केवली बन सकता हैं मानो य न मानो मैं तो केवली बन गया !
35. मैं तो स्तुति रचने में इतना तल्लीन था कि एक घर में तीन बार वहोरने गया तो भी मुझे पता न चला !
36. जुआ खेलकर मध्यरात्रि को घर पर आया मगर मां ने घर खोला ही नहीं ? गुस्से में मैं उपाश्रय में जाकर दीक्षित बन गया !
37. जन्म से लेकर अंत तक मुझ पर दुःख के पहाड़ पडे लेकिन मैं तूटी नहिं ! अंत में दिव्य-परीक्षा के बाद मैं पति की मना होने पर भी दीक्षित बनी !
38. कोई भी बात या श्लोक ! चाहे जितना कठिन क्यों न हो लेकिन मैं एक बार पढते या सुनते ही कंठस्थ कर लेती थी !

39. कच्छ वागड़ देशोद्धारक पद्मविजयजी से मैंने कहा मेरे कोई शिष्य नहि है बिना शिष्य डेले की गद्दी खाली रहेगी आप कुछ करो ! तो उसने अपना शिष्य रत्नविजयजी मझे सोंप दिया !
40. मेरे बाद भरतक्षेत्र का कोई भी व्यक्ति मोक्ष में नहि गया !
41. मेरे आंबिल की तपश्चर्या के कारण पूरा वड़गच्छ तपागच्छ में परिवर्तित हो गया !
42. मेरे मुख से प्रशंसा करनी अच्छी नहिं ! फिर भी मुझे कहने दो के शास्त्रो में मेरी इतनी महिमा बतायी हैं कि एक तरफ दुनिया के सारे धर्म व एक तरफ मैं तो भी मेरा स्थान उंचा जायेगा ।
43. एक घोड़े को प्रतिबोध देने के लिये मैंने एक रात में 60 योजन का विहार किया !
44. शंका के विष से ग्रस्त मैंने सुशील कन्या को बिना अपराध छोड दिया बाईस साल तक विरह का दुःख मैंने लिया !
45. आबू के मंदिरो के साथ मुझ से मेरी पत्नी का नाम अधिक जुडा हुआ हैं !
46. मुनि भगवंत को मैंने इतने भाव से वहोराया कि उसी समय तीर्थंकर नाम कर्म का बंध हो गया !
47. प्रभुभक्ति को अखंड रखने हेतु मैंने मेरे शरीरकी नाड़ी काटकर वीणा में लगा दी थी !
48. आखिर मैने मेरे दिक्षीत बंधु से कहा अगर तुम्हे संसार में आना हो तो मेरे कपडे पहन लो ! मैं तुम्हारा साधु वेष पहन लूंगा और वे मान गये !
49. हे कृष्ण ! बल की परीक्षा करनी हो तो मल्ल युद्ध की क्या जरुरत है ! हाथ मोड़कर भी बल हम जान सकते हैं !
50. सारा गांव जल गया मगर मेरा घर नहि जला !

51. मेरे नाम श्रवण से छोटे जैन बच्चे से लेकर बुढे भी 'एटेन्सन' जैसी मुद्रा में स्थिर हो जाते हैं !
52. जहां असि-मसि-कृषि का व्यवहार वही हमारा स्थान हैं !
53. इस मुनिराज को मैं नहि, तुम्हारा डोया दान देता हैं !
54. मेरा आश्रय लेकर धर्म आराधना करोगे तो लक्ष्मणा साध्वीजी की तरह 80 चोवीशी तक संसार में भटकना पडेगा !
55. जहां पर मेरे तप का पारणा होता था वहां पर मेरे भक्त आकर जिन-मंदिर का निर्माण करते थे !
56. मेरे पिताजी धर्मिष्ठ थे मगर मैं अधर्मी पुत्र रुप से प्रसिद्ध हुआ !
57. मेरे पिताजी अधर्मी(पापी) थे और मैं धर्मिष्ठ पुत्र रुप से प्रसिद्ध हुआ !
58. श्रुतज्ञान के आधार से अक्षरशः सीमंधर स्वामी जैसा निगोद का वर्णन मैंने किया था !
59. मैं कुछ कम नहिं हूं श्री कृष्ण की नरक को मैंने कम किया ।
60. ओ वीर प्रभु ! मेरे घर से वहोरे बिना आप यदी वापीस चले गये तो मेरी दुर्भाग्य की सीमा का अंत नहि रहेगा !
61. मेरे शासन काल में मनुष्यों की, तीर्थंकरो की व केवली भगवंतो की आबादी बहोत थी !
62. एक लांख साल तक मासक्षमण की तपस्या के साथ साथ मैंने ऐसी भावना भी धरी थी जो होवे मुझ शक्ति एसी, सवि जीव करुं शासन रसी !
63. वैर का अनुबंध बहोत खतरनाक है यदि जानकारी प्राप्त करनी हो तो मेरा चरित्र पढो !
64. इस अवसर्पिणी में प्रथम वासुदेव मेरे शासनकाल में हुए !

65. वर्तमान अवसर्पिणी में शत्रुंजय गिरिराज का महिमा प्रथमबार मैंने बताया था !
66. शाश्वत गिरिराज का छरी पालित संघ प्रथमबार मैंने निकाला था !
67. गैरिक तापस से कदर्थना पाकर मैंने चारित्र का स्विकार किया !
68. शत्रुंजय गिरिराज की महिमा बताने वाला 'शत्रुंजय महात्म्य ग्रंथ' की रचना मैंने की थी मेरी मूर्ति भी इस तीर्थ पर हैं !
69. शत्रुंज्य तीर्थ की और चलनेवाला शत्रुंजय के ध्यान में मेरा मृत्यु मगरवाड़ा के पास हुआ और मैं शुभध्यान से मणिभद्र देव बना !
70. युद्ध में करोडो सैनिक का जनसंहार होने के बाद मैंने तापसी दीक्षा स्विकारी व सिद्धगिरि के उपर कारतक सुद पूर्णिमा के दिन 10 करोड मुनिवरो के साथ मेरा मोक्ष हुआ !
71. भाभा की प्रेरणा से सिंह के उपद्रव को दूर करके गिरिराज को दर्शन हेतु डंका बजाकर में शहीद हुआ !
72. भरतचक्री के युद्ध में टक्कर लेने वाले हम दोनों शाश्वत गिरिराज उपर दो करोड़ मुनिवरो के साथ सिद्ध हुए !
73. शत्रुंजय गिरिराज के उपर आदिनाथ दादा की प्रतिष्ठा मेरे हाथ से हुयी !
74. सिद्धराजा की सभा में दिगंबराचार्य कुमुदचंद्र को मैने जीता था !
75. मीलो की दूरी तक जिस मंदिर की ध्वजा दिखाई देती है वो मंदिर गिरिराज पर मेरा हैं !
76. साधर्मिक भक्ति की यशोगाथा गानेवाला मंदिर आज मेरे नाम से पुकारा जाता है !
77. दहेज के बजाय जिन मंदिर का निर्माण करना वो मेरी भावना गिरिराज की टुंक उपर परिपूर्ण हुयी !

78. लाखो रुपये खर्च करके गिरिराज के उपर विशाल जिनालय बनाया मगर दादा की प्रतिष्ठा का अवसर मेरे हाथ में न आया !
79. शत्रुंजय तीर्थ में भरत राजाने प्रथम उद्धार के समय प्रतिष्ठा अंजनशलाका मेरे हाथ से करवायी थी !
80. शत्रुंजय तीर्थ की रक्षा हेतु लवण समुद्र को भरतक्षेत्र में लाने वाला मैं था !
81. कादम्बरी ग्रंथ की रचना मैंने की थी !
82. मैं परमात्मा का गणधर हुं मेरे नाम से एक तीर्थ की स्थापना हुयी !
83. शाश्वत ऋषभकूट की कोटिशिला के उपर काकिणि रत्न द्वारा नाम लिखते लिखते मेरी आंख में से अनित्यता के आंसू आ गये !
84. मुंजराजा ने मेरे को कूर्चाल सरस्वती की पदवी दी थी !
85. मेरे पिता व मेरे लंछन का नाम एक हैं !
86. मेरे यहां पर तीन लोक में होने वाली सभी चीजे मीलती है !
87. महावीर के शासन के राजगृही नगरी का मैं भयंकर पशु घातक था !
88. मैं परमात्मा का अद्‌भूत स्वागत करता था मगर पिता का घातक था !
89. मैं महान् आचार्य होने पर भी बहन साध्वीजी की रक्षा हेतु गर्दभिल्ल राजा के साथ भयंकर युद्ध किया तो भी आराधक बना !
90. मैने भगवान महावीर के हाथो से दीक्षा ली थी और उपदेश माला ग्रंथ की रचना की !
91. भगवानने मुझे कहा तुम यहां सिद्धाचल पर ही ठहर जाओ मैं अंतिम सांस तक वहां पर ठहर गया !
92. मैं था तो अरिहंत फिर भी नेमिनाथजी के चित्रपट्ट को देखकर तुरंत संसार त्याग का निर्णय लिया निमित्त कितना काम करता हैं !

93. सबसे ज्यादा तप करने के बाद मैंने चारित्र स्विकार किया आज भी मेरा नाम कल्पसूत्रमें प्रतिवर्ष बोला जाता हैं !
94. जिस स्थान पर मैंने संयम ग्रहण किया था वो वृक्ष नवपल्लवित बन गया और खारा पानी मीठा बन गया !
95. मैं कितना पुण्यशाली दिक्षा के दिन ही मेरे को केवलज्ञान व मोक्ष प्राप्त हो गया !
96. मैं भयंकर क्रोधी साधु था तो भी मुझे केवलज्ञान हो गया !
97. गुरुदेव की एक टकोर होते हीं मैने महल को उपाश्रय बना दिया !
98. जहर निवारणार्थ उपयोग में ली हुयी वनस्पति के प्रायश्चित हेतु मैने जीवनभर छ विगई का त्याग कर दिया !
99. मैं वेश्या के घर रहते हुए भी प्रतिदिन 10 व्यक्ति को प्रतिबोध करके दीक्षा के लिये तैयार करता था !
100. मैं कितना घोघ पापी था जिसके कारण 500 साधुओ को घाणी मैं पीलने का कार्य मेरे को करना पड़ा मैं अभव्य था !
101. 'न तथा बाधते स्कन्धः यथा बाधति बाधते' इस वाक्य से मैं प्रतिबोधित हुआ !
102. पूर्वभव में प्रतिदिन 500 बार 'पुंडरिक-कुंडरिक' अध्ययन का पुनरावर्तन करने से इस भव में तीन साल की उम्र में 11 अंग का अभ्यासी बना !
103. मेरे पैसे से हेमड मंत्री के नाम से दानशाला खोलकर यशप्रदान कराकर देवगिरि में जिनालय बंधाने की अनुज्ञा प्राप्त की !
104. 'जहा लाहो तहा लोहो' इस वाक्य का विचार करते करते मुझे केवलज्ञान हो गया !
105. शिखरजी के मंदिर में जूते पहनकर प्रवेश करने वाले अंग्रेज अफसर के विरुद्ध मैंने कोर्ट में केस किया !

106. हरिभद्र सूरि की शास्त्र रचना में सहायक बनने के लिये मैंने उपाश्रय में रत्न जुडवाये थे !

107. मेरे ब्रह्मचर्य तप की प्रशंसा केवलज्ञानीओंने भी की थी !

108. साधर्मिक की शाल के बहुमान के लिये मैने 32 साल की उम्र में ब्रह्मचर्य व्रत का स्विकार किया था !

109. मेरा छ मास का घोर तप दिल्ली के अकबर बादशाह को प्रतिबोध करके लाखो जीव को बचाने में निमित्त भूत बना !

110. वेश्या के घर में चातुर्मास करके वेश्या को प्रतिबोध करके चोराशी चोवीशी तक मैंने नाम अमर किया !

111. काउसग्ग ध्यान में मैंने सत्तर भेदी पूजा की रचना की थी !

112. नवनिर्मित मंदिर की बधाई देने वाले को मैंने अच्छे ईनाम दिया मगर वही मंदिर तूट गया है ऐसे समाचार देनेवाले मैंने उससे भी दुगुना इनाम दिया !

113. मेरा अहंकार मुझे सन्मार्ग की और ले गया ! मेरा स्नेह गुरु भक्ति का कारण बना ! मेरा विषाद मुझे वितरागता की और ले गया शायद ही कोई मेरे जैसा भाग्यशाली होगा !

114. भगवान महावीर के गर्भ को हरण करने वाला मैं एक महान क्षमाश्रमण बनकर वल्लभीपुर में 500 आचार्य के समक्ष ग्रन्थ-आगम लेखन का कार्य परिपूर्ण हुआ !

115. धडूम... लोहे का एक गोला बराबर मेरे पास पड़ा और मेरा वैराग्य एकदम प्रज्वलित हो उठा !

116. मेरे दीक्षा पर्याय सिर्फ छ महिने का ही रहा ! लेकिन इतने समय में भी मेरे निमित्त ऐसे अद्‌भूत ग्रन्थ का निर्माण हुआ जो पांचवे आरे के अंत तक रहेगा !

117. मैंने मेघावी मुनि को भी संपूर्ण ज्ञान न देकर विश्व को एसा संदेश दिया की अयोग्य को ज्ञान देना इससे बहेतर है कि ज्ञान लुप्त हो जाय !
118. आन्ध्र और तमिल जैसे असंस्कारी प्रदेशो में मैंने अनेक जिनमंदिर बनवाये व साधु वेषधारी पुरुषो को भेजकर जैन धर्म का प्रचार किया !
119. एसा मत मानना कि बड़े आदमी भूल नहि करते हैं मैंने भी एसी गलती की जिसकी वजह से मैं संपूर्ण ज्ञान नहि पा सका !
120. मैंने जब देखा कि मेरे बंधु की आचार में शिथिल हो गये है तब मैंने उनके साथ मांड़ली व्यवहार स्थगित कर दिया !
121. जिसदिन हांडी चावल का एक लाख सुवर्ण मुद्रा दाम होगा ठीक उसके दूसरे ही दीन अकाल समाप्त हो जायेगा - एसा वचन मैंने उच्चारा !
122. ओह ! मैं कितना प्रमादी ? मुझे प्रतिबोध देने के लिए मेरी पालखी ख़ुद मेरे गुरुदेवने उठायी !
123. तक्षशीला नगर में उपद्रव को मिटाने के लिये मैंने जो सूत्र की रचना की वह आज भी प्रतिक्रमण में अमर हैं !
124. जिस श्लोक का अर्थ मैं नहि समझूंगा तो उस श्लोक का अर्थ समझाने वाला का मैं शिष्य बन जाउंगा !
125. मेरे गुरु ने मेरा रत्नकंबल छीन लीया तो मैंने गुस्से में आकर वस्त्र पहनना ही छोड दिया और मैं दिगंबर-मत प्रवर्तक बन गया !
126. मैंने इक्कीस बार बौद्धो की दिक्षा स्विकारी व छोड़ी वापिस संवेगी साधु बना !
127. मैने मेरे गुरु की याद में पादलिप्तनगर (पालीताणा) बसाया !
128. मैं था महाकीर्ति नामक दिगंबर साधु, लेकिन बहन के वचन से सत्य समझने पर मैंने श्वेताम्बरी दिक्षा स्विकारी ।
129. मैं एक दिन में 1000 श्लोक कंठस्थ कर लेता था !

130. मैंने शिलादित्य राजा की सभा में बौद्धो को परास्त कर के सिद्धाचल तीर्थ को बोद्धो के अधिपत्य से मुक्त करवाया !

131. मैं बड़ा था फिर भी मेरे हाथो से प्रतिष्ठा न करायी मुझ से छोटे मुनिचंद्रसूरि के हाथो से प्रतिष्ठा करवायी - तो मैं इतना नाराज हो गया कि मैंने कह दिया प्रतिष्ठा में साधु की कोई जरुरत नहि है और मैंने पूनमिया गच्छ चलाया !

132. धर्म और युद्ध एक साथ नहि चलते है लेकिन अत्यंत धार्मिक होने पर भी 100 साल तक लडते रहा एवं अंत में साधुदर्शन की झंखना करके उनके दर्शन पाकर प्राण छोड़ा !

133. बडी उम्र हो गई, अब क्या अभ्यास करे ! नहि एसामत सोचो मैंने 60 साल की उम्र में संस्कृत व्याकरण का अभ्यास किया था !

134. धर्म में अपनी धारणा से ज्यादा खर्च होने पर बेचेन बन जाते हैं ! जरा मेरी और देखो ! मैने पूरी जमीन पर स्पेश्यल बनाई हुई चोरस सुवर्ण मुद्रा बिछाकर परमात्मा कें जिनालय के लिये आबू पर जमीन खरीद की थी !

135. मैं उस धवलक्क के सुधन श्रावक को कैसे भूलू ? जिसने मुझे परिग्रह की आसक्ति से दूर हटाया था !

136. मैं तो संपूर्ण पौषधशाला सोने की बनाने के लिये तैयार था मगर चोरी के कारण चूने में केशर डालकर पौषधशाला बनवायी !

137. लड्डु को चूरते-चूरते मेरा कर्म का चूरा हो गया व मुझे केवलज्ञान मिल गया !

138. मैं क्या करुं ? अंतिम अवस्था में मैंने दवाई बंद की मगर श्राविकाओ ने अपने बच्चों को स्तन पान करवाना भी बंद कर दिया बच्चे रोने लगे तो मुझे दवाई लेनी पडी !

139. अकबर को मंत्रशक्ति से कटक देश पर विजय दिलवाया इसके बदले पूरे भारत मे 'छ' मास तक अमारि प्रवर्तन का फरमान जाहिर किया व शत्रुंजय का जजीयावेरा रद करवाया !

140. मेरी कुछ गलती नहिं है तो मैं क्यो खमाउं ? मैं बड़ा हूं वैसा मत सोचना मैं उपाध्याय होते हुए भी मेड़ता में मुझसे नाराज एक श्रावक के घर जाकर खमाना पड़ा ! जिससे जोरदार शासन प्रभावना हुयी वो बात आज भी पर्युषण पर्व के व्याख्यान में बोली जाती है !

141. एक कंगन लेकर मैं कोर्ट में गया और ढेर ग्रंथो को साथ में लाने वाले स्थानकवासी जेठमलजी मुनि को मैंने पराजित कर दिया !

142. मेरे जीवन के बारे मैंने कुछ नहि लिखा ! लिखना वो अहंकार की घोषणा है ! अहंकार को छोड़ के मैं आत्म मस्ती में मस्त रहा !

143. मुलतान(पाकिस्तान) में मेरे प्रवचन का इतना प्रभाव पडा कि मांस सस्ता हो जाने पर भी लोग बहोत कम मांस खरीदते थे !

144. बोंतेर(72) साल की उम्र में मैंने वर्षीतप का प्रारंभ किया और अंतिम श्वास तक मेरे वर्षीतप चालू रहा ! अखंड तेत्तीस वर्षीतप की आराधना हुयी !

145. मेरे गुरुदेव के पास मैने नवकारशी का पच्चक्खाण मांगा ! लेकिन उन्होंने एक साथ 16 उपवास का पच्चक्खाण दे दिया ! दुबारा जब गया तब वापिस 16 उपवास दिये । कुल 32 उपवास मैंने बडे प्रेम से किये यह हे गुरुकृपा !

146. मनफरा (कच्छ) के शांतिनाथ परमात्मा के सामने मैंने प्रार्थना की ! हे प्रभु । मेरा अंधत्व मिट जायेगा तो मैं दीक्षा लूंगा औरप सचमुच मेरी आंखो में रौशनी आ गई और मैं दिक्षीत बना !

147. संयम लेने के पश्चात मैंने आजीवन उपवास के पारणे उपवास किये । ज्ञानपंचमी के दिन मेरा अंतिम उपवास रहा ! समाधि भरी मृत्यु हुयी !

148. जिस दिन मेरे जीवन का सबसे बड़ा काम (शत्रुंजय अभिषेक) हुया उसी दिन ही मेरी मृत्यु हुयी !

149. संविग्न साधुओं में सर्वप्रथम बम्बई में प्रवेश मैंने किया था !

150. जिस दिशा में परमात्मा महावीर विचरते थे उस दिशा में 7-8 कदम आगे जाकर प्रतिदिन मैं सुवर्ण जव का स्वस्तिक बनाता था !

151. जब तक नये जिनालय के खात मुहुर्त के समाचार मेरे पास नहि आते थे तब तचक मैं मुंह में पाणी नहिं ड़ालता था !

152. अभी जो गिरिराज पर आदिनाथ की मूर्ति हैं वो पत्थर मम्माणी खाण में से निकालकर मैने भीजवाया था !

153. मथुरा नगरी के समस्त साधुओं को इक्कट्ठा करके वाचना मैंने दी थी !

154. मैंने जिस पर्वत पर अनशन किया ! उस पर्वत को इन्द्र ने रथ के साथ प्रदक्षिणा दी थी तो उस पर्वत का नाम पडा रथावर्त !

155. मैंने सच बोला उसकी वजह से फिरोज शाह ने मुझे करोड़ पति बना दिया !

156. मैंने अंगुठी में प्रतिमाजी रखकर अरिहंत के अलावा अन्य को नमस्कार नहिं करने का आचार निभाया था !

157. मेरी स्मृति शक्ति से तिलकमंजरी ग्रंथ का पुनः उत्थान हुआ !

158. मैं राजसभा में जाते आते समय पालखी मैं बैठे बैठे उपदेशमाला का स्वाध्याय करता था !

159. बिल्कुल थोडा दान देकर इतिहास मे मैंने नाम अमर किया !

160. मरणासन्न पडे हुए मेरी भव्य भावना को पूर्ण करके मेरे भाई ने मेरे नाम से आबूजी के उपर भव्य जिनालय बनाया !

# वक्ता के नाम (उत्तर)

(1) भरतराजा
(2) बाहुबली
(3) अषाढाभूति
(4) चिलातीपुत्र
(5) गजसुकुमाल
(6) मेतार्यमुनि
(7) शालीभद्र
(8) धन्नाजी
(9) नंदिषेण
(10) बलभद्र मुनि
(11) कुलवालक मुनि
(12) अनाथी मुनि
(13) आर्द्रकुमार
(14) ढंढण मुनि
(15) श्रीयक
(16) कुंडरिक मुनि
(17) कुरगडु मुनि
(18) प्रसन्न चंद्र
(19) वल्कलचीरि
(20) नमि
(21) अभयकुमार
(22) उदायी
(23) मनक मुनि
(24) विष्णुकुमार
(25) सुनक्षत्र-सर्वानुभूति
(26) सिंह अणगार
(27) लोहार्य मुनि
(28) कपिल
(29) वालीऋषी
(30) सनत्चक्री
(31) धर्मरुची अणगार
(32) द्रौपदी
(33) ईलाची
(34) अर्जुनमाली
(35) शोभन मुनि
(36) सिद्धर्षि
(37) सीता
(38) यक्षा

(39) सौभाग्य विजय
(40) जम्बूस्वामी
(41) जगच्चंद्र सूरि
(42) साधर्मिक भक्ति
(43) मुनिसुव्रत स्वामी
(44) पवनंजय
(45) तेजपाल-अनुपमा
(46) रैवती श्राविका
(47) रावण
(48) पुंडरिक मुनि
(49) नेमिनाथ
(50) सुव्रत शेठ
(51) काउसग्ग
(52) कर्मभूमि
(53) कपिलादासी
(54) माया (कपट)
(55) कृष्णर्षि
(56) कोणिक
(57) सुलस
(58) कालकाचार्य
(59) गुरुवंदना
(60) चंदनबाला
(61) अतिजनाथ
(62) नंदनमुनि
(63) समरादित्य
(64) श्रेयांसनाथ
(65) ऋषभदेव
(66) भरतराजा
(67) कार्तिक सेठ
(68) धनेश्वर सूरि
(69) माणेक सेठ
(70) द्राविड-वारिखिल्ल
(71) विक्रमसिंह
(72) नामि-विनमि
(73) विद्यामंडण सूरि
(74) वादिदेव सूरि
(75) चौमुखजी
(76) सवा-सोमा की टुंक
(77) उजमफई
(78) मोतीशा सेठ
(79) नाम गणधर
(80) सगरचक्री

(81) बाण कवि
(82) कदम्बगणधर
(83) भरतचक्री
(84) धनपाल कवि
(85) मल्लीनाथ
(86) कृत्रिकापण
(87) कालसौरिक
(88) कोणिक
(89) कालकाचार्य
(90) धर्मदास गणी
(91) पुंडरीक स्वामी
(92) पार्श्वनाथ
(93) सुंदरी
(94) जितविजयजी
(95) गजसुकुमाल
(96) चंडरुद्राचार्य
(97) शान्तनुमंत्री
(98) धर्मघोषसूरी
(99) नंदिषेण
(100) पालक
(101) सिद्धसेन दिवाकर
(102) वज्रकुमार
(103) पेथडशा
(104) कपिल
(105) लालभाई
(106) लल्लिग
(107) विजय शेठ-शेठाणी
(108) पेथड़शा
(109) चंपा श्राविका
(110) स्थूलभद्र
(111) सकलचंद्र उपा.
(112) बाहडशा
(113) गौतमस्वामी
(114) देवर्द्धिगणी
(115) जम्बूस्वामी
(116) मनक मुनि - दशवैकालिक
(117) भद्रबाहु स्वामी
(118) संप्रतिराजा
(119) स्थूलभद्र मुनि
(120) आर्य महागिरी
(121) वज्रस्वामी
(122) सिद्धसेन दिवाकर

(123) मानदेवसूरि
(124) हरिभद्र-भट्ट
(125) सहस्रमल्ल
(126) सिद्धर्षिगणी
(127) नागार्जुन
(128) मानतुंग सूरि
(129) बप्पभट्टि सूरि
(130) मल्लवादि सूरि
(131) चंद्रप्रभ सूरि
(132) उदायन मंत्री
(133) कुमारपाल
(134) विमलशा
(135) रत्नाकर सूरि
(136) देदाशा
(137) ढंढण मुनि
(138) हीर सूरिजी .
(139) उपा. शांतिचंद्र
(140) धर्मसागर उपा.
(141) पं. वीरविजयजी
(142) आनंदधनजी
(143) लब्धिसूरि
(144) सिद्धसूरि
(145) त्रिलोचन सूरि
(146) जितविजयजी
(147) पं. तिलक विजयजी
(148) रजनी देवड़ी
(149) मोहनलालजी
(150) श्रेणिक राजा
(151) संप्रतिराजा
(152) वस्तुपाल
(153) स्कंदिल सूरि
(154) वज्रस्वामी
(155) महण सिंह
(156) वज्रकर्ण
(157) तिलकमंजरी
(158) पेथड़मंत्री
(159) भीमा कुंड़लीया
(160) लुणिवसहि

# समवसरण का स्वरुप

- परमात्मा को केवलज्ञान होने के पश्चात् जिस दिशा में परमात्मा विचरते हैं उस दिशा में 7-8 कदम आगे जाकर वंदन-स्तुति इन्द्र महाराजा करते हैं स्तुति करने के पश्चात् अपने देवो को समवसरण बनाने की आज्ञा देते हैं तब समवसरण की रचना होती हैं ।
- सर्वोत्कृष्ट पुण्य से प्राप्त होने वाले सभी आश्चर्य जहां पर एक साथ देखने को मिलते हैं उसका नाम समवसरण । देवो द्वारा रचित दैवी वैभवो से विभूषित स्थान जहाँ पर देव-मनुष्य-तिर्यञ्च एक साथ बैंठकर परमात्मा की दशना सुन सके उसका नाम समवसरण ।
- इन्द्र महाराजा की आज्ञा से वायुकुमार देवता संवर्तक वायु उत्पन्न करके जहाँ पर समवसरण बनता हैं उस स्थान को एक जोजन प्रमाणक्षेत्र में से तृण-कंकर आदि दूर करके सफाई करते हैं ।
- मेघकुमार देव बादल उत्पन्न करके सुगंधी जल की वृष्टि करके सभी तरह की मिट्टी को शांत करके समस्त पृथ्वीतल सुगंधमय बनाते हैं । और व्यंतर देव सुवर्ण रत्न की शीला द्वारा भूमितल को मजबूत बनाते हैं और उस ऋतु की अधिष्ठायक देवी जानु प्रमाण अचित पुष्पो की वृष्टि करते हैं ।
- भवनपति देव भूमितल से सवाकोष उंचा प्रथम चांदी का गढ बनाते हैं उस गढ के उपर चढने के लिये एक हाथ उंची एसी 10,000 सीडी बनाते हैं। इस गढ की दीवार 500 धनुष उंची एवं 33 धनुष्-32 अंगुल चौडी होती है उस दीवार के उपर सुवर्णमय कांगरे होते हैं प्रथम गढ के चारो तरफ 50 धनुष् प्रमाण समतल भाग होता है ।

- प्रथमगढ से 1300 धनुष् प्रमाण क्षेत्र छोड़कर प्रथम गढ से 1250 धनुष् जितना ऊंचा ज्योतिष् देव दूसरा सुवर्ण गढ बनता है । उस गढ की दीवार आदि प्रथम गढ की तरह उंची व चोड़ी होती है दूसरे गढ के उपर रत्न के कांगरे हैं उसकी 5000 सीड़ी होती हैं ।
- दूसरे गढ से 1300 धनुष् प्रमाण क्षेत्र छोडकर वैमानिक देव रत्न का तीसरी गढ बनाते है ईस गढ के उपर मणिरत्न के कांगरे व 5000 सीड़ी होती है ।
- समवसरण से बहार जाने हेतु एवं प्रवेश हेतु चार-चार रत्न के दरवाजे होते है उस दरवाजे के उपर मरकत मणि के पत्रवाले तोरण होते हैं प्रत्येक दरवाजे के पास सुवर्ण कमल से सुशोभित बावड़ी होती है । एवं प्रत्येक द्वार के दोनों तरफ भवनपति-व्यंतर-ज्योतिष आदि के देव-देवी द्वारपाल के रुप में खड़ें होते हैं ।
- समवसरण की कुल 20,000 सीडी होती है प्रत्येक सीड़ी 1-1 हाथ उंची होती है । मगर तीर्थंकर का अतिशय का इतना प्रभाव होता है जिसके कारण आराम से 20,000 सीडीं चढ जाते है थकावट दूर हट जाती है ।
- परमात्मा केवलज्ञान के पश्चात् प्रथम देशना देने हेतु समवसरण में जाते हैं तब परमात्मा के साथ करोडो देवता होते हैं चतुर्विध संघ की स्थापना होने के पश्चात् गणधर व साधु भगवंत भी साथ होते हैं ।
- केवलज्ञान होने के पश्चात् अंतमुहुर्त मात्र में समवसरण की रचना होती है देशना के अंत में तीर्थ प्रवर्तन होता है ।
- परमात्मा जब समवसरण में आते हैं तब देवता नौ कमल की रचना करते

हैं नौ कमल पंक्ति बद्ध होते है आगे के दो कमल पर परमात्मा अपने चरण रखते है दूसरे सात कमल पीछे होते है । परमात्मा जब नया कदम रखते हैं तब पीछे का कमल देवता परमात्मा के आगे रखते हैं केवलज्ञान पश्चात् परमात्मा के चरण भूमिस्पर्श नहि होते हैं ।

- समवसरण के तीसरे गढ में बराबर बीच में अशोकवृक्ष होता है उसके मूल में चार सिंहासन होते हैं । मुख्य सिंहासन पर पमात्मा बिराजमान होते है बाकी के तीन सिंहासन पर व्यंतर देव परमात्मा के प्रतिबिंब स्थापित करते हैं । परमात्मा के उपर तीन छत्र पीछे भामंडल, दोनो तरफ चामरधारी, देवदुंदुभी का नाद एसी शोभा होती ।
- परमात्मा की देशना एक योजन तक सुनाई जाती है समवसरण में परमात्मा आठो प्रतिहार्य से युक्त होते है जब विहार करते है तब अशोकवृक्ष, दिव्यध्वनि, पुष्पवृष्टि के बिना पांच प्रतिहार्य होते हैं ।
- परमात्मा देशना के पश्चात् समवसरण के दूसरे गढ में विश्राम हेतु जाते है वहाँ पर व्यंतर देव ने देवछंदा बनाया होता है उस देवछंदे में प्रभु विश्राम करते हैं ।
- तीर्थ स्थापना के पश्चात् उपन्नेईवा, विघ्नेईवा, धुवेईवा, इन त्रिपदी को परमात्मा के मुख से सुनकर चौद पूर्व के साथ बारह अंग का ज्ञान जिसको प्राप्त होता है उनको गणधर की पदवी देते हैं ।

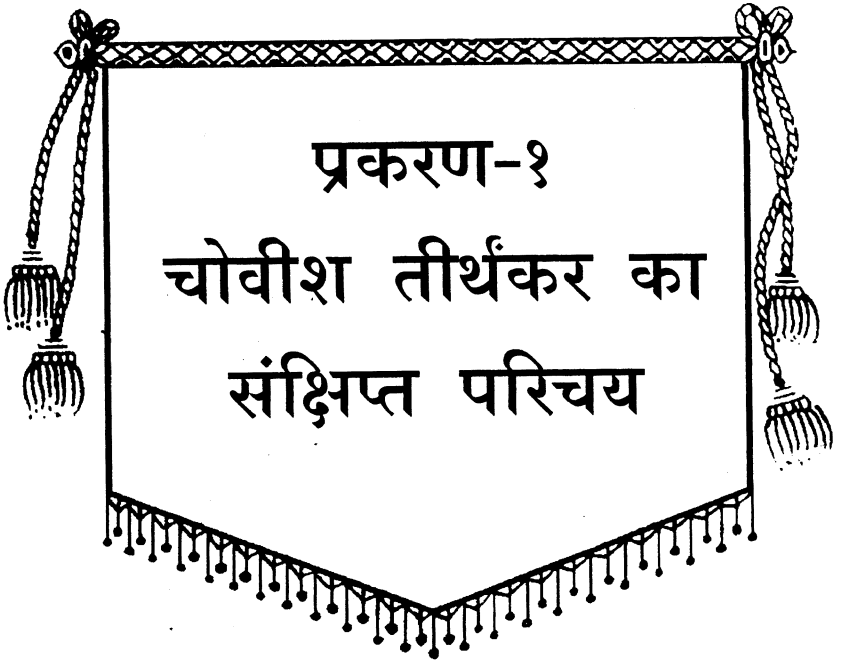

# प्रकरण-१
# चोवीश तीर्थंकर का संक्षिप्त परिचय

| क्रम | 1<br>भगवान का नाम | 2<br>भगवान की<br>माता का नाम | 3<br>भगवान के<br>पिता का नाम |
|---|---|---|---|
| 1. | श्री ऋषभदेव स्वामीजी | मरुदेवी | नाभिराजा |
| 2. | श्री अजितनाथजी | विजया रानी | जितशत्रु राजा |
| 3. | श्री संभवनाथजी | सेना रानी | जितारी राजा |
| 4. | श्री अभिनंदन स्वामीजी | सिद्धार्था रानी | संवर राजा |
| 5. | श्री सुमतिनाथजी | मंगला रानी | मेघ राजा |
| 6. | श्री पद्मप्रभ स्वामीजी | सुसीमा रानी | श्रीधर राजा |
| 7. | श्री सुपार्श्वनाथजी | पृथ्वी रानी | प्रतिष्ठ राजा |
| 8. | श्री चन्द्रप्रभ स्वामीजी | लक्ष्मणा रानी | महसेन राजा |
| 9. | श्री सुविधिनाथजी | रामा रानी | सुग्रीव राजा |
| 10. | श्री शीतलनाथजी | नंदा रानी | दृढरथ राजा |
| 11. | श्री श्रेयांसनाथजी | विष्णु रानी | विष्णु राजा |
| 12. | श्री वासुपूज्य स्वामीजी | जया रानी | वसूपूज्य राजा |
| 13. | श्री विमलनाथजी | श्यामा रानी | कृतवर्मा राजा |
| 14. | श्री अनंतनाथजी | सुयशा रानी | सिंहसेन राजा |
| 15. | श्री धर्मनाथजी | सुव्रता रानी | भानु राजा |
| 16. | श्री शान्तिनाथजी | अचिरा रानी | विश्वसेन राजा |
| 17. | श्री कुंथुनाथजी | श्री रानी | शूर राजा |
| 18. | श्री अरनाथजी | देवी रानी | सुदर्शन राजा |
| 19. | श्री मल्लिनाथजी | प्रभावती रानी | कुंभ राजा |
| 20. | श्री मुनिसुव्रत स्वामीजी | पद्मावती रानी | सुमित्र राजा |
| 21. | श्री नमिनाथजी | वप्रा रानी | विजय राजा |
| 22. | श्री नेमिनाथजी | शिवा रानी | समुद्रविजय राजा |
| 23. | श्री पार्श्वनथजी | वामा रानी | अश्वसेन राजा |
| 24. | श्री महावीर स्वामीजी | त्रिशला रानी | सिद्धार्थ राजा |

| क्रम | 4<br>किस भव में तीर्थंकर नामकर्म उपार्जन किये | 5<br>पूर्व भव के गुरु | 6<br>पूर्व भव के पढे हुए शास्त्र |
|---|---|---|---|
| 1. | वज्रनाभ चक्री | वज्रसेन | 14 पूर्व पढे |
| 2. | विमल वाहन | अरिदमन | 11 पूर्व पढे |
| 3. | विपुल वाहन | संभ्रान्त (स्वयंप्रभ) | 11 पूरव पढे |
| 4. | महाबल | विमल वाहन | 11 पूर्व पढे |
| 5. | अतिबल (पुरुषसिंह) | सीमंधर (विनयनंदन) | 11 पूर्व पढे |
| 6. | अपराजीत | विहीता श्रव | 11 पूर्व पढे |
| 7. | नंदीषेण | अरिदमन | 11 पूर्व पढे |
| 8. | पद्मराजा | युगंधर | 11 पूर्व पढे |
| 9. | महापद्म | जगन्नंद | 11 पूर्व पढे |
| 10. | पद्मोत्तर (पद्म) | प्रिस्ताघ | 11 पूर्व पढे |
| 11. | नलिनीगुल्म | वज्रदत | 11 पूर्व पढे |
| 12. | पद्मोत्तर | वज्रनाभ | 11 पूर्व पढे |
| 13. | पद्मसेन | सर्वगुप्त | 11 पूर्व पढे |
| 14. | पद्मरथ | चित्ररथ | 11 पूर्व पढे |
| 15. | द्रढरथ | विमलवाहन | 11 पूर्व पढे |
| 16. | मेघरथ | धनरथ | 11 पूर्व पढे |
| 17. | सिंहावह | संवराचार्य | 11 पूर्व पढ |
| 18. | धनपति | संवर | 11 पूर्व पढ |
| 19. | महाबल | वरधर्म | 11 पूर्व पढ |
| 20. | सुरश्रेष्ठ | नंदन | 11 पूर्व पढ |
| 21. | सिद्धार्थ | सुदर्शन | 11 पूर्व पढ |
| 22. | सुप्रतिष्ठ (शंखकुमार) | श्रीषेण | 11 पूर्व पढ |
| 23. | आनंद (सुवर्णबाहु) | जगन्नाथ तीर्थंकर (दामोदर) | 11 पूर्व पढ |
| 24. | नंदनऋषि | पोट्टिलाचार्य | 11 पूर्व पढ |

| क्रम | 7<br>पूर्वभव की नगरी | 8<br>कौन से देवलोक में से च्यवन | 9<br>च्यवन तिथि मारवाडी |
|---|---|---|---|
| 1. | पुंडरीकिणी | सर्वार्थसिद्ध विमान | अषाढ वद 4 |
| 2. | सुसीमा | विजय अनुत्तर | वैशाख सुद 13 |
| 3. | क्षेमपुर | 7वा ग्रैवेयक | फागंण सुद 8 |
| 4. | रत्नसंचया | विजय(जयंत) अनुत्तर | वैशाख सुद 4 |
| 5. | शंखपुर | वैजयन्त(जयंत) अनुत्तर | श्रावण सुद 2 |
| 6. | सुसीमा | नववाँ ग्रैवेयक | महा वद 6 |
| 7. | क्षेमपुरी | छट्ठा ग्रैवेयक | भाद्रपद वद 8 |
| 8. | रत्नसंचया | विजय(वैजयन्त) | चैत्र वद 5 |
| 9. | पुंडरिगिणी | आनत देवलोक | फागण वद 9 |
| 10. | सुसीमा | प्राणत (10वां) | वैशाख वद 6 |
| 11. | क्षेमा | अच्युत(महाशुक्र) | जेठ वद 6 |
| 12. | रत्नसंचया | प्राणत (10वां) | जेठ सुद 9 |
| 13. | महापुरी | सहस्रार | वैशाख सुद 12 |
| 14. | अरिष्टा | प्राणथ (10वां) | श्रावण वद 9 |
| 15. | भद्दिला | विजय(अनुत्तर विमान) | वैशाख सुद 7 |
| 16. | पुंडरिकिणि | सर्वार्थसिद्ध (अनुत्तर) | भाद्रपद वद 7 |
| 17. | खडिग | सर्वार्थसिद्ध (अनुत्तर) | श्रावण वद 9 |
| 18. | सुसीमा | सर्वार्थसिद्ध (अनुत्तर) | फागण सुद 2 |
| 19. | वीतशोका | जयंत(अनुत्तर) | फागण सुद 4 |
| 20. | चंपापुरी | प्राणत(10वां) | श्रावण सुद 15 |
| 21. | कौशांबी | प्राणत(अपराजीत) | आसो सुद 15 |
| 22. | हस्तिनापुर | अपराजीत | कार्तिक वद 12 |
| 23. | पुराणपुर | प्राणत(10वां) | चैत्र वद 4 |
| 24. | छत्रा | प्राणत(10वां) | अषाढ सुद 6 |

| क्रम | 10<br>च्यवन नक्षत्र | 11<br>च्यवन राशि | 12<br>च्यवन कल्याणक<br>कौन से नगर में |
|---|---|---|---|
| 1. | उत्तराषाढा | धन | अयोध्या |
| 2. | रोहिणी | वृषभ | अयोध्या |
| 3. | मृगशीर्ष | मिथुन | सावत्थी |
| 4. | अभिजित (पुनर्वसु) | मिथुन | अयोध्या |
| 5. | मघा | सिंह | अयोध्या |
| 6. | चित्रा | कन्या | कौशांबी |
| 7. | विशाखा | तुला | बनारस |
| 8. | अनुराधा | वृश्चिक | चन्द्रपुरी |
| 9. | मूला | धन | काकंदी |
| 10. | पूर्वाषाढा | धन | भद्दिलपुर |
| 11. | श्रवण | मकर | सिंहपुरी |
| 12. | शतभिषा | कुंभ | चंपापुरी |
| 13. | उत्तर भाद्रपद | मीन | कंपिलपुरी |
| 14. | रेवती | मीन | अयोध्या |
| 15. | पुष्य | कर्क | रत्नपुरी |
| 16. | भरणी | मेष | हस्तिनापुर (गजपुर) |
| 17. | कृतिका | वृषभ | हस्तिनापुर (गजपुर) |
| 18. | रेवती | मीन | हस्तिनापुर (गजपुर) |
| 19. | अश्विनी | मेष | मिथिला |
| 20. | श्रवण | मकर | राजगृही |
| 21. | अश्विनी | मेष | मिथिला (मथुरा) |
| 22. | चित्रा | कन्या | शौरीपुरी |
| 23. | विशाखा | तुला | काशी-बनारस |
| 24. | उत्तर फाल्गुनी | कन्या | ब्राह्मणकुंड |

| क्रम | 13<br>गर्भकाल | 14<br>जन्मतिथि मारवाडी | 15<br>प्रभु की जन्म नगरी |
|---|---|---|---|
| 1. | 9 मास 8 1/2 दिन | चैत्र वद 8 | अयोध्या |
| 2. | 8 मास 25 दिन | महा सुद 8 | अयोध्या |
| 3. | 9 मास 6 दिन | मागसर सुद 14 | सावत्थी |
| 4. | 9 मास 7 1/2 दिन | महा सुद 2 | अयोध्या |
| 5. | 9 मास 6 दिन | वैशाख सुद 8 | अयोध्या |
| 6. | 9 मास 6 दिन | कार्तिक वद 12 | कौशांबी |
| 7. | 9 मास 19 दिन | जेठ सुद 12 | बनारस |
| 8. | 9 मास 7 दिन | पोष वद 12 | चन्द्रपुरी |
| 9. | 9 मास 26 दिन | मागसर वद 5 | काकंदी |
| 10. | 9 मास 6 दिन | महा वद 12 | भद्दिलपुर |
| 11. | 9 मास 6 दिन | फागण वद 12 | सिंहपुर |
| 12. | 8 मास 10 दिन | फागण वद 14 | चंपापुरी |
| 13. | 8 मास 21 दिन | महा सुद 3 | कंपिलपुरी |
| 14. | 9 मास 6 दिन | वैशाख वद 13 | अयोध्या |
| 15. | 8 मास 26 दिन | महा सुद 3 | रत्नपुरी |
| 16. | 9 मास 6 दिन | जेठ वद. 13 | हस्तिनापुर (गजपुर) |
| 17. | 9 मास 5 दिन | वैशाख वद 14 | हस्तिनापुर (गजपुर) |
| 18. | 9 मास 8 दिन | मागसर सुद 10 | हस्तिनापुर (गजपुर) |
| 19. | 9 मास 7 दिन | मागसर सुद 11 | मिथिला |
| 20. | 9 मास 8 दिन | जेठ वद 8 | राजगृही |
| 21. | 9 मास 8 दिन | श्रावण वद 8 | मिथिला (मथुरा) |
| 22. | 9 मास 8 दिन | श्रावण सुद 5 | शौरीपुरी |
| 23. | 9 मास 6 दिन | पोष वद 10 | काशी-बनारस |
| 24. | 9 मास 7 1/2 दिन | चैत्र सुद 13 | ब्राह्मणकुंड |

| क्रम | 16<br>जन्म नक्षत्र | 17<br>जन्म राशि | 18<br>प्रभु का जन्म देश |
|---|---|---|---|
| 1. | उत्तराषाढा | धन | कोशल |
| 2. | रोहिणी | वृषभ | कोशल |
| 3. | मृगशीर्ष | मिथुन | कुणाल |
| 4. | अभिजित् (पुनर्वसु) | मिथुन | कोशल |
| 5. | मघा | सिंह | कोशल |
| 6. | चित्रा | कन्या | वत्स |
| 7. | विशाखा | तुला | काशी |
| 8. | अनुराधा | वृश्चिक | पूर्व |
| 9. | मूला | धन | कोशल |
| 10. | पूर्वाषाढा | धन | मलय |
| 11. | श्रवण | मकर | काशी |
| 12. | शतभिषा | कुंभ | अँग |
| 13. | उत्तर भाद्रपद | मीन | पांचाल |
| 14. | रेवती | मीन | कोशल |
| 15. | पुष्य | कर्क | उत्तरकोशल |
| 16. | भरणी | मेष | कुरुदेश |
| 17. | कृतिका | वृश्चिक | कुरुदेश |
| 18. | रेवती | मीन | कुरुदेश |
| 19. | अश्विनी | मेष | विदेह |
| 20. | श्रवण | मकर | मगध |
| 21. | अश्विनी | मेष | विदेह |
| 22. | चित्रा | कन्या | कुशावर्त |
| 23. | विशाखा | तुला | काशी |
| 24. | उत्तरा फाल्गुनी | कन्या | पूर्व |

| क्रम | 19<br>प्रभु का गण | 20<br>प्रभु की योनी | 21<br>प्रभु का लांछन |
|---|---|---|---|
| 1. | मानव | नकुल | वृषभ (बैल) |
| 2. | मानव | सर्प | हस्ति (हाथी) |
| 3. | देव | सर्प | अश्व (घोडो) |
| 4. | देव | मांजार (बिल्ली) | वानर (बंदर) |
| 5. | राक्षस | मूषक | क्रोंच पक्षी |
| 6. | राक्षस | महिष | पद्म (कमल) |
| 7. | राक्षस | व्याघ्र (मृग) | स्वस्तिक |
| 8. | देव | व्याघ्र (मृग) | चन्द्र |
| 9. | राक्षस | वानर | मगरमच्छ |
| 10. | मानव | नकुल | श्रीवत्स |
| 11. | देव | नकुल | गेंडा |
| 12. | राक्षस | अश्व | पाडा (महिष) |
| 13. | मानव | छात्र | वराह (सुअर) |
| 14. | देव | हस्ति | बाजपक्षी (सिंचाणो) |
| 15. | देव | छाग (बकरो) | वज्र |
| 16. | मानव | हस्ति | मृग (हिरण) |
| 17. | राक्षस | बकरो | छाग (बकरो) |
| 18. | देव | हाथी | नंदावर्त |
| 19. | देव | अश्व | कुंभ (कलश) |
| 20. | देव | वानर | कच्छप (काचबो) |
| 21. | देव | अश्व | नीलकमल |
| 22. | कन्या | महिष | शंख |
| 23. | राक्षस | मृग | सर्प |
| 24. | मानव | महिष | सिंह |

22

| क्रम | प्रभु के नाम का अर्थ |
|---|---|
| 1. | प्रथम स्वप्न में माता के द्वारा वृषभ देखने के कारण । |
| 2. | सोगठ बाजी में माता ने राजा को जीत लिया । |
| 3. | जन्म होने पर धरती पर काफी अनाज बढने लगा । |
| 4. | गर्भरुप में भी हंमेशा इन्द्र ने जिनका अभिनंदन किया । |
| 5. | न्याय देने में माता की बुद्धि संतुलित रही । |
| 6. | मां को कमलपत्र की शय्या में सोने की इच्छा हुई । |
| 7. | गर्भ में आने पर माता का शरीर सुंदर हो उठा । |
| 8. | मां के मन में चन्द्रकिरणों को पीने की इच्छा हुई । |
| 9. | गर्भ में आने पर माँ ने विधि को भली भांति जाना । |
| 10. | माता के कर स्पर्श से पिता का दाह ज्वर शांत हो गया । |
| 11. | मां ने अपने आपको श्रेय करने वाली देव शय्या में सोये हुए देखा । |
| 12. | वसुपूज्य के पुत्र होने से वसु देवता द्वारा पूजित । |
| 13. | गर्भ में आने पर माता का शरीर एवं मन विमल(स्वच्छ) बन गया । |
| 14. | गर्भ में आने पर मां ने अनंत मणियों की माला देखी । |
| 15. | गर्भ में आने पर मां ने धर्म का सुंदर व अधिक पालन किया । |
| 16. | पूरे देश में शांति स्थापित हो गई, उपद्रव शांत हो गये । |
| 17. | स्वप्न में मां ने जमीन में रहे हुए रत्न स्तुप को देखा । |
| 18. | स्वप्न में मांने महारत्न देखा । |
| 19. | मां की इच्छा पुष्प मालाओं की शय्या पर सोने की हुई । |
| 20. | गर्भ में आने पर मां को मुनि की तरह सुव्रत पालन की ईच्छा जगी । |
| 21. | गर्भ में आने पर विरोधियों के भी झुक जाने से । |
| 22. | गर्भ के समय मां ने अरिष्ट रत्नमय चक्र देखा । |
| 23. | माँ ने पास में जाते हुए काले सर्प को देखा । |
| 24. | धन-धान्य, सुख-समृद्धि बढने के कारण । |

| क्रम | 23<br>शरीर प्रमाण<br>(उंचाई) | 24<br>प्रभु के<br>माता की गति | 25<br>प्रभुके<br>पिता की गति |
|---|---|---|---|
| 1. | 500 धनुष | मोक्षगति | नागकुमार (भवनपति) |
| 2. | 450 धनुष | मोक्षगति | ईशान देवलोक |
| 3. | 400 धनुष | मोक्षगति | ईशान देवलोक |
| 4. | 350 धनुष | मोक्षगति | ईशान देवलोक |
| 5. | 300 धनुष | मोक्षगति | ईशान देवलोक |
| 6. | 250 धनुष | मोक्षगति | ईशान देवलोक |
| 7. | 200 धनुष | मोक्षगति | ईशान देवलोक |
| 8. | 150 धनुष | मोक्षगति | ईशान देवलोक |
| 9. | 100 धनुष | सनत्कुमार देवलोक | सनत्कुमार देवलोक |
| 10. | 90 धनुष | सनत्कुमार देवलोक | सनत्कुमार देवलोक |
| 11. | 80 धनुष | सनत्कुमार देवलोक | सनत्कुमार देवलोक |
| 12. | 70 धनुष | सनत्कुमार देवलोक | सनत्कुमार देवलोक |
| 13. | 60 धनुष | सनत्कुमार देवलोक | सनत्कुमार देवलोक |
| 14. | 50 धनुष | सनत्कुमार देवलोक | सनत्कुमार देवलोक |
| 15. | 45 धनुष | सनत्कुमार देवलोक | सनत्कुमार देवलोक |
| 16. | 40 धनुष | सनत्कुमार देवलोक | सनत्कुमार देवलोक |
| 17. | 35 धनुष | माहेन्द्र देवलोक | माहेन्द्र देवलोक |
| 18. | 30 धनुष | माहेन्द्र देवलोक | माहेन्द्र देवलोक |
| 19. | 25 धनुष | माहेन्द्र देवलोक | माहेन्द्र देवलोक |
| 20. | 20 धनुष | माहेन्द्र देवलोक | माहेन्द्र देवलोक |
| 21. | 15 धनुष | माहेन्द्र देवलोक | माहेन्द्र देवलोक |
| 22. | 10 धनुष | माहेन्द्र देवलोक | माहेन्द्र देवलोक |
| 23. | 9 हाथ | माहेन्द्र देवलोक | माहेन्द्र देवलोक |
| 24. | 7 हाथ | माहेन्द्र देवलोक | माहेन्द्र देवलोक |

| क्रम | 26<br>प्रभु की<br>कुमार अवस्था | 27<br>प्रभु की<br>राज्य अवस्था | 28<br>प्रभुकी<br>गृहस्थ अवस्था |
|---|---|---|---|
| १. | २० लाख पूर्व | ६३ लाख पूर्व | ८३ लाख पूर्व |
| २. | १८ लाख पूर्व | १ पूर्वांग अधिक ५३ लाख पूर्व | १ पूर्वांग अधिक ७१ लाख पूर्व |
| ३. | १५ लाख पूर्व | ४ पूर्वांग अधिक ४४ लाख पूर्व | ४ पूर्वांग अधिक ५९ लाख पूर्व |
| ४. | १२ $\frac{१}{२}$ लाख पूर्व | ८ पूर्वांग अधिक ३६ $\frac{१}{२}$ लाख पूर्व | ८ पूर्वांघ अधिक ४९ लाख पूर्व |
| ५. | १० लाख पूर्व | १२ पूर्वांग अधिक २९ लाख पूर्व | १२ पूर्वांग अधिक ३९ लाख पूर्व |
| ६. | ७ $\frac{१}{२}$ लाख पूर्व | १६ पूर्वांग अधिक २१ लाख पूर्व | १२ पूर्वांग अधिक २९ लाख पूर्व |
| ७. | ५ लाख पूर्व | १६ पूर्वांग अधिक १४ लाख पूर्व | २० पूर्वांग अधिक १९ लाख पूर्व |
| ८. | २ $\frac{१}{२}$ लाख पूर्व | २४ पूर्वांग अधिक ६ $\frac{१}{२}$ लाख पूर्व | २४ पूर्वांग अधिक ९ लाख पूर्व |
| ९. | ५० हजार पूर्व | २८ पूर्वांग अधिक ५० हजार पूर्व | १ लाख पूर्व एवं २८ पूर्वांग |
| १०. | २५ हजार पूर्व | ५० हजार पूर्व | १ लाख पूर्व में पौनपाद कम |
| ११. | २१ लाख वर्ष | ४२ लाख वर्ष | ६३ लाख वर्ष |
| १२. | १८ लाख वर्ष | राज्य काल नहीं था | १८ लाख वर्ष |
| १३. | १५ लाख वर्ष | ३० लाख वर्ष | ४५ लाख वर्ष |
| १४. | ७ $\frac{१}{२}$ लाख वर्ष | १५ लाख वर्ष | २२ लाख ५० हजार वर्ष |
| १५. | १ $\frac{१}{२}$ लाख वर्ष | ५ लाख वर्ष | ७५ हजार वर्ष |
| १६. | २५००० वर्ष | ५० हजार वर्ष | १ लाख वर्ष में पौन पाद कम |
| १७. | २३,७५० वर्ष | ४७,५०० वर्ष | ७१,२५० वर्ष |
| १८. | २१,००० वर्ष | ४२ हजार वर्ष | ६३ हजार वर्ष |
| १९. | १०० वर्ष | राज्य काल नहीं था | १०० वर्ष |
| २०. | ७५०० वर्ष | १५ हजार वर्ष | २२,५०० वर्ष |
| २१. | २५०० वर्ष | ५ हजार वर्ष | ७५०० वर्ष |
| २२. | ३०० वर्ष | राज्य काल नहीं था | ३०० वर्ष |
| २३. | ३० वर्ष | राज्य काल नहीं था | ३० वर्ष |
| २४. | ३० वर्ष | राज्यकाल नहीं था | ३० वर्ष |

| 29 | 30 | 31 |
|---|---|---|
| क्रम पुत्र-पुत्री की संख्या | प्रभु की भव संख्या | दीक्षा तिथि मारवाडी |
| 1.100 पुत्र, 2 पुत्री ब्राह्मी-सुंदरी | 13 | चैत्र वद 8 |
| 2. – | 3 | महा सुद 9 |
| 3. 3 पुत्र | 3 | मागसर सुद 15 |
| 4. 3 पुत्र | 3 | महा सुद 12 |
| 5. 3 पुत्र | 3 | वैशाख सुद 9 |
| 6. 13 पुत्र | 3 | कार्तिक वद 13 |
| 7. 17 पुत्र | 3 | जेठ सुद 13 |
| 8. 18 पुत्र | 7-8 | पोष वद 13 |
| 9. 19 पुत्र | 3 | मागसर वद 6 |
| 10. 2 पुत्र | 3 | महा वद 12 |
| 11. 99 पुत्र | 3 | फागण वद 13 |
| 12. 2 पुत्र | 3 | फागण वद 30 |
| 13. – | 3 | महा सुद 4 |
| 14. 88 पुत्र | 3 | वैशाख वद 14 |
| 15. 19 पुत्र | 3 | महा सुद 13 |
| 16. 150 लाख पुत्र | 12 | जेठ वद 14 |
| 17. 150 लाख पुत्र | 3 | वैशाख वद 5 |
| 18. 125 लाख पुत्र | 3 | मागसर सुद 11 |
| 19. – | 3 | मागसर सुद 11 |
| 20. 19 पुत्र | 3 अथवा 9 | फागण सुद 12 |
| 21. – | 3 | आषाढ वद 9 |
| 22. – | 9 | श्रावण सुद 6 |
| 23. – | 10 | पोष वद 11 |
| 24. 1 पुत्री प्रियदर्शना | 27 | मागसर वद 10 |

| क्रम | 32<br>प्रभु की दीक्षा नगरी | 33<br>दीक्षा नक्षत्र | 34<br>दीक्षा राशि |
|---|---|---|---|
| 1. | विनीता | उत्तराषाढा | धन |
| 2. | अयोध्या | रोहिणी | वृषभ |
| 3. | सावत्थी | मृगशीर्ष | मिथुन |
| 4. | अयोध्या | पुनर्वसु | सिंह |
| 5. | अयोध्या | मघा | सिंह |
| 6. | कौशांबी | चित्रा | कन्या |
| 7. | बनारस | विशाखा | तुला |
| 8. | चंद्रपुरी | अनुराधा | वृश्चिक |
| 9. | काकंदी | मूला | धन |
| 10. | भद्दिलपुरी | पूर्वाषाढा | धन |
| 11. | सिंहपुरी | श्रवण | मकर |
| 12. | चंपापुरी | शतभिषा | कुंभ |
| 13. | कंपिलपुर | उत्तराभाद्रपद | मीन |
| 14. | अयोध्या | रेवती | मीन |
| 15. | रत्नपुरी | पुष्य | कर्क |
| 16. | हस्तिनापुर | भरणी | मेष |
| 17. | हस्तिनापुर | कृत्तिका | वृषभ |
| 18. | हस्तिनापुर | रेवती | मीन |
| 19. | मिथिला | अश्विनी | मेष |
| 20. | राजगृही | श्रवण | मकर |
| 21. | मिथिला | अश्विनी | मेष |
| 22. | द्वारिका | चित्रा | कन्या |
| 23. | बनारस | विशाखा | तुला |
| 24. | क्षत्रियकुंड | उत्तराफाल्गुनी | कन्या |

| क्रम | 35<br>दीक्षा<br>शिबिका का नाम | 36<br>दीक्षाभूमि<br>(वन) | 37<br>कितने के साथ<br>दीक्षा ली |
|---|---|---|---|
| 1. | सुदर्शना | सिद्धार्थ वन | 4,000 |
| 2. | सुप्रभा | सहस्राम्र वन | 1,000 |
| 3. | सिद्धार्थ | सहस्राम्र वन | 1,000 |
| 4. | अर्थसिद्धा | सहस्राम्र वन | 1,000 |
| 5. | अभयंकरा | सहस्राम्र वन | 1.000 |
| 6. | निवृत्तिकरा | सहस्राम्र वन | 1,000 |
| 7. | मनोहारी | सहस्राम्र वन | 1,000 |
| 8. | मनोरमा | सहस्राम्र वन | 1,000 |
| 9. | सूरप्रभा | सहस्राम्र वन | 1,000 |
| 10. | चंद्रप्रभा (शुक्लप्रभा) | सहस्राम्र वन | 1,000 |
| 11. | विमलप्रभा | सहस्राम्र वन | 1,000 |
| 12. | पृथ्वी | बिहार वन | 600 |
| 13. | देवदत्ता (देवदिन्ना) | सहस्राम्र वन | 1,000 |
| 14. | सागरदत्ता | वप्रकांचन वन | 1,000 |
| 15. | नागदत्ता | सहस्राम्र वन | 1,000 |
| 16. | सर्वार्था | सहस्राम्र वन | 1,000 |
| 17. | विजया | सहस्राम्र वन | 1,000 |
| 18. | वैजयन्ती | सहस्राम्र वन | 1,000 |
| 19. | जयंति | सहस्राम्र वन | 1,000 |
| 20. | अपराजिता | नीलगृहोद्यान | 1,000 |
| 21. | देवकुरु | सहस्राम्र वन | 1,000 |
| 22. | उत्तरकुरु | सहस्राम्र वन | 1,000 |
| 23. | विशाला | आश्रम | 300 |
| 24. | चंद्रप्रभा | ज्ञातखंड | अकेले |

| क्रम | 38<br>दीक्षा वृक्ष | 39<br>दीक्षा के समय तप | 40<br>पारणा कौनसी नगरी में |
|---|---|---|---|
| 1. | वटवृक्ष | छट्ठ तप | गजपुर (हस्तिनापुर) |
| 2. | सप्तच्छद (अशोक) | छट्ठ तप | विनिता (अयोध्या) |
| 3. | प्रियाल (अशोक) | छट्ठ तप | सावत्थी |
| 4. | प्रियंगु (अशोक) | छट्ठ तप | अयोध्या |
| 5. | शाल वृक्ष | एकासणुं | विजयपुर |
| 6. | छत्र (अशोक) | छट्ठ तप | ब्रह्मस्थल |
| 7. | शीरीष (अशोक) | छट्ठ तप | पाटलीखंड |
| 8. | नाग (अशोक) | छट्ठ तप | पद्मखंड |
| 9. | शाल (अशोक) | छट्ठ तप | श्वेतपुर |
| 10. | प्रियंगु | छट्ठ तप | रिष्टपुर |
| 11. | तन्दुक (अशोक) | छट्ठ तप | सिद्धार्थपुर |
| 12. | पाडल (अशोक) | चोथभक्त | महापुर |
| 13. | जंबु (अशोक) | छट्ठ तप | धान्यकूट |
| 14. | अशोक वृक्ष | छट्ठ तप | वर्धमानपुर |
| 15. | दधिपर्ण | छट्ठ तप | सोमनसपुर |
| 16. | नंदि (अशोक) | छट्ठ तप | मंदिरपुर |
| 17. | कदंब | छट्ठ तप | चक्रपुर |
| 18. | सहकार | छट्ठ तप | राजपुर |
| 19. | अशोक वृक्ष | अट्ठम तप | मिथिला |
| 20. | चंपक (अशोक) | छट्ठ तप | राजगृही |
| 21. | बकुल (अशोक) | छट्ठ तप | वीरपुर |
| 22. | वेडस (अशोक) | छट्ठ तप | गोष्ठ (द्वारिका) |
| 23. | घातकी (अशोक) | अट्ठम तप | कोपकट |
| 24. | शालवृक्ष | छट्ठ तप | कोल्लाग |

| क्रम | 41<br>पारणा किस व्यक्ति के घर | 42<br>प्रभु का उत्कृष्ट तप | 43<br>प्रभुका छद्मस्थ काल |
|---|---|---|---|
| 1. | श्रेयांसकुमार | 12 मास | 1000 वर्ष |
| 2. | ब्रह्मदत्त | 8 मास | 12 वर्ष |
| 3. | सुरेन्द्रदत्त | 8 मास | 14 वर्ष |
| 4. | इन्द्रदत्त राजा | 8 मास | 18 वर्ष |
| 5. | पद्मराजा | 8 मास | 20 वर्ष |
| 6. | सोमदत्त | 8 मास | 6 महिना |
| 7. | महेन्द्र | 8 मास | 9 मिहना |
| 8. | सोमदत्त | 8 मास | 3 महिना |
| 9. | पुष्पराजा | 8 मास | 4 महिना |
| 10. | पुनर्वसु | 8 मास | 3 महिना |
| 11. | नंदराजा | 8 मास | 2 महिना |
| 12. | सुनंद | 8 मास | 1 महिना |
| 13. | जयराजा | 8 मास | 2 महिना |
| 14. | विजयराजा | 8 मास | 3 वर्ष |
| 15. | धर्मसिंह | 8 मास | 2 वर्ष |
| 16. | सुमित्रराजा | 8 मास | 1 वर्ष |
| 17. | व्याघ्रसिंह | 8 मास | 16 वर्ष |
| 18. | अपराजित | 8 मास | 3 वर्ष |
| 19. | विश्वसेन | 8 मास | 1 अहोरात्रि |
| 20. | ब्रह्मदत्त | 8 मास | 11 महिना |
| 21. | दत्त | 8 मास | 9 महिना |
| 22. | वरदत्त | 8 मास | 54 दिन |
| 23. | धन्य | 8 मास | 84 दिन |
| 24. | बहुल ब्राह्मण | 6 मास | 12 साल $6\frac{१}{२}$ मास |

| क्रम | 44<br>प्रभुका केवलज्ञान कल्याणक<br>तिथि मारवाडी | 45<br>केवलज्ञान कल्याणक<br>कौन से नगरमें | 46<br>केवलज्ञान<br>भूमि (वन) |
|---|---|---|---|
| 1. | फागण वद 11 | पुरिमताल | शकटमुख उद्यान |
| 2. | पोष सुद 11 | अयोध्या | सहस्राम्रवन |
| 3. | कार्तिक वद 5 | सावत्थी | सहस्राम्रवन |
| 4. | पोष सुद 14 | अयोध्या | सहस्राम्रवन |
| 5. | चैत्र सुद 11 | अयोध्या | सहस्राम्रवन |
| 6. | चैत्र सुद 15 | कौशांबी | सहस्राम्रवन |
| 7. | फागण वद 6 | बनारस | सहस्राम्रवन |
| 8. | फागण वद 7 | चंद्रपुरी | सहस्राम्रवन |
| 9. | कार्तिक सुद 3 | काकंदी | सहस्राम्रवन |
| 10. | पोष वद 14 | भद्दिलपुर | सहस्राम्रवन |
| 11. | महा वद 30 | सिंहपुरी | सहस्राम्रवन |
| 12. | महा सुद 2 | चंपापुरी | बिहार गृहवन |
| 13. | पोष सुद 6 | कंपिल पुर | सहस्राम्रवन |
| 14. | वैशाख वद 14 | अयोध्या | सहस्राम्रवन |
| 15. | पोष सुद 15 | रत्नपुरी | वप्रकाचनवन |
| 16. | पोष सुद 9 | हस्तिनापुर (गजपुर) | सहस्राम्रवन |
| 17. | चैत्र सुद 3 | हस्तिनापुर (गजपुर) | सहस्राम्रवन |
| 18. | कार्तिक सुद 12 | हस्तिनापुर (गजपुर) | सहस्राम्रवन |
| 19. | मागसर सुद 12 | मिथिला | उद्यान |
| 20. | फागण सुद 12 | राजगृही | राजगृही का उद्यान |
| 21. | मागसर सुद 11 | मिथिला | मिथिला का उद्यान |
| 22. | आसो वद 30 | गिरनार (रैवतगीरी) | रैवतगीरी का उद्यान |
| 23. | चैत्र वद 4 | बनारस (वाराणसी) | वाराणसी का उद्यान |
| 24. | वैशाख सुद 10 | ऋजुवालिका (नदीतट) | ऋजुवालिका नदीतट |

| क्रम | 47<br>केवलज्ञान<br>वृक्ष | 48<br>केवलज्ञान<br>वृक्ष उंचाई | 49<br>केवलज्ञान<br>तप |
|---|---|---|---|
| 1. | वटवृक्ष (वट न्यग्रोध) | तीस कोस (तीन गाउ) | अट्ठम तप |
| 2. | सप्तपर्ण (शाल) | दो गाउ (1400 धनुष्य) | छट्ठ तप |
| 3. | शाल (प्रियाल) | दो गाउ (800 धनुष्य) | छट्ठ तप |
| 4. | प्रियंगु (रायण) | दो गाउ (800 धनुष्य) | छट्ठ तप |
| 5. | छत्र (प्रियंगु) | 1 गाउ | छट्ठ तप |
| 6. | वटवृक्ष (छत्र) | $1\frac{१}{२}$ गाउ | छट्ठ तप |
| 7. | शिरिष (नाग) | 1 कोस (400 धनुष्य) | छट्ठ तप |
| 8. | पुन्नाग | 1800 धनुष्य | छट्ठ तप |
| 9. | मल्लि (मालुर) | 1200 धनुष्य | छट्ठ तप |
| 10. | प्रियंगु | 1080 धनुष्य | छट्ठ तप |
| 11. | तिंदुक | 660 धनुष्य | छट्ठ तप |
| 12. | पाटल | 840 धनुष्य | चतुर्थ भक्त |
| 13. | जंबु | 720 धनुष्य | छट्ठ तप |
| 14. | पीपल | 600 धनुष्य | छट्ठ तप |
| 15. | दधिपर्ण | 540 धनुष्य | छट्ठ तप |
| 16. | नंदीवृक्ष | 480 धनुष्य | छट्ठ तप |
| 17. | तिलक | 420 धनुष्य | छट्ठ तप |
| 18. | आम्र | 360 धनुष्य | छट्ठ तप |
| 19. | अशोक | 300 धनुष्य | अट्ठम तप |
| 20. | चंपक | 240 धनुष्य | छट्ठ तप |
| 21. | बकुल | 180 धनुष्य | छट्ठ तप |
| 22. | वेतस | 120 धनुष्य | छट्ठ तप |
| 23. | घातकी | 27 धनुष्य | अट्ठम तप |
| 24. | शाल | 21 धनुष्य | छट्ठ तप |

| क्रम | 50<br>प्रभु के प्रथम<br>गणधर का नाम | 51<br>प्रभु के प्रथम<br>साध्वीजी का नाम | 52<br>प्रभु के<br>भक्त राजा |
|---|---|---|---|
| 1. | पुंडरिक | ब्राह्मी | भरत चक्रवर्ती |
| 2. | सिंहसेन | फाल्गुनी | सगर चक्रवर्ती |
| 3. | चारु | श्यामा | मृगसेन राजा |
| 4. | वज्रनाभ | अजिता | मित्रवीर्य राजा |
| 5. | चरमगणि | काश्यपी | सत्यवीर्य राजा |
| 6. | सुद्योत (सुव्रत) | रति | अजितसेन राजा |
| 7. | विदर्भ | सोमा | दानवीर्य राजा |
| 8. | दत्त | सुमना | मघवा चक्रवर्ती |
| 9. | वराहक | वारुणी | युद्धवीर्य राजा |
| 10. | आनंद | सुयशा (सुलसा) | सीमंधर राजा |
| 11. | कच्छप (गोशुभ) | धारणी | त्रिपुष्ठ वासुदेव |
| 12. | सुक्ष्म | धरणी | त्रिपुष्ठ वासुदेव |
| 13. | मंदर | धरा | स्वयंभू वासुदेव |
| 14. | यश | पद्मा | पुरुषोत्तम वासुदेव |
| 15. | अरिष्ट | शिवा | पुरुष वासुदेव |
| 16. | चक्रायुध | भाविता (शुचि) | कोलाणख राजा |
| 17. | स्वयंभू | रक्षिका (दामिनी) | कुबेर नृपति |
| 18. | कुंभ | रक्षिता | सुभुम चक्रवर्ती |
| 19. | भिषक | बंधुमती | अजित राजा |
| 20. | इन्द्र | पुष्पवती | विजयमहनृप |
| 21. | कुंभ | अनीला | हरिषेण चक्रवर्ती |
| 22. | वरदत्त | अक्षदिन्ना | श्रीकृष्ण वासुदेव |
| 23. | आर्यदत्त | पुष्पचुला | प्रसेनजित राजा |
| 24. | इन्द्रभूति | चंदनबाला | श्रेणिक राजा |

| क्रम | 53<br>प्रभु के<br>गणधर संख्या | 54<br>प्रभु के साधु<br>भ. की संख्या | 55<br>प्रभु के साध्वीजी<br>भ. की संख्या |
|---|---|---|---|
| 1. | 84 | 84,000 | 3,00,000 |
| 2. | 95 | 1,00,000 | 3,30,000 |
| 3. | 102 | 2,00,000 | 3,36,000 |
| 4. | 116 | 3,00,000 | 6,30,000 |
| 5. | 100 | 3,20,000 | 5,30,000 |
| 6. | 107 | 3,30,000 | 4,20,000 |
| 7. | 95 | 3,00,000 | 4,30,000 |
| 8. | 93 | 2,50,000 | 3,80,000 |
| 9. | 88 | 2,00,000 | 1,70,000 |
| 10. | 81 | 1,00,000 | 1,06,000 |
| 11. | 76 | 84,000 | 1,03,000 |
| 12. | 66 | 72,000 | 1,00,000 |
| 13. | 57 | 68,000 | 1,08,000 |
| 14. | 50 | 66,000 | 62,000 |
| 15. | 43 | 64,000 | 62,000 |
| 16. | 36 | 62,000 | 61,600 |
| 17. | 35 | 60,000 | 60,600 |
| 18. | 33 | 50,000 | 60,000 |
| 19. | 28 | 40,000 | 55,000 |
| 20. | 18 | 30,000 | 50,000 |
| 21. | 17 | 20,000 | 41,000 |
| 22. | 11 | 18,000 | 40,000 |
| 23. | 10 | 16,000 | 38,000 |
| 24. | 11 | 14,000 | 36,000 |

| क्रम | 56<br>प्रभु के<br>श्रावक संख्या | 57<br>प्रभु की<br>श्राविका संख्या | 58<br>केवलज्ञानी |
|---|---|---|---|
| 1. | 3,50,000 | 5,54,000 | 20,000 |
| 2. | 2,98,000 | 5,45,000 | 22,000 |
| 3. | 2,93,000 | 6,36,000 | 15,000 |
| 4. | 2,88,000 | 5,27,000 | 14,000 |
| 5. | 2,81,000 | 5,16,000 | 13,000 |
| 6. | 2,76,000 | 5,05,000 | 12,000 |
| 7. | 2,57,000 | 4,93,000 | 11,000 |
| 8. | 2,50,000 | 4,91,000 | 10,000 |
| 9. | 2,29,000 | 4,71,000 | 7,500 |
| 10. | 2,89,000 | 4,58,000 | 7,000 |
| 11. | 2,79,000 | 4,48,000 | 6,500 |
| 12. | 2,15,000 | 4,36,000 | 6,000 |
| 13. | 2,08,000 | 4,34,000 | 5,500 |
| 14. | 2,06,000 | 4,14,000 | 5000 |
| 15. | 2,40,000 | 4,13,000 | 4,500 |
| 16. | 2,90,000 | 3,93,000 | 4,300 |
| 17. | 1,79,000 | 3,81,000 | 3,200 |
| 18. | 1,84,000 | 3,72,000 | 2,800 |
| 19. | 1,83,000 | 3,70,000 | 2,200 |
| 20. | 1,72,000 | 3,50,000 | 1,800 |
| 21. | 1,70,000 | 3,48,000 | 1,600 |
| 22. | 1,69,000 | 3,39,000 | 1,500 |
| 23. | 1,64,000 | 3,77,000 | 1,000 |
| 24. | 1,59,000 | 3,18,000 | 700 |

| क्रम | 59<br>मनः पर्यवज्ञानी | 60<br>अवधिज्ञानी | 61<br>चतुर्दश पूर्वी |
|---|---|---|---|
| 1. | 12,750 | 9,000 | 4,750 |
| 2. | 12,550 | 9,400 | 3,720 |
| 3. | 12,150 | 9,600 | 2,150 |
| 4. | 11,650 | 9,800 | 1,500 |
| 5. | 10,450 | 11,000 | 2,400 |
| 6. | 10,300 | 10,000 | 2,300 |
| 7. | 9,000 | 9,000 | 2,030 |
| 8. | 8,000 | 8,000 | 2,000 |
| 9. | 7,500 | 8,400 | 1,500 |
| 10. | 7,500 | 7,200 | 1,400 |
| 11. | 6,000 | 6,000 | 1,300 |
| 12. | 6,000 | 5,400 | 1,200 |
| 13. | 5,500 | 4,800 | 1,100 |
| 14. | 5,000 | 4,300 | 1,000 |
| 15. | 4,500 | 3,600 | 900 |
| 16. | 4,000 | 3,000 | 800 |
| 17. | 3,340 | 2,500 | 670 |
| 18. | 2,551 | 2,600 | 610 |
| 19. | 1,750 | 2,200 | 668 |
| 20. | 1,500 | 1,800 | 500 |
| 21. | 1,208 | 1,600 | 450 |
| 22. | 1,000 | 1,500 | 400 |
| 23. | 750 | 1,400 | 350 |
| 24. | 700 | 1,300 | 300 |

| क्रम | 62<br>वैक्रियलब्धि धारी | 63<br>वादी धारी मुनी | 64<br>प्रभु के समय में महाव्रत की संख्या |
|---|---|---|---|
| 1. | 20,600 | 12,650 | 5 महाव्रत |
| 2. | 20,400 | 12,400 | 4 महाव्रत |
| 3. | 19,800 | 12,000 | 4 महाव्रत |
| 4. | 19,000 | 11,000 | 4 महाव्रत |
| 5. | 18,400 | 10,450 | 4 महाव्रत |
| 6. | 16,108 | 9,600 | 4 महाव्रत |
| 7. | 15,300 | 8,400 | 4 महाव्रत |
| 8. | 14,000 | 7,600 | 4 महाव्रत |
| 9. | 13,000 | 6,000 | 4 महाव्रत |
| 10. | 12,000 | 5,800 | 4 महाव्रत |
| 11. | 11,000 | 5,000 | 4 महाव्रत |
| 12. | 10,000 | 4,700 | 4 महाव्रत |
| 13. | 9,000 | 3,600 | 4 महाव्रत |
| 14. | 8,000 | 3,200 | 4 महाव्रत |
| 15. | 7,000 | 2,800 | 4 महाव्रत |
| 16. | 6,000 | 2,400 | 4 महाव्रत |
| 17. | 5,100 | 2,000 | 4 महाव्रत |
| 18. | 7,300 | 1,600 | 4 महाव्रत |
| 19. | 2,900 | 1,400 | 4 महाव्रत |
| 20. | 2,000 | 1,200 | 4 महाव्रत |
| 21. | 5,000 | 1,000 | 4 महाव्रत |
| 22. | 1,500 | 800 | 4 महाव्रत |
| 23. | 1,100 | 600 | 4 महाव्रत |
| 24. | 700 | 1,400 | 5 महाव्रत |

| क्रम | 65<br>प्रभु का<br>दीक्षा काल | 66<br>प्रभु का<br>केवलज्ञान काल | 67<br>आयुष्य |
|---|---|---|---|
| १. | १ लाख पूर्व | १ लाख पूर्व में १ पूर्वांग कम | ८४,००,००० पूर्व |
| २. | १ लाख पूर्व में १ पूर्वांग कम | १ लाख पूर्व १ पूर्वांग एवं १२ वर्ष कम | ७२,००,००० पूर्व |
| ३. | १ लाख पूर्व में ४ पूर्वांग कम | १ लाख पूर्व में १ पूर्वांग एवं १४ वर्ष कम | ६०,००,००० वर्ष |
| ४. | १ लाख पूर्वप में ८ पूर्वांग कम | १ लाख पूर्व में ८ पूर्वांग एवं ८ वर्ष कम | ५०,००,००० वर्ष |
| ५. | १ लाख पूर्व में १२ पूर्वांग कम | १ लाख पूर्व में १२ पूर्वांग एवं २० वर्ष कम | ४०,००,००० वर्ष |
| ६. | १ लाख पूर्व में १६ पूर्वांग कम | १ लाख पूर्व में १६ पूर्वांग एवं ६ मास कम | ३०,००,००० वर्ष |
| ७. | १ लाख पूर्व में २० पूर्वांग कम | १ लाख पूर्व में २० पूर्वांग एवं ९ मास कम | २०,००,००० वर्ष |
| ८. | १ लाख पूर्व में २४ पूर्वांग कम | १ लाख पूर्व में २४ पूर्वांग एवं ४ मास कम | १०,००,००० वर्ष |
| ९. | १ लाख पूर्व में २८ पूर्वांग कम | १ लाख पूर्व में २८ पूर्वांग एवं ४ मास कम | २,००,००० पूर्व |
| १०. | २५,००० पूर्व | २५,००० वर्ष में ३ मास कम | १,००,००० पूर्व |
| ११. | २१,००,००० वर्ष | २१ लाख वर्ष में २ मास कम | ८४,००,००० वर्ष |
| १२. | ५४,००,००० वर्ष | ५४ लाख वर्ष में १ मास कम | ७२,००,००० वर्ष |
| १३. | १५,००,००० वर्ष | १५ लाख वर्ष में २ साल कम | ६०,००,००० वर्ष |
| १४. | ७,५०,००० वर्ष | $\frac{१}{२}$ लाख वर्ष में ३ साल कम | ३०,००,००० वर्ष |
| १५. | २,५०,००० वर्ष | $\frac{१}{२}$ लाख वर्ष में २ साल कम | १०,००,००० वर्ष |
| १६. | २५,००० वर्ष | २४९९९ वर्ष | १,००,००० वर्ष |
| १७. | २३,७५० वर्ष | २३७२४ वर्ष | ९५,००० वर्ष |
| १८. | २१,००० वर्ष | २१ हजार वर्ष में ३ साल कर्म | ८४,००० वर्ष |
| १९. | ५,१०० वर्ष | ५५ हजार वर्ष में १०० साल कम | ५५,००० वष |
| २०. | ७,५०० वर्ष | $\frac{१}{२}$ हजार वर्ष में ११ मास कम | ३०,००० वर्ष |
| २१. | २,५०० वर्ष | $\frac{१}{२}$ हजार वर्ष में ९ मास कम | १०,००० वर्ष |
| २२. | ७०० वर्ष | ७०० वर्ष में ५४ दिन कम | १,००० वर्ष |
| २३. | ७० वर्ष | ७० वर्ष में ८४ दिन कम | १०० वर्ष |
| २४. | ४२ वर्ष | ४२ वर्ष में १२ $\frac{१}{२}$ वर्ष कम | ७२ वर्ष |

| क्रम | 74<br>कितने के साथ मोक्ष | 75<br>निर्वाण समय | 76<br>दो तीर्थंकर का अंतरकाल |
|---|---|---|---|
| 1. | 10,000 | दिन के पहले भाग में | 18 कोडाकोडी सागर में 168 लाख पूर्व वर्ष 5 मास न्यून |
| 2. | 1,000 | दिन के पहले भाग में | 50 लाख कोटी सागरोपम |
| 3. | 1,000 | दिन के पिछले भाग में | 30 लाख कोटी सागरोपम |
| 4. | 1,000 | दिन के प्रथम प्रहर | 10 लाख कोटी सागरोपम |
| 5. | 1,000 | दिन के प्रथम प्रहर | 9 लाख कोटी सागरोपम |
| 6. | 308 | दिन के अंतिम प्रहर | 90 हजार कोटी सागरोपम |
| 7. | 500 | दिन के प्रथम प्रहर | 9 हजार कोटी सागरोपम |
| 8. | 1,000 | दिन के प्रथम प्रहर | 900 करोड सागरोपम |
| 9. | 1,000 | दिन के अंतिम प्रहर | 90 करोड सागरोपम |
| 10. | 1,000 | दिन के प्रथम प्रहर | 9 करोड सागरोपम |
| 11. | 1,000 | दिन के प्रथम प्रहर | 1 करोड सागरोपम में 100 सागरोपम व 66,26000 वर्ष न्यून |
| 12. | 600 | दिन के अंतिम प्रहर | 54 सागरोपम |
| 13. | 6,000 | रात्रि के प्रथम प्रहर | 54 सागरोपम |
| 14. | 7,000 | रात्रि के प्रथम प्रहर | 9 सागरोपम |
| 15. | 109 | रात्रि के अंतिम प्रहर | 4 सागरोपम |
| 16. | 900 | रात्रि के प्रथम प्रहर | 3 सागरोपम में 3/4 पल्यन्युन |
| 17. | 1,000 | रात्रि के प्रथम प्रहर | $\frac{१}{२}$ पल्योपम |
| 18. | 1,000 | रात्रि के अंतिम प्रहर | $\frac{१}{४}$ पल्योपम में हजार करोड वर्ष कम |
| 19. | 500 | रात्रि के प्रथम प्रहर | 1 हजार कोटी वर्ष |
| 20. | 1,000 | रात्रि के प्रथम प्रहर | 54 लाख वर्ष |
| 21. | 1,000 | रात्रि के प्रथम प्रहर | 6 लाख वर्ष |
| 22. | 536 | रात्रि के अंतिम प्रहर | 5 लाख वर्ष |
| 23. | 33 | रात्रि के प्रथम प्रहर | 83750 वर्ष |
| 24. | अकेले | रात्रि के मध्यम प्रहर | 250 वर्ष |

| क्रम | 77<br>प्रभु का समवसरण की रचना | 78<br>प्रथम देशना का विषय | 79<br>प्रभुके शासनमें नये तीर्थंकर भ.के आत्मा |
|---|---|---|---|
| 1. | 48 कोश (144 कि.मी.) | यतिधर्म एवं श्रावक धर्म | मरिचि |
| 2. | 46 कोस (138 कि.मी.) | धर्मध्यान के चार पाया | – |
| 3. | 44 कोस (132 कि.मी.) | अनित्य भावना | – |
| 4. | 42 कोस(126 कि.मी.) | अशरण भावना | – |
| 5. | 40 कोस (120 कि.मी.) | एकत्व भावना | – |
| 6. | 38 कोस(114 कि.मी.) | संसार भावना | – |
| 7. | 36 कोस(108 कि.मी.) | अन्यत्व भावना | वर्मा राजा |
| 8. | 34 कोस (102 कि.मी.) | अशुची भावना | – |
| 9. | 32 कोस (96 कि.मी.) | आश्रव भावना | – |
| 10. | 30 कोस (90 कि.मी.) | संवर भावना | हरिषेण-विश्वभूति |
| 11. | 28 कोस (84 कि.मी.) | निर्जरा भावना | श्रीकेतु-त्रिपुष्ठधन् मरुभूति-श्रीकेतु-अमिततेज |
| 12. | 26 कोस (78 कि.मी.) | धर्म भावना | नंद-नंदन-शंख-सिद्धार्थ |
| 13. | 24 कोस (72 कि.मी.) | बोधिदुर्लभ भावना | – |
| 14. | 22 कोस (66 कि.मी.) | लोक भावना | – |
| 15. | 20 कोस (60 कि.मी.) | मोक्ष का उपाय | – |
| 16. | 18 कोस (54 कि.मी.) | इन्द्रियों का विजय | – |
| 17. | 16 कोस (48 कि.मी.) | मनःशुद्धि | – |
| 18. | 14 कोस (42 कि.मी.) | रागद्वेष मोह पर विजय | – |
| 19. | 12 कोस (36 कि.मी.) | सामायिक के उपर | – |
| 20. | 10 कोस (30 कि.मी.) | यतिधर्म एवं श्रावक धर्म | श्रीवर्मा-रावण-नारद |
| 21. | 8 कोस (24 कि.मी.) | श्रावक करणी | – |
| 22. | 6 कोस (15 कि.मी.) | चार महाविगई के पर | श्रीकृष्ण |
| 23. | 5 कोस (12 कि.मी.) | 12 व्रत 15 कर्मा दान के वर्णन | अंबड-सत्यकी-आनंद |
| 24. | 4 कोस (1 योजन) | यतिधर्म गृहस्थ धर्म गणधर वाद | श्रेणीक सुपार्श्व पोटील उदायी-दृढायु-शंख शतक-सुलसा-रेवती |

| क्रम | 68<br>मोक्ष कल्याणक<br>तिथि मारवाडी | 69<br>मोक्ष कल्याणक<br>कौन से नगर में | 70<br>निर्वाण नक्षत्र |
|---|---|---|---|
| 1. | महा वद 13 | अष्टापद पर्वत | अभिजित |
| 2. | चैत्र सुद 5 | सम्मेत शिखर | मृगशीर्ष |
| 3. | चैत्र सुद 5 | सम्मेत शिखर | आद्रा |
| 4. | वैशाख सुद 8 | सम्मेत शिखर | पुष्य |
| 5. | चैत्र सुद 9 | सम्मेत शिखर | पुनर्वसु |
| 6. | मागसर वद 11 | सम्मेत शिखर | चित्रा |
| 7. | फागण वद 7 | सम्मेत शिखर | मूला |
| 8. | भादरवा वद 8 | सम्मेत शिखर | श्रवण |
| 9. | भादरवा सुद 9 | सम्मेत शिखर | मूला |
| 10. | वैशाख वद 2 | सम्मेत शिखर | पूर्वषाढा |
| 11. | श्रावद वद 3 | सम्मेत शिखर | धनिष्ठा |
| 12. | आषाढ सुद 14 | चंपापुरी | उत्तर भाद्रपद |
| 13. | आषाढ वद 7 | सम्मेत शिखर | रेवती |
| 14. | चैत्र सुद 5 | सम्मेत शिखर | रेवती |
| 15. | जेठ सुद 5 | सम्मेत शिखर | पुष्य |
| 16. | जेठ वद 13 | सम्मेत शिखर | भरणी |
| 17. | वैशाख वद 1 | सम्मेत शिखर | कृत्तिका |
| 18. | मागसर सुद 10 | सम्मेत शिखर | रेवती |
| 19. | फागण सुद 12 | सम्मेत शिखर | अश्विनी |
| 20. | जैठ वद 9 | सम्मेत शिखर | श्रवण |
| 21. | वैशाख वद 10 | सम्मेत शिखर | अश्विनी |
| 22. | आषाढ सुद 8 | गिरनार | चित्रा |
| 23. | श्रावण सुद 8 | सम्मेत शिखर | विशाखा |
| 24. | कार्तिक वद 30 | पावापुरी | स्वाति |

| क्रम | 71<br>निर्वाण राशि | 72<br>निर्वाण आसन | 73<br>निर्वाण समय तप |
|---|---|---|---|
| 1. | मकर | पद्मासन | छ उपवास (चउद भक्त) |
| 2. | वृषभ | कार्योत्सर्ग | एक मास |
| 3. | मिथुन | कार्योत्सर्ग | एक मास |
| 4. | कर्क | कार्योत्सर्ग | एक मास |
| 5. | कर्क | कार्योत्सर्ग | एक मास |
| 6. | कन्या | कार्योत्सर्ग | एक मास |
| 7. | वृश्चिक | कार्योत्सर्ग | एक मास |
| 8. | वृश्चिक | कार्योत्सर्ग | एक मास |
| 9. | धन | कार्योत्सर्ग | एक मास |
| 10. | धन | कार्योत्सर्ग | एक मास |
| 11. | कुंभ | कार्योत्सर्ग | एक मास |
| 12. | मीन | कार्योत्सर्ग | एक मास |
| 13. | मीन | कार्योत्सर्ग | एक मास |
| 14. | मीन | कार्योत्सर्ग | एक मास |
| 15. | कर्क | कार्योत्सर्ग | एक मास |
| 16. | मेष | कार्योत्सर्ग | एक मास |
| 17. | वृषभ | कार्योत्सर्ग | एक मास |
| 18. | मीन | कार्योत्सर्ग | एक मास |
| 19. | मेष | कार्योत्सर्ग | एक मास |
| 20. | मकर | कार्योत्सर्ग | एक मास |
| 21. | मेष | कार्योत्सर्ग | एक मास |
| 22. | तुला | पद्मासन | एक मास |
| 23. | तुला | कार्योत्सर्ग | एक मास |
| 24. | तुला | पद्मासन | छठ्ठ तप |

| क्रम | 80<br>प्रभु के यक्ष<br>के नाम | 81<br>प्रभु की<br>यक्षिणी का नाम | 82<br>प्रभु के<br>यक्ष का वाहन |
|---|---|---|---|
| 1. | गोमुख | चक्रेश्वरी | हाथी |
| 2. | महायक्ष | अजिता | हाथी |
| 3. | त्रिमुख | दुरितारी | मयुर |
| 4. | यक्षेश्वर | कालिका | हाथी |
| 5. | तुंबरु | महाकाली | गरुड (मृग) |
| 6. | कुसुम | अच्युता | गरुड़ |
| 7. | मातंग | शान्ता | हाथी |
| 8. | विजय | भ्रुकुटि | हंस |
| 9. | अजित | सुतारका(सुतारा) | काचबो |
| 10. | ब्रह्म | अशोका | पद्म |
| 11. | ईश्वर (मनुज) | मानवी | बैल |
| 12. | कुमार | चंदा | हंस |
| 13. | षण्मुख | वदिता | मयुर |
| 14. | पाताल | अंकुशा | मगर |
| 15. | किन्नर | कंदर्पा | काचबो |
| 16. | गरुड | निर्वाणी | सूअर |
| 17. | गंधर्व | बलदेवी | हंस |
| 18. | यक्षराजा | धारिणी | शंख |
| 19. | कुबेर | वैरोट्या | हाथी |
| 20. | वरुण | दत्ता | बैल |
| 21. | भ्रुकुटि | गांधारी | बैल |
| 22. | गोमेघ | अंबिका | पुरुष |
| 23. | पार्श्व | पद्मावती | कच्छुआ |
| 24. | मातंग | सिद्धायिका | हाथी |

| क्रम | 83<br>प्रभु के यक्षिणी<br>का वाहन | 84<br>प्रभु के यक्ष<br>का वर्ण | 85<br>प्रभु की<br>यक्षिणी का वर्ण |
|---|---|---|---|
| 1. | गरुड | सुवर्ण | सुवर्ण |
| 2. | गाय | श्याम | सुवर्ण |
| 3. | मेष | श्याम | गौरवर्ण |
| 4. | पद्म | श्याम | श्याम |
| 5. | पद्म | श्वेत | सुवर्ण |
| 6. | मनुष्य | नील | श्याम |
| 7. | हाथी | श्याम | सुवर्ण |
| 8. | हंस | पीला | पीला |
| 9. | बैल | श्वेत | गौरवर्ण |
| 10. | पद्म | श्वेत | नील |
| 11. | सिंह | श्वेत | गौरवर्ण |
| 12. | घोडा | श्वेत | श्याम |
| 13. | पद्म | श्वेत | हरिताल |
| 14. | पद्म | रक्त वर्ण | गौरवर्ण |
| 15. | मच्छ | रक्त वर्ण | गौरवर्ण |
| 16. | पद्म | श्याम | गौरवर्ण |
| 17. | मयुर | श्याम | गौरवर्ण |
| 18. | पद्म | श्याम | नीलवर्ण |
| 19. | पद्म | इंद्र धनुष्य जैसा | कृष्णवर्ण |
| 20. | भद्रासन | श्वेतवर्ण | गौरवर्ण |
| 21. | हंस | सुवर्ण | श्वेतवर्ण |
| 22. | सिंह | श्यामवर्ण | सुवर्ण |
| 23. | कुर्कट सर्प | कृष्ण वर्ण | सुवर्ण |
| 24. | सिंह | श्यामवर्ण | श्यामवर्ण |

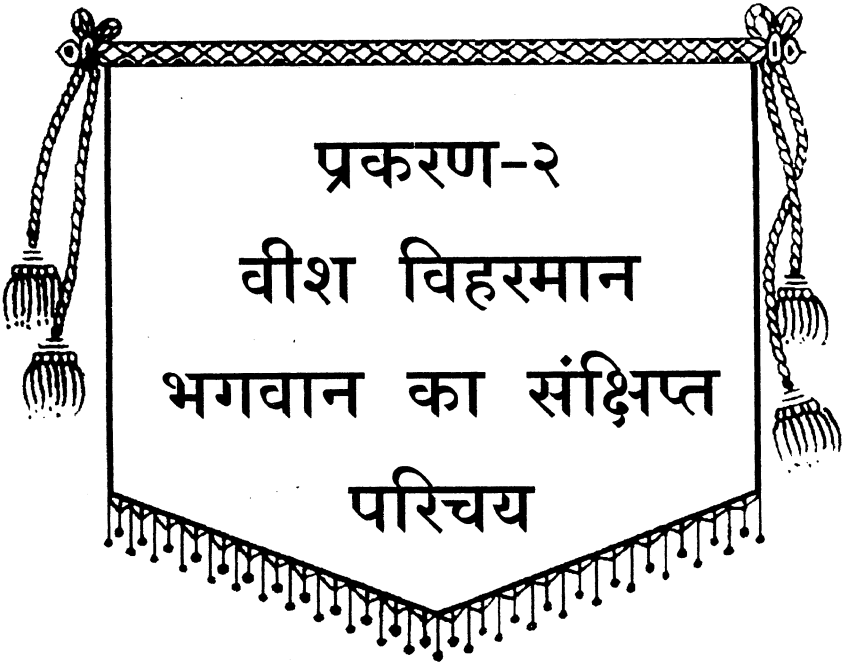

# प्रकरण-२
# वीश विहरमान भगवान का संक्षिप्त परिचय

| क्रम | 86<br>विहरमान तीर्थंकर<br>भ.का नाम | 87<br>विहरमान तीर्थंकर<br>भ.के माताका नाम | 88<br>विहरमान तीर्थंकर<br>भ.के पिताका नाम |
|---|---|---|---|
| 1. | सिमंधर स्वामी | सत्यकी | श्रेयांस |
| 2. | युगमंधर स्वामी | सुतारा | सुदृढ |
| 3. | बाहु स्वामी | विजया | सुग्रीव |
| 4. | सुबाहु स्वामी | सुनंदा | निषेध |
| 5. | सुजात स्वामी | देवसेना | देवसेन |
| 6. | स्वयंप्रभ स्वामी | सुमंगला | चित्रभूति |
| 7. | ऋषभानन स्वामी | वीरसेना | किर्तिराजा |
| 8. | अनंतवीर्य स्वामी | मंगलावती | मेघराजा |
| 9. | सुरप्रभ स्वामी | विजयावती | विजयसेन |
| 10. | विशालप्रभ स्वामी | भद्रावती | नागराजा |
| 11. | वज्रधर स्वामी | सरस्वती | पद्मरथ |
| 12. | चंद्रानन स्वामी | पद्मावती | वाल्मिल |
| 13. | चंद्रबाहु स्वामी | रेणुका | देवानंद (देवकर) |
| 14. | भूजंगदेव स्वामी | यशोज्वला | महाबल |
| 15. | ईश्वर स्वामी | महिमा | वज्रसेन |
| 16. | नेमिप्रभ स्वामी | सेनादेवी | वीरराज |
| 17. | वीरसेन स्वामी | भानुमति | भूमिपाल |
| 18. | महाभद्र स्वामी | उमादेवी | देवसेन (देवराज) |
| 19. | देवसेन स्वामी | गंगादेवी | सर्वानुभूति |
| 20. | अनंतवीर्य स्वामी | कानिका (कननी) | राजपाल |

| क्रम | 89<br>वीश विहरमान भ. की पत्नीका नाम | 90<br>वीश विहरमान भ. की नगरी का नाम | 91<br>वीश विहरमान भ. के लांछन |
|---|---|---|---|
| 1. | रुक्मणी | पुंड़रिकिणी | वृषभ |
| 2. | प्रियमंगला (प्रियगंमा) | सुशीमा | गजराज |
| 3. | मोहिनी | वितशोका | मृग |
| 4. | किंपुरिसा | विजया | वांदरो (वानर) |
| 5. | जयसेना | पुंडरिकिणी | सूर्य |
| 6. | वीरसेना (प्रियसेना) | सुशीमा | चन्द्र |
| 7. | विजयावती (कुंतीदेवी) | वितशोका | सिंह |
| 8. | जयवंती | विजया | बकरो |
| 9. | नंदसेना (निर्मला) | पुंडरिकिणी | सूर्य |
| 10. | विमलादेवी | सुशीमा | चन्द्र |
| 11. | विजयावती | वितशोका | वृषभ |
| 12. | लीलादेवी | विजया | वृषभ |
| 13. | सुगंधादेवी | पुंडरिकिणी | पद्मकमल |
| 14. | गंधसेना (गर्वसेना) | सुशीमा | चन्द्र |
| 15. | भद्रावती | वितशोका | पद्मकमल |
| 16. | मोहिनी | विजया | सूर्य |
| 17. | राजसेना | पुंडरिकिणी | ऋषभ |
| 18. | सुरकान्ता | सुशीमा | हाथी |
| 19. | पद्मावती | वितशोका | चन्द्र |
| 20. | रत्नावती (रत्नमाला) | विजया | स्वस्तिक |

| क्रम | 92<br>विहरमान भ. के मेरु पर्वत | 93<br>विहरमान भ. के द्विप एवं क्षेत्रका नाम | 94<br>विहरमान भ. के विजया का नाम |
|---|---|---|---|
| 1. | सुदर्शन मेरु | जंबुद्वीप (पूर्व महाविदेह) | 8वी पुष्कलावती |
| 2. | सुदर्शन मेरु | जंबुद्वीप (पश्चिम महाविदेह) | 25 वी वप्रा |
| 3. | सुदर्शन मेरु | जंबुद्वीप (पूर्व महाविदेह) | 9 वच्छ (वत्स) |
| 4. | सुदर्शन मेरु | जंबुद्वीप (पश्चिम महाविदेह) | 24 नलीनावती |
| 5. | विजय मेरु | घातकी खंड पूर्वार्ध (पूर्व महा) | 8वी पुष्कलावती |
| 6. | विजय मेरु | घातकी खंड पूर्वार्ध (पश्चिम महा) | 25 वी वप्रा |
| 7. | विजय मेरु | घातकी खंड पूर्वार्ध (पूर्व महा) | 9वी वच्छ |
| 8. | विजय मेरु | घातकी खंड पूर्वार्ध (पश्चिम महा) | 24वी नलिनावती |
| 9. | अचल मेरु | पश्चिम घातकी खंड (पूर्व महा) | 8वी पुष्कलावती |
| 10. | अचल मेरु | पश्चिम घातकी खंड (पश्चिम महा) | 25 वी वप्रा |
| 11. | अचल मेरु | पश्चिम घातकी खंड (पूर्व महा) | 9वी वच्छ |
| 12. | अचल मेरु | पश्चिम घातकी खंड (पश्चिम महा) | 24वी नलिनवती |
| 13. | पुष्कर (मन्दर) | पूर्व पुष्करार्ध (पश्चिम महा) | 8वी पुष्पकलावती |
| 14. | पुष्कर (मन्दर) | पूर्व पुष्करार्ध (पूर्व महा) | 25 वी वप्रा |
| 15. | पुष्कर (मन्दर) | पूर्व पुष्करार्ध (पश्चिम महा) | 9वी वच्छ |
| 16. | पुष्कर (मन्दर) | पश्चिम पुष्करार्ध (पूर्व महा) | 24वी नलिनवती |
| 17. | विद्युन्माली मेरु | पश्चिम पुष्कराद्ध (पूर्व महा) | 8वी पुष्कलावती |
| 18. | विद्युन्माली मेरु | पश्चिम पुष्करार्ध (पश्चिम महा) | 25वी वप्रा |
| 19. | विद्युन्माली मेरु | पश्चिम पुष्करार्ध (पूर्व महा) | 9वी वच्छ |
| 20. | विद्युन्माली मेरु | | 24 वी नलिनवती |

# वीश विहरमान की विशेष जानकारी

| | | |
|---|---|---|
| प्रत्येक विहरमान का शरीर प्रमाण | - | 500 धनुष् |
| प्रत्येक विहरमान का गृहस्थावास | - | 83,00,000 पूर्व |
| प्रत्येक विहरमान का दीक्षा वृक्ष | - | अशोकवृक्ष |
| प्रत्येक विहरमान का च्यवन क. | - | श्रावण वदी-5 (मा.) |
| प्रत्येक विहरमान का जन्म क. | - | वैशाखवदी-10 (मा.) |
| प्रत्येक विहरमान का दीक्षा क. | - | फागणसुद-10 |
| प्रत्येक विहरमान की छद्मस्थ अ. | - | 1,000 पूर्व |
| प्रत्येक विहरमान का केवलज्ञान क. | - | चैत्र सुद-13 |
| प्रत्येक विहरमान के गणधर | - | 84 |
| प्रत्येक विहरमान के केवलज्ञानी | - | दसलाख |
| प्रत्येक विहरमान के साधु | - | 100 क्रोड़ |
| प्रत्येक विहरमान के साध्वीजी | - | 100 क्रोड़ |
| प्रत्येक विहरमान के श्रावक | - | 900 क्रोड़ |
| प्रत्येक विहरमान के श्राविका | - | 1 लाख पूर्व |
| प्रत्येक विहरमान का निर्वाण क. | - | श्रावण सुद-3 |
| प्रत्येक विहरमान का सर्वायु | - | 84 लाख पूर्व |

## भावी चोवीशी

| क्रम | तीर्थंकर भ. के नाम | किसका जीव था | लांछन | राशि |
|---|---|---|---|---|
| 1. | पद्मनाभ | श्रेणीक महाराज का | केसरी सिंह | कन्या |
| 2. | शूरदेव | वीरप्रभु का काका सुपार्श्व | नील सर्प | तुला |
| 3. | सुपार्श्वजी | वीरप्रभु का श्रावक पोट्टील | शंख | कन्या |
| 4. | स्वयंप्रभ | द्रढायु का जीव | नीलकमल | मेष |
| 5. | सर्वानुभूति | कार्तिक शेठ का जीव | काचबो | मकर |
| 6. | देवश्रुत | शंख नाम के श्रावक | कुंभकलश | मेष |
| 7. | उदयनाथ | नंद का जीव | नंदावर्त | मीन |
| 8. | पेढालनाथ | सुनंद का जीव | छाग-बोकडो | वृषभ |
| 9. | पोटिलनाथ | कैकसी का जीव | हरिण | मेष |
| 10. | शतकीर्ति | शतक श्रावक का जीव | वज्र | कर्क |
| 11. | सुव्रतजिन | सत्यकी का जीव | सिंचाणो | मीन |
| 12. | अमम | कृष्ण वासुदेव का जीव | वराह | मीन |
| 13. | निष्कषाय | बलदेव का जीव | महिष | कुंभ |
| 14. | निष्पुलाक | रोहिणी का जीव | गेंडो | मकर |
| 15. | निर्ममनाथ | सुलसा श्राविका का जीव | श्रीवत्स | धन |
| 16. | चित्रगुप्त | रेवती श्राविका का जीव | मगर | धन |
| 17. | समाधिनाथ | गवाली का जीव | चंद्र | वृश्चिक |
| 18. | संवर | शतानिक का जीव | स्वस्तिक | तुला |
| 19. | यशोधर | द्वीपायन का जीव | लालकमल | कन्या |
| 20. | विजय | कर्ण का जीव | सारस | सिंह |
| 21. | मल्लदेव | 8वां नारद का जीव | कपि | मिथुन |
| 22. | देवजिन | अंबड तापस का जीव | अश्व | मिथुन |
| 23. | अनंतवीर्य | अमरकुमार का जीव | हाथी | वृषभ |
| 24. | भद्रजिन | स्वाती का जीव | वृषभ | धन |

११३

## आदिनाथ भगवान के तेरह भव

(1) धनसार्थवाह (2) उत्तरकुरुक्षेत्र युगलिक (3) सौधर्म देवलोक (4) महाबल राजा (5) इशान देवलोक (6) वज्रजंघ (7) उत्तर कुरुक्षेत्र युगलिक (8) सौधर्म देवलोक (9) जीवानंद वैद्य (10) अच्युत देवलोक (11) वज्रनाभ चक्रवर्ती (12) सर्वार्थ सिद्ध (13) ऋषभदेव

११४

## चन्द्रप्रभ भगवान के सात भव

(1) चर्मरुप (धर्मराजा) (2) सौधर्म देवलोक) (3) अजितसेन राजा (4) अच्युत देवलोक (5) पद्मराजा (6) विजयन्त देवलोक (7) चन्द्रप्रभ भ.

११५

## शांतिनाथ भगवान के बारह भव

(1) श्रीषेण राजा (2) उत्तरकुरुक्षेत्र में युगलिक (3) सौधर्मेन्द्र (4) अमितगति विद्याधर (5) प्राणतदेवलोक (6) बलभद्र राजा (7) अच्युत देवलोक (8) वज्रायुध चक्री (9) ग्रैवे.यक देवलोक (10) मेघरथ राजा (11) सर्वार्थसिद्ध देवलोक (12) शांतिनाथ भ.

११६

## मुनिसुव्रत स्वामी भगवान के नव भव

(1) शिवकेतु राजा (2) सौधर्मेन्द्र देवलोक (3) कुबेर दत्त (4) सनत्कुमार देवलोक (5) वज्रकुंडल राजा (6) ब्रह्म देवलोक (7) श्रीवर्म राजा (8) अपराजित देवलोक (9) मुनिसुव्रत स्वामी भ.

११७

## नेमिनाथ भगवान के नव भव

(1) धनराजा (2) ब्रह्म देवलोक (3) चित्रगति विद्याधर (4) माहेन्द्र देवलोक (5) अपराजित राजा (6) आरण्य देवलोक (7) शंखराजा (8) अपराजित देवलोक (9) नेमिनाथ भ.

११८

## पार्श्वनाथ भगवान के दश भव

(1) मरुभूति (2) हाथी (3) सहस्रार देवलोक (4) किरणवेग विद्याधर (5) अच्युत देवलोक (6) वज्रनाभ राजा (7) मध्यम ग्रेवैयक (8) सुवर्णबाहु चक्रवर्ती (9) प्राणत देवलोक (10) पार्श्वनाथ भगवान

११९

## महावीर स्वामी भगवान के २७ भव

(1) नयसार नामके ग्राम मुखी (2) सौधर्म (3) मरिचि राजकुमार (4) ब्रह्म देवलोक (पांचवा) (5) कौशिक (6) पुष्पमित्र ब्राह्मण (7) सौधर्म देवलोक (8) अग्निद्योत ब्राह्मण (9) इशान देवलोक (दुसरा) (10) अग्निभूत ब्राह्मण (11) सनत्कुमार देवलोक (12) भारद्वाज ब्राह्मण (13) विश्वभूति राजकुमार (14) स्थावर ब्राह्मण (15) पांचवा देवलोक (16) विश्वभूति राजकुमार (17) महाशुक्र देवलोक (18) त्रिपृष्ठ वासुदेव (19) सातवी नरक (20) सिंह (21) चोथी नरक (22) विमल राजा (23) प्रियमित्र चक्रवर्ती (24) महाशुक्र देवलोक (25) नंदन राजकुमार (26) प्राणत देवलोक (27) महावीर स्वामी भगवान.

**(दूसरे सभी तीर्थंकर भगवान के तीन तीन भव हुए हैं)**

(1) मनुष्य (2) देवलोक (3) तीर्थंकर

१२०

## आदिनाथ भगवान के खुद के परिवारके साथ पांच भव

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| (1) | जीवानंद | मधिर | सुबुद्धि | पुर्णभद्र | गुणाकार | केशव |
| (2) | देवलोक | देवलोक | देवलोक | देवलोक | देवलोक | देवलोक |
| (3) | वज्रनाभ | बाहु | सुबाहु | पीठ | महापीठ | सुयश सारथी |
| (4) | सर्वार्थसिद्ध | देवलोक | देवलको | देवलोक | देवलोक | देवलोक |
| (5) | ऋषभदेव | भरत | बाहुबली | ब्राह्मी | सुंदरी | श्रेयांसकुमार |

१२१

## नेमनाथ भगवान के नव भव

| भव | नगरी | माता | पिता | नाम | विशेष |
|---|---|---|---|---|---|
| (1) | अचलपुर | धारिणी | विक्रम धन | धनराज | संयम |
| (2) | सौधर्म देव | – | – | – | – |
| (3) | सुरतेज | विद्युतमती | सुरचक्री | चित्रगति विद्याधर | संयम |
| (4) | माहेन्द्र देवलोक | – | – | – | – |
| (5) | सिद्धपुर | प्रियदर्शन | हरिनंदी | अपराजित | संयम |
| (6) | आरण देवलोक | – | – | – | – |
| (7) | हस्तिनापुर | श्रीमती राणी | श्रीषेण राजा | शंखराजा | संयम |
| (8) | अपराजीत देवलोक | – | – | – | – |
| (9) | सूर्यपुर | शिवादेवी | समुद्रविजय | नेमनाथ | संयम |

१२२

## राजीमती (राजुल) के नव भव

| भव | नगरी | माता | पिता | नाम | विशेष |
|---|---|---|---|---|---|
| (1) | कुसुमपुर | विमला | सिंहराजा | धनवती | संयम |
| (2) | सौधर्म देवलोक | – | – | – | – |
| (3) | शिवमंदिर | शशिप्रभा | अनंगसिंह | रत्नवती | संयम |
| (4) | माहेन्द्र देवलोक | – | – | – | – |
| (5) | जनानंद | धारिणी | जीतशत्रुराजा | प्रितिमती | संयम |
| (6) | आरण्य देवलोक | – | – | – | – |
| (7) | चंपापुरी | किर्तीमती | जितारीराजा | यशोमती | संयम |
| (8) | अपराजीत | अनुत्तरविमान | – | – | – |
| (9) | मथुरा | धारिणी | उग्रसेन | राजीमती | संयम |

१२३

## समारादित्य केवली के नव भव

| भव | नगरी | माता | पिता | नाम | विशेष |
|---|---|---|---|---|---|
| (1) | क्षितिप्रतिष्ठित | कुमुदिनि | पूर्णचंद्रराजा | गुणसेन | राजपुरोहित पुत्रो |
| (2) | जयपुर | श्रीकान्ता | पुरुषदत्त | सिंहराजा | पिता-पुत्र |
| (3) | कौशांबी | जालिनी | ब्रह्मदत्त | शिखीकुमार | माता-पुत्र |
| (4) | सुशर्मनगर | श्रीदेवी | सुधन्वराजा | धन | पति-पत्नी |
| (5) | काकंदी | लीलावती | सूरतेजराजा | जय | दोनोभैयां |
| (6) | माकंदी | हारप्रभा | बंधुदत्तशेठ | धरण | पति-पत्नी |
| (7) | चंपा | जयसुंदरी | अमरसेनराजा | सेन | पितराई भाई |
| (8) | अयोध्या | पद्मावती | मैत्रबलराजा | गुणचंद्र | – |
| (9) | उज्जेणी | सुंदरी | पुरुषसिंहराजा | समरादित्य | राजा-चंडाल |

१२४

## नलराजा एवं दमयंती सती के भव

| भव | नगरी | पति | पत्नी |
|---|---|---|---|
| (1) | संगर | मम्मणराजा | वीरमतीराणी |
| (2) | देवलोक में देव-देवी हुए | – | – |
| (3) | पोतनपुर | धन्य भरवाड | घुसरी |
| (4) | हेमवंत क्षेत्र में युगलिक हुए | – | – |
| (5) | देवलोक में | क्षीर कंकर देव | क्षीरकंकरा देवी |
| (6) | कोशला | नलराजा | दमयंती |
| (7) | उत्तरदिशा के कुबेर नामक | लोकपाल(नल) | कुबेरदेवी (दमयंती) |
| (8) | द्वारिका | कृष्णराजा की पत्नी | कनकावती राणी |

१२५

## सुनंदा रुपसेन के सात भव सुनंदा मोक्ष में गई

**रुपसेन के भव :** (1) रुपसेन (2) गर्भ में (3) सर्प (4) कौए (5) हंस (6) हिरण (7) हाथी (8) देवलोक मे गये ।

१२६

## श्रीपालराजा की नव रानी नाम एवं माता-पिता नगरी का नाम

| | राणी का नाम | नगरी | माता | पिता |
|---|---|---|---|---|
| (1) | मयणासुंदरी | उज्जयिणि | रुपसुंदरी | प्रजापाल |
| (2) | मदनसेना | बब्बरकोट | – | महाकाल |
| (3) | मदनमंजुषा | रत्नसंचया | रत्नमाला | कनककेतु |
| (4) | मदनमंजरी | थाणा | – | वासुपाल |
| (5) | गुणसुंदरी | कुंडलपुर | कपुर तिलका | मकर केतु |
| (6) | त्रैलोक्यसुंदरी | कंचनपुर | कंचनमाला | वज्रसेना |
| (7) | श्रृंगारसुंदरी | दलपतनगर | गुणमाला | धरापाल |
| (8) | जयसुंदरी | कोल्लाकपुर | विजयाराणी | पुरंदर राजा |
| (9) | तिलकसुंदरी | सोपारकनगर | तारामती | महसेन राजा |

१२७

## पवनपुत्र हनुमान के सात भव

| भव | नगरी | माता | पिता | नाम | विशेष |
|---|---|---|---|---|---|
| (1) | मंदरनगर | जया | प्रियनंदीवणिक | दमयंत | श्रद्धावना श्रावक |
| (2) | दुसरे देवलोकमें | – | – | – | – |
| (3) | मृंगाकनगर | प्रियंगुराणी | हरिचन्द्रराजा | सिंहचंद्र | धर्मिष्ठ |
| (4) | देवलोक | – | – | – | – |
| (5) | वारुणनगर | – | – | सिंहवाहन | लक्ष्मीधर मुनी के पास दीक्षा |
| (6) | देवलोक | – | – | – | – |
| (7) | आदित्यपुर | अंजना | पवनंजय | हनुमान | मोक्ष |

१२८

## महावीरस्वामी भगवान के ११ (ग्यारह) गणधर एवं परिवार पर्याय

| | नाम | गांव का नाम | माता का नाम | पिता का नाम | गृहस्थ अवस्था |
|---|---|---|---|---|---|
| (1) | इन्द्रभूति | गोबर | पृथ्वी | वसुभूति | 50 साल |
| (2) | अग्निभूति | गोबर | पृथ्वी | वसुभूति | 46 साल |
| (3) | वायुभूति | गोबर | पृथ्वी | वसुभूति | 42 साल |
| (4) | व्यक्ति | कोल्लाक | वारुणी | धनुर्मित्र | 50 साल |
| (5) | सुधर्मा | कोल्लाक | भद्रिला | धम्मिल | 50 साल |
| (6) | मंडित | मोर्य | विजया | धनदेव | 43 साल |
| (7) | मोर्य पुत्र | मोर्य | विजया | मोर्य | 65 साल |
| (8) | अकंपित | विमलापुरी | जयंति | देव | 48 साल |
| (9) | अचलभ्राता | कोला | नंदा | वसु | 36 साल |
| (10) | मेतार्य | तुंगीर | करुणा | दत्त | 36 साल |
| (11) | प्रभास | राजगृही | अतिभद्रा | बल | 16 साल |



### ११ गणधर

| | छद्मस्थ अवस्था | केवली अवस्था | शिष्य (संख्या) | आयुष्य |
|---|---|---|---|---|
| (1) | 30 साल | 12 साल | 500 | 92 साल |
| (2) | 12 साल | 16 साल | 500 | 74 साल |
| (3) | 10 साल | 18 साल | 500 | 70 साल |
| (4) | 12 साल | 18 साल | 500 | 80 साल |
| (5) | 42 साल | 8 साल | 500 | 100 साल |
| (6) | 14 साल | 16 साल | 350 | 83 साल |
| (7) | 14 साल | 16 साल | 350 | 95 साल |
| (8) | 9 साल | 21 साल | 300 | 78 साल |
| (9) | 12 साल | 14 साल | 300 | 62 साल |
| (10) | 10 साल | 16 साल | 300 | 62 साल |
| (11) | 8 साल | 16 साल | 300 | 40 साल |

१३०

## महान पुरुषों के पूर्व भव के नाम

| | भव के नाम | पूर्व भव के नाम |
|---|---|---|
| (1) | श्रीपाल राजा | श्रीकांत राजा |
| (2) | अजितसेन राजा | सिंह राजा |
| (3) | कुमारपाल राजा | जयताक |
| (4) | इलाचीकुमार | अग्निशर्मा ब्राह्मण |
| (5) | श्रेणीक राजा | सुमंगल राजा |
| (6) | कोणीक | श्येनक तापस |
| (7) | समरादित्य केवली | गुणचंद्र |
| (8) | मेतार्य मुनि | सौवस्तिक |
| (9) | वज्रस्वामी | जृंबकदेव |
| (10) | नंदिषेण | भीम नामक दास |
| (11) | शालिभद्र | संगम |
| (12) | हेमचंद्राचार्य | यशोभद्रसुरी |
| (13) | जंबुस्वामी | शिवकुमार |
| (14) | चिलाती पुत्र | यज्ञदेव ब्राह्मण |
| (15) | श्रीमती | बंधुमती |
| (16) | मेघकुमार | मेरुप्रभ हाथी |
| (17) | आर्द्रकुमार | सोमादित्य (सामायिक) |
| (18) | हरिकेशी बल | सोमदेव पुरोहित |
| (19) | शुलपाणी यक्ष | धवलनामक बेल |
| (20) | मृगापुत्र | राष्ट्रकुट राजा |
| (21) | शंखराजा | पोपट |
| (22) | सुदर्शन शेठ | सुभत्र गोवाल |
| (23) | जटायु पक्षी | दंडक राजा |
| (24) | ढंढण मुनी | पारासर ब्राह्मण |
| (25) | वरदत्तकुमार | वसुदेव सुरि |

| | | |
|---|---|---|
| (26) | ओढर श्रावक | उदायन मंत्री |
| (27) | अकबर बादशाह | मुकुंद ब्रह्मचारी |
| (28) | हालिक खेडुत | सुदृष्ट नागकुमार देव |
| (29) | कुतपुण्य | गोवल पुत्र |
| (30) | तेतली पुत्र | महापद्म राजा |
| (31) | मयणा सुंदरी | श्रीमती राणी |
| (32) | सुंदरी (अक्षयनिधि) | सर्वऋद्धि |
| (33) | अंजना सुंदरी | कंकोदरी राणी |
| (34) | द्रौपदी सती | सुकुमालिका |
| (35) | कलावती | सुलोचना |
| (36) | सीता | वेगवती |
| (37) | ऋषिदत्ता | गंगासेना |
| (38) | वसंततिलका | जयश्री साध्वी |
| (39) | गुणमंजरी | सुंदरी |
| (40) | भरत (चक्रवर्ती) | बाहु मुनी |
| (41) | मघवा (चक्रवर्ती) | नरपति राजा |
| (42) | सनत्कुमार (चक्रवर्ती) | विक्रमयशा राजा (जिन धर्मकुमार) |
| (43) | सुभूम (चक्रवर्ती) | भूपाल राजा |
| (44) | महापद्म (चक्रवर्ती) | प्रजापाल |
| (45) | हरिषेण (चक्रवर्ती) | नाभिराम राजा |
| (46) | जय (चक्रवर्ती) | वसुंधर राजा |
| (47) | ब्रह्मदत्त (चक्रवर्ती) | संभूति मुनि |
| (48) | त्रिपृष्ठ वासुदेव | विश्वभूति मुनि |
| (49) | द्विपृष्ठ वासुदेव | पर्वतराजा |
| (50) | स्वयंभू वासुदेव | धनमित्र |
| (51) | पुरुषोत्तम वासुदेव | समुद्रदत्त |
| (52) | पुरुषसिंह वासुदेव | विकट राजा |
| (53) | पुरुष पुंडरिक वासुदेव | प्रियमित्र राजा |
| (54) | दत्त वासुदेव | ललितमित्र राजा |

| | | |
|---|---|---|
| (55) | लक्ष्मण वासुदेव | पुनर्वसु विद्याधर |
| (56) | कृष्ण वासुदेव | गंगदत्त |
| (57) | अचल बलदेव | सुबल राजा |
| (58) | विजय बलदेव | पवन वेगराजा |
| (59) | भद्र बलदेव | नंदिसुमित्र राजा |
| (60) | सुप्रभ बलदेव | महाबल राजा |
| (61) | सुदर्शन बलदेव | पुरुष वृषभ राजा |
| (62) | आनंद बलदेव | सुदर्शन राजा |
| (63) | नंदन बलदेव | वसुधर राजा |
| (64) | राम बलदेव (पद्म) | श्री चन्द्रकुमार |
| (65) | राम (रोहीणी के पुत्र) | ललित |
| (66) | तारक (प्रति वासुदेव) | विंध्यशक्ति राजा |
| (67) | मेरक (प्रति वासुदेव) | बलिराजा |
| (68) | मधु (प्रति वासुदेव) | चंडशासन |
| (69) | निशुंभ (प्रति वासुदेव) | राजसिंह राजा |
| (70) | बलि (प्रति वासुदेव) | सुकेतु राजा |
| (71) | प्रह्लाद् (प्रति वासुदेव) | खलमंत्री |
| (72) | रावण (प्रति वासुदेव) | प्रभास मुनि |
| (73) | विभीषण | याज्ञवल्लय ब्राह्मण |
| (74) | सुग्रीव | वृषभ ध्वज |
| (75) | लव | प्रियंकर राजा |
| (76) | कुश | शुंभकर राजा |
| (77) | भामंडल | कुंडलमंडित राज़कुमार |
| (78) | विशल्या | अनंग सुंदरी |
| (79) | सुदर्शन | समडी |
| (80) | जनक राजा | रत्नमाली |
| (81) | कनक राजा (जनक राजा के भैया) | उपमन्यु पुरोहित |
| (82) | दशरथ राजा | सूर्यजय राजा |
| (83) | रोहिणी | दुर्गन्धा |

# प्रकरण-३
# चक्रवर्ती-बलदेव-वासुदेव-प्रतिवासुदेव का संक्षिप्त परिचय

## चक्रवर्ती के परिचय

| क्रम | 131<br>चक्रवर्ती के नाम | 132<br>माता के नाम | 133<br>पिता के नाम |
|---|---|---|---|
| 1. | भरत | सुमंगला | ऋषभदेव |
| 2. | सगर | यशोमती | सुमित्रराजा |
| 3. | मघवा | भद्रादेवी | समुद्रविजय |
| 4. | सनत्कुमार | सहदेवी | अश्वसेन |
| 5. | शांतिनाथ | अचिरा | विश्वसेन |
| 6. | कुंथुनाथ | श्रीदेवी | शूरराजा |
| 7. | अरनाथ | देवीरानी | सुदर्शनराजा |
| 8. | सुभूम | तारादेवी | कृतवीर्य |
| 9. | पद्म | ज्वालाराणी | पद्मोत्तर राजा |
| 10. | हरिषेण | मेरादेवी | महाहरी राजा |
| 11. | जय | वप्रादेवी | विजय |
| 12. | ब्रह्मदत्त | चुलणी | ब्रह्मराजा |

| क्रम | 134<br>चक्रवर्ती के नग्गरी का नाम | 135<br>चक्रवर्ती के शरीर की ऊंचाई | 136<br>चक्रवर्ती के वर्ण |
|---|---|---|---|
| 1. | अयोध्या | 500 धनुष्य | सुवर्ण |
| 2. | अयोध्या | 450 धनुष्य | सुवर्ण |
| 3. | सावत्थी | 42 1/2 धनुष्य | सुवर्ण |
| 4. | हस्तिनापुर | 41 1/2 धनुष्य | सुवर्ण |
| 5. | गजपुर | 40 धनुष्य | सुवर्ण |
| 6. | गजपुर | 35 धनुष्य | सुवर्ण |
| 7. | गजुपर | 30 धनुष्य | सुवर्ण |
| 8. | हस्तिनापुर | 28 धनुष्य | सुवर्ण |
| 9. | वाराणसी | 20 धनुष्य | सुवर्ण |
| 10. | कांपिल्यपुर | 15 धनुष्य | सुवर्ण |
| 11. | राजगृही | 12 धनुष्य | सुवर्ण |
| 12. | कांपिल्यपुर | 7 धनुष्य | सुवर्ण |

| क्रम | 137<br>गोत्र | 138<br>आयुष्य | 139<br>गति |
|---|---|---|---|
| 1. | काश्यप गोत्र | 84,00,000 पूर्व | मोक्ष |
| 2. | काश्यप गोत्र | 72,00,000 पूर्व | मोक्ष |
| 3. | काश्यप गोत्र | 5,00,000 पूर्व | तीसरा देवलोक |
| 4. | काश्यप गोत्र | 3,00,000 पूर्व | तीसरा देवलोक |
| 5. | काश्यप गोत्र | 1,00,000 वर्ष | मोक्ष |
| 6. | काश्यप गोत्र | 95,000 वर्ष | मोक्ष |
| 7. | काश्यप गोत्र | 84,000 वर्ष | मोक्ष |
| 8. | काश्यप गोत्र | 60,000 वर्ष | सातवी नरक |
| 9. | काश्यप गोत्र | 30,000 वर्ष | मोक्ष |
| 10. | काश्यप गोत्र | 10,000 वर्ष | मोक्ष |
| 11. | काश्यप गोत्र | 3,000 वर्ष | मोक्ष |
| 12. | काश्यप गोत्र | 700 वर्ष | सातवी नरक |

| क्रम | 140<br>कुमारावस्था | 141<br>मांडलिक काल | 142<br>चक्री शासन काल |
|---|---|---|---|
| 1. | 77,00,000 पूर्व | 1000 वर्ष | न्युन 6 लाख पूर्व में 61,000 वर्ष न्यून |
| 2. | 25,000 वर्ष | 50,000 वर्ष | -- |
| 3. | 25,000 वर्ष | 25,000 वर्ष | 3,90,000 वर्ष |
| 4. | 50,000 वर्ष | 50,000 वर्ष | 90,000 वर्ष |
| 5. | 25,000 वर्ष | 25,000 वर्ष | 25,000 वर्ष |
| 6. | 23,750 वर्ष | 23,750 वर्ष | 23,750 वर्ष |
| 7. | 21,000 वर्ष | 21,000 वर्ष | 21,000 वर्ष |
| 8. | 5,000 वर्ष | 5,000 वर्ष | 49,500 वर्ष |
| 9. | 500 वर्ष | 500 वर्ष | 18,700 वर्ष |
| 10. | 325 वर्ष | 325 वर्ष | 1,850 वर्ष |
| 11. | 300 वर्ष | 300 वर्ष | 1,900 वर्ष |
| 12. | 28 वर्ष | 56 वर्ष | 600 वर्ष |

| क्रम | 143<br>चक्रवर्ती दीक्षा में कितने साल तक | 144<br>चक्रवर्ती कौन से तीर्थंकर भ. के समय में हुए | 145<br>चक्रवर्ती के स्त्रीरत्न के नाम |
|---|---|---|---|
| 1. | 1,00,000 पूर्व | ऋषभदेवजी | सुभद्रा |
| 2. | 9,00,000 पूर्व | अजितनाथजी | सुकेशा |
| 3. | 50,000 वर्ष | धर्मनाथजी | जया |
| 4. | 1,00,000 वर्ष | धर्मनाथजी | सुनंदा |
| 5. | 25,000 वर्ष | शांतिनाथजी (खुद) | विजया |
| 6. | 23,750 वर्ष | कुंथुनाथजी (खुद) | कृष्णश्री |
| 7. | 21,000 वर्ष | अरनाथजी भ. (खुद) | सूरजी |
| 8. | – | अरनाथजी भ. के बाद | पद्मश्री |
| 9. | 10,000 वर्ष | मुनिसुव्रत स्वामी भ. | मदनावली |
| 10. | 350 वर्ष | नमिनाथ | श्रीदेवी |
| 11. | 400 वर्ष | नेमिनाथ | लक्ष्मीवती |
| 12. | – | नेमिनाथ भ. के बाद | कुरुमती |

## वासुदेव के परिचय

| क्रम | 146<br>वासुदेव के नाम | 147<br>माता के नाम | 148<br>पिता के नाम |
|---|---|---|---|
| 1. | त्रिपृष्ठ | मृगावती | प्रजापतिराजा |
| 2. | द्विपृष्ठ | पद्मादेवी | ब्रह्मराजा |
| 3. | स्वयंभू | पृथ्वीदेवी | भद्रराजा |
| 4. | पुरुषोत्तम | सीतादेवी | सोमराजा |
| 5. | पुरुषसिंह | अमृतादेवी | शीवराजा |
| 6. | पुरुष पुंडरिक | लक्ष्मीवती | महाशिर |
| 7. | दत्त | शेषवती | अग्निसिंह |
| 8. | लक्ष्मण | सुमीत्रादेवी | दशरथ |
| 9. | कृष्ण | देवकी | वसुदेव |

| क्रम | 149<br>वासुदेव के<br>नगरी का नाम | 150<br>वासुदेव के<br>शरीर की ऊँचाई | 151<br>वासुदेव के<br>वर्ण |
|---|---|---|---|
| 1. | पोतनपुर | 80 धनुष्य | कृष्ण |
| 2. | द्वारिका | 70 धनुष्य | कृष्ण |
| 3. | द्वारिका | 60 धनुष्य | कृष्ण |
| 4. | द्वारिका | 50 धनुष्य | कृष्ण |
| 5. | अश्वपुर | 40 धनुष्य | कृष्ण |
| 6. | चक्रपुरी | 29 धनुष्य | कृष्ण |
| 7. | काशी | 26 धनुष्य | कृष्ण |
| 8. | अयोध्या (राजगृह) | 16 धनुष्य | कृष्ण |
| 9. | मथुरा | 10 धनुष्य | कृष्ण |

| क्रम | 152<br>गोत्र | 153<br>आयुष्य | 154<br>गति |
|---|---|---|---|
| 1. | गौतम गोत्र | 84,00,000 पूर्व | सातवी नरक |
| 2. | गौतम गोत्र | 72,00,000 पूर्व | छठ्ठी नरक |
| 3. | गौतम गोत्र | 60,00,000 पूर्व | छठ्ठी नरक |
| 4. | गौतम गोत्र | 30,00,000 पूर्व | छठ्ठी नरक |
| 5. | गौतम गोत्र | 10,00,000 पूर्व | छठ्ठी नरक |
| 6. | गौतम गोत्र | 65,000 पूर्व | छठ्ठी नरक |
| 7. | गौतम गोत्र | 56,000 पूर्व | पांचवी नरक |
| 8. | काश्यप गोत्र | 12,000 पूर्व | चौथी नरक |
| 9. | गौतम गोत्र | 1,000 पूर्व | तीसरी नरक |

| क्रम | 155<br>वासुदेव की<br>कुमारा अवस्था | 156<br>वासुदेव का<br>मांडलिक पणे में | 157<br>वासुदेव का<br>राज्यपालन |
|---|---|---|---|
| 1. | 25,000 वर्ष | 25,000 वर्ष | 83,49,000 वर्ष |
| 2. | 75,000 वर्ष | 75,000 वर्ष | 72,49,900 वर्ष |
| 3. | 12,000 वर्ष | 12,000 वर्ष | 49,75,910 वर्ष |
| 4. | 700 वर्ष | 1,300 वर्ष | 29,97,920 वर्ष |
| 5. | 300 वर्ष | 1200 वर्ष | 9,98,3800 वर्ष |
| 6. | 250 वर्ष | 250 वर्ष | 64,440 वर्ष |
| 7. | 900 वर्ष | 50 वर्ष | 55,000 वर्ष |
| 8. | 100 वर्ष | 300 वर्ष | 11,560 वर्ष |
| 9. | 16 वर्ष | 56 वर्ष | 920 वर्ष |

| क्रम | 158<br>वासुदेव दिग्विजय में<br>कितने साल | 159<br>वासुदेव की पत्नी<br>(स्त्री) | 160<br>वासुदेव की माता<br>ने कितने स्वप्न देखें |
|---|---|---|---|
| 1. | 1000 वर्ष | 32,000 | 7 |
| 2. | 100 वर्ष | 32,000 | 7 |
| 3. | 90 वर्ष | 32,000 | 7 |
| 4. | 80 वर्ष | 32,000 | 7 |
| 5. | 70 वर्ष | 32,000 | 7 |
| 6. | 60 वर्ष | 32,000 | 7 |
| 7. | 50 वर्ष | 32,000 | 7 |
| 8. | 40 वर्ष | 32,000 | 7 |
| 9. | 8 वर्ष | 32,000 | 7 |

## प्रति वासुदेव का परिचय

| क्रम | 161 प्रतिवासुदेव के नाम | 162 माता के नाम | 163 पिता के नाम |
|---|---|---|---|
| 1. | अश्वग्रीव | नीलांजल | मयुर ग्रीव |
| 2. | तारक | श्रीमती | श्रीधर |
| 3. | मेरक | सुंदरी | समर केशरी |
| 4. | मधु | गुणवंती | विलास |
| 5. | निशंभु | – | – |
| 6. | बलि | – | मेघनाथ |
| 7. | प्रह्लाद | – | – |
| 8. | रावण | कैकसी | रत्नश्रवा |
| 9. | मगधेश्वर (जरासंघ) | – | जयद्रथ |

| क्रम | 164 प्रतिवासुदेव की जन्म नगरी का नाम | 165 वासुदेव का आयुष्य | 166 वासुदेव के वर्ण |
|---|---|---|---|
| 1. | रत्नपुर | 84,00,000 वर्ष | श्याम वर्ण |
| 2. | विजयपुर | 72,00,000 वर्ष | श्याम वर्ण |
| 3. | नंदनपुर | 60,00,000 बर्ष | श्याम वर्ण |
| 4. | पृथ्वीपुर | 30,00,000 वर्ष | श्याम वर्ण |
| 5. | हरिपुर | 10 लाख वर्ष | श्याम वर्ण |
| 6. | अरिंजय | 50,000 वर्ष | श्याम वर्ण |
| 7. | तिलकपुर | 32,000 वर्ष | श्याम वर्ण |
| 8. | पाताल लोक | 12,000 वर्ष | श्याम वर्ण |
| 9. | राजगृही | 1,200 वर्ष | श्याम वर्ण |

| क्रम | 167<br>प्रतिवासुदेव कौन से भगवान के समय में | 168<br>प्रतिवासुदेव का राज्य |
|---|---|---|
| 1. | श्रेयांसनाथ भगवान | 3 खंड |
| 2. | वासुपूज्य स्वामी | 3 खंड |
| 3. | विमलनाथ भगवान | 3 खंड |
| 4. | अनंतनाथ भगवान | 3 खंड |
| 5. | धर्मनाथ भगवान | 3 खंड |
| 6. | अरनाथ भगवान | 3 खंड |
| 7. | अरनाथ भगवान | 3 खंड |
| 8. | मुनिसुव्रत स्वामी | 3 खंड |
| 9. | नेमनाथ भगवान | 3 खंड |

## बलदेव का परिचय

| क्रम | 169<br>बलदेव का नाम | 170<br>माता का नाम | 171<br>पिता के नाम |
|---|---|---|---|
| 1. | अचल | भद्रादेवी | प्रजापति राजा |
| 2. | विजय | सुभद्रा | ब्रह्मराजा |
| 3. | भद्र | सुप्रभा | भद्ररराजा |
| 4. | सुप्रभ | सुदर्शना | सोमराजा |
| 5. | सुदर्शन | विजया | शीवराजा |
| 6. | आनंद | विजयन्ति | महाशिर |
| 7. | नंदन | जयन्ति | अग्निसिंह |
| 8. | पद्म (राम) | अपराजिता (कौशल्या) | दशरथ |
| 9. | बलभद्र | रोहिणी | वसुदेव |

| क्रम | 172<br>बलदेव की जन्म नगरी का नाम | 173<br>बलदेव का आयुष्य | 174<br>कौन से तीर्थंकर के समय में |
|---|---|---|---|
| 1. | पोतनपुर | 85,00,000 वर्ष | श्रेयांसनाथ |
| 2. | द्वारिका | 75,00,000 वर्ष | वासुपूज्यस्वामी |
| 3. | द्वारिका | 65,00,000 वर्ष | विमलनाथ |
| 4. | द्वारिका | 55,00,000 वर्ष | अनंतनाथ |
| 5. | अश्वपुर | 17,00,000 वर्ष | धर्मनाथ |
| 6. | चक्रपुरी | 85,000 वर्ष | 18-19 के अंतरमें |
| 7. | काशी | 50(65),000 वर्ष | 19-20 के अंतरमें |
| 8. | अयोध्या (राजगृही) | 15,000 वर्ष | 20-21 के अंतरमें |
| 9. | मथुरा | 12,000 वर्ष | नेमिनाथ |

| क्रम | 175<br>बलदेव कौन से गति में | 176<br>धर्माचार्य |
|---|---|---|
| 1. | मोक्ष | धर्मघोषमुनि |
| 2. | मोक्ष | विजयमुनि |
| 3. | मोक्ष | मुनिचंद्रविजय |
| 4. | मोक्ष | मृगांकमुनि |
| 5. | मोक्ष | कीर्तिधरमुनि |
| 6. | मोक्ष | सुमित्रमुनि |
| 7. | मोक्ष | भवनश्रुतमुनि |
| 8. | मोक्ष | सुव्रतमुनि |
| 9. | पांचवा देवलोक | विद्याधरमुनि |

| क्रम | पूर्वभव के नाम | भूतकाल के नाम | भविष्य के बलदेव |
|---|---|---|---|
| 1. | विश्वनंदी | श्रीकांत | जयन्त |
| 2. | सुबंधु | कांतचित्त | विजय |
| 3. | सागरदत्त | बरबुद्धि | भद्र |
| 4. | अशोक | मनोरथ | सुप्रभ |
| 5. | ललित | दयामूर्ति | सुदर्शन |
| 6. | वराह | विपुलकीर्ति | आनंद |
| 7. | धर्मसेन | प्रभाकर | नंदन |
| 8. | अपराजित | संजयन्त | पद्म |
| 9. | ललितराज | जयन्त | संकर्षण |

| क्रम | भविष्य के प्रतिवासुदेव | भूतकाल के प्रतिवासुदेव |
|---|---|---|
| 1. | तिलक | निशंभु |
| 2. | लोहबंध | विद्युत्प्रभ |
| 3. | वज्रजंध | धनरसिक |
| 4. | कंशरी | मनोवेग |
| 5. | प्रहलाद | मित्रवेग |
| 6. | अपराजित | दृढरथ |
| 7. | भीम | वज्रजंघ |
| 8. | महाभीम | विद्युतदंड |
| 9. | सुग्रीव | प्रहलाद |

## श्रावक के 36 कर्तव्य

1. मन्नह जिणाण आणं - जिनेश्वर की आज्ञा
2. मिच्छं परिहरह - मिथ्यात्व को छोडो
3. धरह सम्मतं - सम्यक्त्वं को धारण करो
4. से 9. छव्विह आवस्सयंमि - छ आवश्यक प्रतिदिन करो.

| | | | |
|---|---|---|---|
| 10. | पव्वेसु पोसहवयं | - | पर्व के दिन पौषध. |
| 11. | दाणं | - | दान देना. |
| 12. | शीलं | - | शील का पालन. |
| 13. | तवोअ | - | तप करना |
| 14. | भावो अ | - | भावना भाववी |
| 15. | सज्झाय | - | स्वाध्याय करना |
| 16. | नमुक्कारो | - | नमस्कार करना |
| 17. | परोवयारो अ | - | परोपकार करना |
| 18. | जयणाअ | - | जयणा पालना |
| 19. | जिणपूआ | - | जिनेश्वर की पूजा |
| 20. | जिणथुणणं | - | जिन स्तुति करना |
| 21. | गुरुथुअ | - | गुरु स्तिति करना |
| 22. | साहम्मिआणं वच्छल्लं | - | साधर्मिक वात्सल्य |
| 23. | ववहारस्स य सुद्धी | - | व्यवहार की शुद्धि करना |
| 24. | रहजत्ता | - | रथयात्रा का आयोजन |
| 25. | तित्थजत्ताय | - | तीर्थयात्रा करना |
| 26. | उवसम | - | उपशम (समता) धरना. |
| 27. | विवेग | - | विवेकबुद्धि |
| 28. | संवर | - | संवत (कर्म रोकने का उपाय) |
| 29. | भासा समिइ | - | भाषा समिति का ध्यान |
| 30. | 'छ' जीव कदणाय | - | षट्काय जीव उपर करुणा |
| 31. | धम्मिअ जण संसग्गो | - | धमीजन का संसर्ग |
| 32. | करणदमो | - | इन्द्रिय उपर काबू रखना |
| 33. | चरण परिणामो | - | चारित्र का परिणाम |
| 34. | संघोवरि बहुमानो | - | संघ के उपर बहुमान भाव |
| 35. | पुत्थय लिहणं | - | पुस्तक (आगम) लिखाना |
| 36. | पभावना तित्थं | - | शासन प्रभावना करना. |

# हमारे अन्य प्रकाशन

**प्राप्ति स्थान**

**श्री पारस-गंगा ज्ञान मंदिर**

बी-103,104, केदार टावर, राजस्थान होस्पीटल के सामने, शाहीबाग, अमदावाद - 4. फोन : 22860247 M.: 9426539076 (राजेन्द्रभाई)